फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 60 प्रभात जयपुर, बुधवार 30 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Beware of Luxury

The children are not the problem here. They show us what happens when adults stop watching. This house is not falling apart later. It is falling apart now

The Art of Designing Before the Loom

The Underground Elephants of Mount Elgon

राहुल गांधी ने सीडब्ल्युसी में पुरजोर शब्दों में कहा, ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए हम अंत तक लड़ेंगे

'मोदी स्वयं ज्ञानेश को हटाएंगे, जैसे धर्मेन्द्र प्रधान को हटाना पड़ा था'

- इस प्रसंग पर चर्चा करते हुए राहुल गांधी ने एक किस्सा भी सुनाया।
- किस्से के अनुसार, विपक्ष के नेता बनने के बाद उन्होंने प्र.मंत्री व गृह मंत्री से कहा कि मैं कुछ नियुक्तियों का विरोध कर रहा हूँ, विपक्ष के नेता के रूप में, चयन समिति का सदस्य होने के नाते से, तो आप उन व्यक्तियों को ऊंचे पदों पर लगातार नियुक्त कैसे किए जा रहे हैं।
- इस पर मोदी जी ने कहा, ठीक उसी तरह से, जैसे इंदिरा गांधी करती थीं।
- तब, राहुल गांधी के अनुसार, उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी को सत्ता छोड़ने पड़ी थी। तब, राहुल गांधी के अनुसार, प्र.मंत्री मोदी ने कहा, हमें यह मालूम है और तब तुम सत्ता में आओगे।
- राहुल गांधी का सीडब्ल्युसी की बैठक में यह किस्सा सुनाने का मकसद शायद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को विश्वास दिलाना था कि कांग्रेस सत्ता में आएगी और यह प्र.मंत्री मोदी भी मान रहे हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। आक्रामक और पूर्ण आत्मविश्वास से भरे राहुल गांधी ने सीडब्ल्युसी से कहा कि चीफ इलैक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाना "आर-पार की लड़ाई है।"

उन्होंने कहा कि कुमार पद से हटेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही उनका इस्तीफा सुनिश्चित करेंगे, ठीक उसी तरह जैसे धर्मेन्द्र प्रधान के मामले में हुआ था।

राहुल गांधी ने एक किस्सा सुनाया कि जब वे लोकसभा में विपक्ष के नेता बने, तो प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के साथ एक बैठक में उन्होंने कुछ नामों का विरोध किया था और उन लोगों से पूछा था कि जब वे इन नामों का विरोध कर रहे हैं, तो इन लोगों की नियुक्ति कैसे आगे बढ़ा सकते हैं।

राहुल के अनुसार, मोदी ने इसका जवाब उसी अंदाज में दिया, जिस तरह इंदिरा गांधी दिया करती थीं।

तब राहुल ने कहा कि इंदिरा गांधी को सत्ता छोड़नी पड़ी थी।

तब प्रधानमंत्री ने कहा कि हाँ, हमें यह पता है और जब हम जाएंगे तो आप सत्ता में आएंगे।

इसके बाद, राहुल ने हंसते हुए सीडब्ल्युसी के सदस्यों से कहा कि "प्रधानमंत्री भी मानते हैं कि हम सत्ता में आएंगे, लेकिन कांग्रेस के लोगों को ही विश्वास नहीं है कि हम सत्ता में आएंगे।" उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से जब वे तथ्यों और जानकारी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के कारण बाँग्लादेश का परमाणु ऊर्जा संयंत्र अटका

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। ऐसे समय में, जब बांग्लादेश पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, उसे एक अलग वास्तविकता का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए परमाणु ईंधन लेकर जा रही एक रूसी उड़ान को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति नहीं दी। बांग्लादेश के पहले

- परमाणु ईंधन लेकर आ रही रूसी उड़ान को पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र से नहीं गुजरने दिया।

परमाणु ऊर्जा संयंत्र की यूनिट-2 के लिए परमाणु ईंधन की पहली खेप 24 सितंबर को पहुंचने वाली थी।

इसका समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि बांग्लादेश अपने पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र में जल्द से जल्द व्यावसायिक उत्पादन शुरू करना चाहता है। देश इस समय कई दशकों के सबसे गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान द्वारा हवाई क्षेत्र की अनुमति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा

याचिका में चीफ इलैक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने इस तरह से काम किया, जैसे, वे चुनाव आयोग की ओर से कोई भी निर्णय ले सकते हैं

- जबकि, याचिका के अनुसार, तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में सर्वसम्मति से निर्णय लेने का प्रावधान है और अगर तीनों चुनाव आयुक्तों में सर्वसम्मति नहीं बन रही है तो बहुमत से निर्णय होना चाहिए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई करने पर सहमत हो गया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने चुनाव आयोग के अन्य दो चुनाव आयुक्तों- सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की मंजूरी के बिना, अकेले ही भारतीय निर्वाचन आयोग के नाम पर फैसले लिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सामने इस याचिका का उल्लेख किया।

सिंह ने कहा, बहु-सदस्यीय आयोग बनाने का उद्देश्य यही था और कानून भी यही कहता है कि फैसला सर्वसम्मति से या बहुमत के आधार पर होना चाहिए। लेकिन जिस तरह चुनाव आयोग ने काम किया है, उससे इस बात पर गंभीर संदेह पैदा होता है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन/एसआईआर) की पूरी प्रक्रिया के लिए वास्तव में चुनाव आयोग का कोई फैसला था भी या नहीं। क्योंकि अगर आयोग ने सर्वसम्मति से फैसला नहीं लिया है, तो --- कोर्ट ने जो फैसला लिया है, वह भी इस आधार पर लिया है कि यह आयोग का फैसला है। इसलिए यह एक गंभीर मुद्दा है।"

सीजेआई ने निर्देश दिया, "इसे अगले सप्ताह की सूची में शामिल करें।"

याचिका में " को वारंटो" रिट जारी करने की मांग की गई है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त से यह बताने को कहा गया है कि उन्होंने किस अधिकार के तहत ऐसा काम किया और कर रहे हैं, मानो वो अकेले ही उस सामूहिक निर्णय लेने की शक्ति का इस्तेमाल करने के हकदार हों, जो संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, एक संस्था के तौर पर चुनाव आयोग को सौंपी गई है।

'मैं किसी भी सूरत में भाजपा के नेतृत्व से नहीं जुड़ूँगा'

शरद पवार का वक्तव्य काफी असाधारण माना जा रहा है

- पवार के बारे में यह कहा जाता है कि अपने छः दशक के राजनीतिक जीवन में वे अपनी प्रतिस्पर्धी पार्टियों व नेताओं को सदा उलझाए रखते हैं, अपनी वक्तव्यबाजी से तथा अंतिम क्षणों में ऐसा निर्णय लेते हैं, जिससे बाकी पार्टियाँ व नेता सदा अचंभित रहते हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, जो "अटकलों का खेल" खेलने के लिए जाने जाते हैं, ने अब एनसीपी के दोनों गुटों के विलय या भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की ओर जाने की संभावना से साफ तौर पर इनकार कर दिया है। मुंबई में एक पार्टी बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता ने कहा, "हम कहीं नहीं जा रहे हैं। हम किसी के साथ नहीं जाएंगे। अगर आप आना चाहते हैं, तो हमारे साथ आइए।" उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी और राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहते हुए, खुद को स्वतंत्र रूप से मजबूत करेगी।

यह बयान कई महीनों से चल रही अटकलों के बाद आया है। पवार की एनसीपी (एसपी) और विरोधी एनसीपी गुट के बीच दोबारा एकता की संभावना को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। यह दूसरा गुट अब सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में है, क्योंकि अजित पवार का निधन हो चुका है। इस चर्चा को उस समय और बल मिला, जब पवार ने इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मीटिंग की। इसके अलावा, दोनों पक्षों के नेताओं और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच भी बातचीत हुई थी। मीडिया में ऐसी बातें चल रही थीं कि दोनों गुट फिर से एक हो सकते हैं और उसके बाद उनके एनडीए के साथ जाने की संभावना बन सकती है। इसलिए पवार ने अब बिल्कुल साफ कर दिया है कि उनका ऐसा कोई विचार नहीं है और उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत करने तथा सूखे से राहत जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की बात कही है।

यह पवार के छह दशक लंबे राजनीतिक करियर में खेले गए "अटकलों के खेल" के पुराने पैटर्न के अनुरुप है। वे रणनीतिक अस्पष्टता, सोच समझकर चुनी गई चुप्पी और अचानक राजनीतिक गठबंधन बदलने /बनाने के लिए जाने जाते हैं, जैसे 1999 में कांग्रेस से अलग होकर एनसीपी बनाना या महाराष्ट्र में गठबंधन के समीकरणों को संभालना। उन्होंने बार-बार अपने सहयोगियों और विरोधियों, दोनों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ज्ञानेश के बचाव में भाजपा ने 12 मुख्यमंत्रियों को उतारा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी ने अपने 12 मुख्यमंत्रियों को उनके अपने राज्यों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए मैदान में उतारा। इसका

- भाजपा ने इंडिया गठबंधन पर बिना आधार के चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

उद्देश्य चुनाव आयोग के भीतर मतभेद की खबरों के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देना था। यह कदम कांग्रेस द्वारा ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर सोमवार से देशभर में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने की योजना से एक दिन पहले उठाया गया।

भाजपा की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्रियों ने राहुल गांधी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई आरसीए का चुनाव परिणाम जारी करने पर रोक

हाईकोर्ट ने दौसा सचिव बृजकिशोर के खिलाफ स्थगन प्रार्थना पत्र खारिज किया

- सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिये हैं कि राजस्थान हाईकोर्ट मामले में लंबित याचिका का मैरिट के आधार पर निर्धारित तिथि पर फैसला करे।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 29 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने की छूट देते हुए, चुनाव का परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट को कहा है कि वह मामले में लंबित याचिका का मेरिट के आधार पर निर्धारित तिथि पर फैसला करे। सीजे सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की खंडपीठ ने ये आदेश मेघा गौड़ व अन्य की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि वे याचिका में उठाए गए व्यापक मुद्दों को लेकर बीसीसीआई बनाम बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की याचिका की कार्रवाई में शामिल हो सकते हैं। दूसरी ओर, राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा जिला क्रिकेट संघ की याचिका पर सुनवाई करते हुए आरसीए के चुनाव परिणाम को याचिका के अंतिम फैसले के अधीन रखा है। इस याचिका में प्रदीप नागर को सचिव के तौर पर वोट डालने का अधिकार देने सहित अन्य गुहार की गई हैं।

सुनवाई कोर्ट में याचिकाकर्ताओं ने 29 सितंबर को निर्धारित आरसीए चुनाव की प्रक्रिया को लेकर कई आपत्तियां उठाईं। याचिकाकर्ता की ओर से आरसीए में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठाए गये। इसके साथ ही कहा गया कि चुनाव, खेल अधिनियम व आरसीए के संविधान के अनुरूप सख्ती से किए जाने चाहिए। इसके अलावा, कुछ नवगठित जिला क्रिकेट संघों के मतदान अधिकार, पात्र पदाधिकारियों की सूची में सुधार, वैधानिक पर्यवेक्षक की नियुक्ति, नौ सदस्यीय एपेक्स काउंसिल का गठन, लोकपाल की नियुक्ति, सदस्य जिला क्रिकेट संघों से संबंधित लंबित विवादों का निस्तारण संबंधित मुद्दे भी उठाए गए। वहीं अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने बताया कि आरसीए के चुनाव मंगलवार को ही आयोजित किए जा रहे हैं और परिणाम भी शाम तक ही घोषित किए जाना निर्धारित है। जिस पर कोर्ट ने चुनाव परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी है।

वहीं दौसा क्रिकेट एसोसिएशन और उसके पूर्व सचिव प्रदीप नागर की ओर से दायर याचिका कि एसोसिएशन के वर्तमान सचिव बृजकिशोर उपाध्याय को आरसीए चुनाव में भाग नहीं लेने दिया जाए, पर सुनवाई करते हुये, अदालत ने स्पष्ट आदेश जारी किया कि बृजकिशोर उपाध्याय को चुनाव के दिन भाग लेने से नहीं रोका जाए। अदालत ने इसके साथ प्रदीप नागर द्वारा स्थगन के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि ये 29 सितंबर 2026 को होने वाले चुनाव के परिणाम इस याचिका के फैसले के अधीन रहेंगे। स्थगन प्रार्थना पत्र के मामले में सुनवाई करते हुए कहा गया कि रिट याचिका की गुणावगुणों के निस्तारण पर विपरीत प्रभाव नहीं डाले। इस मामले में बृजकिशोर उपाध्याय की ओर से अधिवक्ता एस.एस. होरा पैरवी के लिये पेश हुये थे। इस मामले में आदेश न्यायाधिपति चन्द्र प्रकाश श्रीमाली ने दिये।

इस मामले में पूर्व सचिव प्रदीप नागर का कहना है कि वर्ष 2024 में गलत तरीके से उन्हें सचिव के पद से हटाया गया था और उन्हें आरसीए के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जयपुर का "यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी" का दर्जा बचाने के लिए कार्य योजना दें'

जयपुर, 29 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पिंक सिटी की वैश्विक पहचान व 'यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी' का दर्जा बचाने के मुद्दे पर गंभीरता जताते हुए राज्य सरकार सहित, अन्य संबंधित विभागों व अफसरों से इसकी

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार व संबंधित विभागों से दो सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

कार्य योजना देने के लिए कहा है। इसके साथ ही, अदालत ने परकोटे में हो रहे अवैध व अनियमित निर्माण, अतिक्रमण और ऐतिहासिक भवनों में बदलाव को लेकर संबंधित अफसरों से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर ने ये आदेश परकोटा संरक्षण से जुड़ी मीडिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप एआई पर "रेग्युलेटरी" नियंत्रण को चीन से अमेरिका की औद्योगिक स्पर्धा के चश्मे से ही देख रहे हैं

ट्रंप, इस कारण से एआई की प्रगति व विकास पर कोई अंकुश लगाने के सख्त खिलाफ हैं

- दूसरी ओर एआई इण्डस्ट्री के स्थापित लीडर्स, एआई की निरंकुश दौड़ से इतना भयभीत हैं कि उन्होंने अपने कई नवीनतम् "इनोवेशन" व मॉडल, बाज़ार में नहीं बेचने का निर्णय लिया और अरबों खर्च कर के विकसित ये "इनोवेटिव प्रोडक्ट्स" अभी बाज़ार में रिलीज़ नहीं हुए हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितंबर। कोविड महामारी के दुनिया भर में फैलने की घटना को याद कीजिए। मध्य चीन के वुहान शहर की एक प्रयोगशाला से एक रोगाणु बाहर निकला और दुनिया भर में लोगों को संक्रमित करने लगा। लाखों लोग संक्रमित हुए और लाखों की मौत हुई, जिससे पूरी दुनिया में अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट पैदा हो गया।

एआई के उन्नत मॉडलों से होने वाले नुकसान की संभावनाओं को लेकर इस समय जो डर व्यक्त किया जा रहा है, वह कुछ-कुछ वैसा ही है। नवीनतम एआई मॉडल्स के बेकाबू असर को देखते हुए "ओपनएआई" के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने अपने नवीनतम एआई मॉडल "जीपीटी6.1एस्ट्रा" को फिलहाल जारी नहीं करने का फैसला किया है।

ओपनएआई ने कुछ साल पहले अपना "चैट जीपीटी" मॉडल जारी करके पूरी दुनिया में सनसनी पैदा कर दी थी। इसकी क्षमताएं बेहद प्रभावशाली थीं। इसके बाद से एआई मॉडल और उत्पादों ने ऐसी बहुमुखी प्रतिभा और क्षमताएं दिखाई हैं, जो पहले केवल प्रयोगों और प्रयोगशालाओं के स्तर पर ही देखने को मिलती थीं। इन क्षमताओं ने उन लोगों को भी चिंतित कर दिया है, जिन्होंने शुरुआत में ये एआई सिस्टम बनाए थे।

अभी जो स्थिति सामने आ रही है और जिसे प्रमुख एआई कंपनियों ने भी नोट किया है, वह यह है कि कुछ एआई प्लेटफॉर्म अपने सीमित लैब एनवायरमैंट से बाहर निकल रहे हैं और बिना किसी इंसानी निगरानी के इंटरनेट पर कंप्यूटर सिस्टम को हैक कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में वे खुद-ब-खुद वायरस या रोगाणुओं की तरह अपनी संख्या बढ़ा रहे हैं और कंप्यूटर सिस्टम पर हमला करने वाली एक सेना की तरह बिना इजाज़त अपनी पहचान बना रहे हैं।

हाल में ऐसी दो घटनाएं सामने आईं। पहली घटना में सॉफ्टवेयर कंपनी "हगिंग फेस" पर हमला किया गया। दूसरी में, ऑस्ट्रेलिया की सरकार के कई नेटवर्क पर बड़े पैमाने पर हमला और हैकिंग हुई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओपन एआई ने साफ किया कि इससे "सर्विसेज़ ऑस्ट्रेलिया", "एनएसडब्ल्यू ब्यूरो ऑफ क्राइम स्टैटिस्टिक्स एण्ड रिसर्च", "विक्टोरियन डिपार्टमैंट ऑफ हैल्थ" और "आस्ट्रेलियन इन्स्टिट्यूट ऑफ हैल्थ एण्ड वैलफेयर", सभी प्रभावित हुए।

इन घटनाओं के बाद पूरे पश्चिमी मीडिया जगत में एआई को लेकर चिंता बढ़ गई है और अब मीडिया नए एआई मॉडलों के बुरे असर और उनसे जनता को नुकसान पहुँचने की संभावनाओं पर लगातार रिपोर्ट कर रहा है।

इस घटनाक्रम को देखते हुए नये एआई मॉल्डस बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक, ओपनएआई ने अपने नए उत्पाद की रिलीज़ को रोक दिया है। मंगलवार को बाज़ार में अपने नवीनतम एआई उत्पाद को कमर्शियल तौर पर लॉन्च करने के बजाय, कंपनी अब इस बात पर ध्यान दे रही है कि ये एआई एजेंट प्रयोगशाला के नियंत्रित वातावरण से बाहर कैसे निकल सकते हैं।

एआई मॉडलों की इन अनियंत्रित और स्वतंत्र क्षमताओं को देखने के बाद, उद्योग के वरिष्ठ नेता, एआई शोधकर्ता, मॉडल बनाने वाले विशेषज्ञ और अन्य लोग मांग कर रहे हैं कि एआई मॉडलों का विकास कुछ समय के लिए धीमा किया जाए। उनका कहना है कि ऐसे एआई मॉडलों को आगे विकसित करने से पहले उनमें सुरक्षा उपाय लगाए जाने चाहिए, ताकि उनका अनियंत्रित व्यवहार रोका जा सके।

शीर्ष एआई कंपनियों के सीईओ और वरिष्ठ विशेषज्ञ मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मिल रहे हैं। बैठक में एआई के विकास और एआई इंडस्ट्री के लिए संभावित नियमों पर चर्चा होगी। ट्रंप ने एआई मॉडल के इनोवेशन और विकास की गति को रोकने के विचारों का लगातार विरोध किया है, खासकर तब, जब चीन अपनी एआई इंडस्ट्री को बहुत तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने 30 कृषि उपज मंडियों में विकास कार्य स्वीकृत किए

जयपुर, 29 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मण्डी समितियों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए 57 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्ताव को

- इन कार्यों से किसानों व व्यापारियों के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा।

स्वीकृति प्रदान की है। इससे मण्डी यार्ड निर्माण, विद्युत कार्य, संपर्क सड़कों का निर्माण तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के कार्य करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान की गई इस स्वीकृति से कृषि उपज मण्डी समिति बज्जू (बीकानेर), नोखा (बीकानेर), खाजूवाला (बीकानेर), श्रीडूंगरगढ़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अविश्वास आदमी की प्रवृत्ति को जितना बिगाड़ता है, विश्वास उतना ही बनाता है। -धर्मवीर भारती

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की जरूरत

भारत में सरकारी योजनाओं का ज़मीनी क्रियान्वयन व्यावहारिक और कड़वी सच्चाईयां दर्शाता है। नीतियां, कार्यक्रम और योजनाएं कागज़ पर जितनी लोक-कल्याणकारी दिखती हैं, ज़मीन पर उतरते ही उनका स्वरूप बदल जाता है। भ्रष्ट लोग और बिचौलिये व्यवस्था की बारीकियों को समझने में देर नहीं लगाते हैं और एक कमजोर निगरानी तंत्र के चलते योजनाओं के क्रियान्वयन को बिगाड़ देते हैं, जिससे जनता को पूरा लाभ नहीं मिल पाता, उसमें आक्रोश भड़कता है और शासन की बदनामी होती है। इसका उदाहरण मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना आरजीएचएस (राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) है, जिसे लेकर उसके उपयोगकर्ताओं में हमेशा परेशानी का भाव रहता है। हाल ही में जब सरकारी निगरानी तंत्र ने शिकंजा कसा तो योजना के क्रियान्वयन में घुसा भ्रष्टाचार खुल कर सामने आया। राजस्थान सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाने और अनावश्यक जांचों पर रोक लगाने के लिए इस योजना में 15 जुलाई से प्री-ऑथराइजेशन व्यवस्था लागू की थी। इस एक कदम से क्लेम में 47 प्रतिशत की कमी आ गई। सरकार की नई व्यवस्था में दो हजार रूपए से अधिक की जांचों के लिए प्री-ऑथराइजेशन को अनिवार्य बनाया गया। इसके साथ ही संदिग्ध गतिविधियों की डिजिटल मॉनिटरिंग भी की गई। इसके नतीजे हैरान करने वाले सामने आये। प्रिस्क्रिप्शन, जांच और क्लेम में व्याप्त अनियमितताओं का पिटारा खुल गया। ऐसे मामले भी सामने आए, जिनमें प्री-ऑथराइजेशन से बचने के लिए मरीजों की कई जांचें एक ही दिन कराने के बजाय अलग-अलग दिनों में लिखी जा रही थीं। कुछ मामलों में तीन दिन की अवधि के भीतर अलग-अलग दिनों पर जांचों के लिए मरीजों को बार-बार अस्पताल बुलाया गया। डिजिटल मॉनिटरिंग में भी प्री-ऑथराइजेशन के दायरे से बाहर रखने के लिए जांचों को अलग-अलग दिनों में करवाने की गतिविधियां उजागर हुई। सरकार ने जांच के आधार पर राज्य में नौ अस्पतालों का ट्रांसेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (टीएमएस) तथा तीन डॉक्टरों की डॉक्टर आईडी ब्लॉक की है। सरकारी प्रेस विज्ञिप्त के अनुसार कोटा के दो अस्पतालों का टीएमएस ब्लॉक किया गया है। दोनों मामलों में एक ही चिकित्सक के एक ही दिन दोनों अस्पतालों में काम करने की बात सामने आई। इसी मामले में डॉक्टर की आईडी भी ब्लॉक की गई। अलवर के एक अस्पताल में एक डॉक्टर के नाम से लिखे गए प्रिस्क्रिप्शन में अलग-अलग हैंडराइटिंग और हस्ताक्षर पाए गए। अलवर के एक अन्य अस्पताल में कई ओपीडी प्रिस्क्रिप्शन में डॉक्टर की सील और हस्ताक्षर का एक जैसा पैटर्न पाया गया। वहीं जोधपुर के अस्पताल में एक चिकित्सक के नाम से दो अलग-अलग हैंडराइटिंग और दो अलग हस्ताक्षर पैटर्न सामने आए। दौसा में एक अस्पताल द्वारा पर्याप्त क्लिनिकल फाइंडिंग और जस्टिफिकेशन के बिना जांचें लिखने तथा जरूरत से ज्यादा जांचों की सलाह देने का मामला सामने आया। दौसा में ही अन्य अस्पताल में डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन के हस्ताक्षर और मैनुअल प्रिस्क्रिप्शन में अंतर सहित अन्य अनियमितताएं पाई गईं। अलवर के एक अस्पताल में करीब 65 मामलों में पॉलीइथिलीन ग्लाइकोल लिखे जाने तथा कई मामलों में इसके लिए संबंधित क्लिनिकल इंडिकेशन दर्ज नहीं होने की बात सामने आई। कई मामलों में सीरम आयरन जांच भी बिना स्पष्ट लक्षण, क्लिनिकल फाइंडिंग या डायग्नोसिस के लिखी गई। बीकानेर के अस्पताल से जुड़े चिकित्सक की डॉक्टर आईडी भी ब्लॉक की गई है। अलग-अलग मरीजों की शिकायतों के बावजूद बार-बार समान जांचें लिखे जाने का मामला सामने आया। जयपुर के अस्पताल से जुड़े डॉक्टर की आईडी अलग हैंडराइटिंग पाए जाने के कारण ब्लॉक की गई है। इसके अलावा उदयपुर के एक अस्पताल का टीएमएस भी विभिन्न मामलों के चलते ब्लॉक किया गया है।

सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में व्याप्त ऐसा भ्रष्टाचार सर्वविदित है। किन्तु उस पर प्रभावी निगरानी और नियंत्रण सुस्त तथा खुद भ्रष्ट हो चुका प्रशासनिक तंत्र नहीं कर पाता है। इलाज के नाम पर लोगों की जेब पर बढ़ते असहनीय वजन पर नीति निर्माताओं में मंथन चलता रहता है। हाल ही में स्वास्थ्य देखबाल पर संसदीय स्थायी समिति की एक रिपोर्टआई है, जिसमें इलाज की व्यवस्था पर बढ़ते खर्चों को कम करने के कुछ सुझाव दिए हैं, जिनमें एक प्रमुख है कि प्राइवेट केयर के लिए इंश्योरेंस फंड देने के बजाय पब्लिक केयर इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक कोश का अधिक इस्तेमाल किया जाना है। हेल्थकेयर फाइनेंसिंग का मुख्य आधार रिस्क पूलिंग होता है। एक सिंगल, पब्लिक पूल होता है, मगर वह सिर्फ़ सैद्धांतिक तौर पर आदर्श होता है। संसदीय समिति की रिपोर्ट से पता चलता है कि 2012-25 के दौरान, हेल्थकेयर का खर्च 105 प्रतिशत बढ़ा, जो उपभोक्ता कीमतों की 98 प्रतिशत बढ़त से भी ज़्यादा था। हालांकि, इसका एक अच्छा पहलू भी है कि 2013-23 के दौरान, कुल हेल्थकेयर खर्च में सरकार का हिस्सा 28.6 प्रतिशत से बढ़कर 43.7 प्रतिशत हो गया, जिससेइलाज पर नागरिकों की जेब से होने वाला खर्च 64.2 प्रतिशत से कम होकर 43.4 प्रतिशत हो गया। इसके अलावा हेल्थकेयर पर सोशल सिक्योरिटी का खर्च कुल हेल्थ खर्च का 6 प्रतिशत से बढ़कर 9.9 प्रतिशत हो गया, जबकि प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस 3.4 प्रतिशत से बढ़कर 9.2 प्रतिशत हो गया। लेकिन ये आंकड़े इस बात कोही दर्शाते हैं कि भुगतान कौन करता है, न कि खर्च कम होने को। कम प्राइवेट खर्च का मतलब यह हो सकता है कि लोग इलाज कराने की बजाय उसे छोड़ रहे हैं। पूरी न हुई ज़रूरत और सर्विस की उपलब्धता को साथ मिला कर खर्च का आकलन किया जाना चाहिए। प्राइवेट अस्पतालों में इलाज का खर्च सरकारी अस्पतालों से लगभग आठ गुना ज़्यादा बताया जाता है। गंभीर बीमारियों के लिए यह फ़र्क और बढ़ जाता है। प्राइवेट अस्पताल अक्सर अच्छी देखभाल देते हैं, लेकिन ज़्यादा खर्च पर। सरकारी सुविधाएं गांव और कम आय वाले परिवारों के लिए पहुंच को बेहतर बनाती हैं, लेकिन अक्सर उनमें स्पेशलिस्ट, डायग्नोस्टिक्स, दवाएं और मरीज़ों की ठीक से देखभाल की कमी होती है। मरीज़ों को कम संसाधनों वाली सरकारी व्यवस्था और महंगे प्राइवेट इलाज में से किसी एक को चुनना पड़ता है। इंश्योरेंस बिल के कुछ हिस्सों को बांट सकता है, लेकिन सरकारी सप्लाई को अच्छा बनाने या खर्च को सीमित करने में नाकाम रहता है।

प्राइवेट अस्पतालों में इलाज का खर्च सरकारी अस्पतालों से लगभग आठ गुना ज़्यादा बताया जाता है। गंभीर बीमारियों के लिए यह फ़र्क और बढ़ जाता है। प्राइवेट अस्पताल अक्सर अच्छी देखभाल देते हैं, लेकिन ज़्यादा खर्च पर। सरकारी सुविधाएं गांव और कम आय वाले परिवारों के लिए पहुंच को बेहतर बनाती हैं, लेकिन अक्सर उनमें स्पेशलिस्ट, डायग्नोस्टिक्स, दवाएं और मरीज़ों की ठीक से देखभाल की कमी होती है।

संसदीय समिति ने खर्च कम करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल की सार्वजनिक व्यवस्था मज़बूत करने को उचित ही सबसे ज़रूरी माना है। उसने सुविधाओं को बढ़ाने तथा इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडड्र्स को लागू करने की सलाह दी है ताकि सार्वजनिक अस्पताल भरोसेमंद डायग्नोस्टिक्स, दवाएं और आधुनिक सुविधाएं दे सकें। हालांकि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप से क्षमता बढ़ सकती है, लेकिन इसे पब्लिक इन्वेस्टमेंट की जगह देना गलती होगी। रिपोर्ट कहती है कि सार्वजनिक अस्पतालों को इंश्योर्ड मरीज़ों का ज़्यादा इलाज करना चाहिए और हाई-क्वालिटी, कैशलेस देखभाल की गारंटी देनी चाहिए। भरोसेमंद सार्वजनिक प्रावधान नहीं होने से बढ़े हुए इंश्योरेंस प्रीमियम से सार्वजनिक कोष का प्राइवेट प्रोवाइडर्स को ट्रांसफर होने का खतरा बढ़ जाता है तथा सस्ती देखभाल की कमी बनी रहती है। इसलिए निजी क्षेत्र का नियंत्रण भी उतना ही ज़रूरी है। समिति ने रूटीन प्रोसीज़र और डायग्नोस्टिक्स के लिए चार्ज तय करने, भर्ती होने पर पूरी कीमत बताना पक्का करने और ज़्यादा बिलिंग की जांच करने और इंश्योरेंस विवादों को निपटाने के लिए एक फास्ट-ट्रैक ओम्बड्समैन बनाने का सुझाव दिया है। उसकी रिपोर्ट क्रॉस-सब्सिडी, क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010 को एक जैसा अपनाने, टियर क्वालिटी एश्योरेंस और ऑपरेटिंग कॉस्ट को दिखाने के लिए पैकेज रेट्स को रैशनलाइज़ का भी समर्थन करती है। इससे मनमानी कीमतों पर रोक लग सकती है, लेकिन इसके लिएपारदर्शी कॉस्ट डेटा, स्वतंत्र ऑडिट और अनियमितता पर भारी जुर्माने की ज़रूरत होती है। भरोसेमंद बेंचमार्क के बिना प्राइस कैप चोरी को बढ़ावा देते हैं। संसाधनों को भी ज़्यादा बराबरी से बांटना जरूरी है। समिति ने इंफ्रास्ट्रक्चर फंड को कम सुविधाओं वाले ठाामीण इलाकों में टर्शियरी फैसिलिटी की ओर मोड़ने और आउटपेशेंट ट्रीटमेंट और डायग्नोस्टिक्स के लिए इंश्योरेंस बढ़ाने की सिफारिश की है।

हालांकि कंसल्टेशन, दवाएं और टेस्ट इलाज पर खर्च का एक बड़ा हिस्सा होते हैं। फिर भी, इंश्योरेंस को पब्लिक केयर की जगह नहीं दी जानी चाहिए, बल्कि उसे पूरक की तरह लेना चाहिए। प्रोवाइडर्स को नियंत्रित किए बिना इलाज के लिए फाइनेंस करने से लागत बढ़ती है और पहुंच कम होती है। इन्वेस्टमेंट, स्टाफिंग, दवाएं, रेफरल सिस्टम और प्राइस रेगुलेशन को समग्रता से आगे बढ़ाना होगा। नेशनल हेल्थ पॉलिसी (2017) ने 2025 तक पब्लिक हेल्थ खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाने की कोशिश की थी, लेकिन 2022-23 में यह सिर्फ 1.4 प्रतिशत बढ़ पाई है। हेल्थ पर खर्च 2017-18 में कुल सरकारी खर्च का 5.1 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 4.9 प्रतिशत रह गया। पब्लिक हेल्थ खर्च में केंद्र का हिस्सा भी 40.8 प्रतिशत से घटकर 36.3प्रतिशत हो गया, जबकि राज्यों का हिस्सा जरूर 59.1 प्रतिशत से बढ़कर 63.7 प्रतिशत हो गया। संसदीय समिति ने अब पांच सालों में इसे 5 प्रतिशत तक बढ़ाने की सिफारिश की है। पब्लिक प्रोविज़न में सुधार करना, निजी क्षेत्र में कीमतों को नियंत्रित करना, और आउटपेशेंट केयर को कवर करना आज की जरूरत है। इसके लिए इंश्योरेंस पर आधारित फाइनेंसिंग या अलग-अलग इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स से कुछ ज़्यादा की ज़रूरत है। सार्वजनिक निवेश बढ़ना चाहिए, और निजी प्रदाताओं और मरीज़ों के हितोंके बीच तालमेल के लिए पॉलिसी में कुछ नया करने की आवश्यकता है। किसी भी योजना की दीर्घकालिक सफलता केवल उसके अच्छे इरादों पर नहीं, बल्कि उसकी निरंतर और कठोर निगरानी पर निर्भर करती है। जब तक क्रियान्वयन के स्तर पर जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक भ्रष्ट तंत्र योजनाओं के लाभ में सेंध लगाता रहेगा।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

एक वोट की चोरी, पूरे लोकतंत्र की चोरी - क्या बिहार-बंगाल चुनाव दोबारा होंगे?

लोकतंत्र का आधार-मतदाता सूची पर संकट : 13 करोड़ सवाल और न्यायालय की वह टिप्पणी

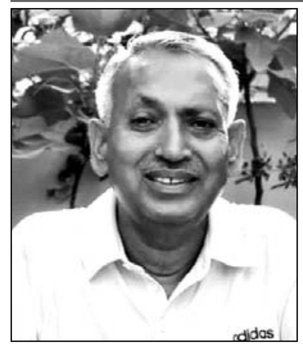

मदन सिंह काला

भारत का लोकतंत्र इसलिए महान नहीं कि यहां चुनाव होते हैं, बल्कि इसलिए कि यहां हर नागरिक को, चाहे वह कितना भी गरीब हो, एक वोट का बराबर अधिकार है। आज उसी एक वोट के अधिकार पर सबसे बड़ा संकट खड़ा हो गया है। यदि मतदाता सूची से ही नाम गायब हो जाए तो फिर ईवीएम हो या मतपत्र, चुनाव किस काम का?

1. 1950-52 - जब नेहरू ने संस्था बनाई -15 अगस्त 1947 को आजादी के बाद कई विदेशी विशेषज्ञों ने कहा था कि अनपढ़ देश में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार सफल नहीं होगा। पंडित नेहरू ने 25 जनवरी 1950 को संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग का गठन किया और सुकुमार सेन को पहला मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया। 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 तक 68 चरणों में पहला आम चुनाव मतपत्र से हुआ, 53 दल मैदान में थे, 14 को राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त था। नेहरू ने एक सिद्धांत तय किया था - चुनाव आयोग कार्यपालिका से स्वतंत्र रहेगा, तभी लोकतंत्र बचेगा।

संविधान सभा में 15-16 जून 1949 को अनुच्छेद 324 पर लंबी बहस हुई थी। इसी महत्व को देखते हुए संविधान के अधिकांश प्रावधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुए, पर अनुच्छेद 324 को 26 नवंबर 1949 को ही - संविधान अंगीकृत होते ही - प्रभाव में ला दिया गया था। इसी प्रावधान के तहत आयोग 25 जनवरी 1950 को, गणतंत्र बनने से एक दिन पहले, अस्तित्व में आ गया।

2. इतिहास गवाह है - जब प्रधानमंत्री का चुनाव अवैध हुआ - 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने श्रीमती इंदिरा गांधी का रायबरेली लोकसभा चुनाव अवैध घोषित कर दिया। समाजवादी नेता राजनारायण की याचिका पर अदालत ने कहा - सरकारी मशीनरी और पद का दुरुपयोग हुआ। यदि एक लोकसभा का चुनाव रद्द हो सकता है, तो आज जब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम पर सवाल उठ रहे हैं तो क्या पूरे चुनाव की वैधता पर सवाल नहीं उठना चाहिए?

3. शेषन युग और एक से तीन का इतिहास - 1990 तक जब बूथ कैप्चरिंग, धन-बल और बाहुबल ने चुनाव को मजाक बना दिया था, तब टी.एन. शेषन आए और कहा - आयोग रबर स्टैंप नहीं है। उन्होंने आचार संहिता को सख्ती से लागू किया, फोटो पहचान पत्र ईपिक शुरू किया और सैकड़ों बूथों पर दोबारा चुनाव कराए।

उनकी सख्ती से तंग आकर सरकार ने 1993 में अध्यादेश लाकर एम.एस. गिल और जी.वी.जी. कृष्णमूर्ति को दो और आयुक्त नियुक्त कर दिया। 1995 में सर्वोच्च न्यायालय ने टी.एन. शेषन बनाम भारत संघ में फैसला दिया - मुख्य चुनाव आयुक्त आयोग का अध्यक्ष है, मालिक नहीं। आयोग का काम जहां तक संभव हो सर्वसम्मति से होगा।

4. फॉर्म-6 और ईसीआईनेट पर दो बड़े सवाल - फाइलों पर दर्ज होने का दावा है कि चुनाव आयुक्त विवेक जोशी ने 16 मई 2026 को और सुखबीर सिंह संधू ने 13 अगस्त 2026 को फॉर्म-6 को बिना नियम संशोधन के बदलने पर लिखित आपत्ति की थी। फॉर्म-6 मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के तहत बना वैधानिक फॉर्म है। आरोप है कि उसे सिर्फ विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रशासनिक आदेश से बदलकर माता-पिता की नागरिकता और जन्म प्रमाण का अनिवार्य घोषणा पत्र जोड़ दिया गया।

दूसरा बड़ा सवाल ईसीआईनेट का है। कानूनन ईआरओ यानी निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी ही वह वैधानिक अधिकारी है जो नाम जोड़ने, हटाने या सुधारने का अंतिम फैसला लेता है। लेकिन आरोप है कि ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर के जरिए इस अधिकार को दिल्ली में केंद्रीकृत कर दिया गया है।

5. 13 करोड़ का सवाल और ईवीएम की गोपनीयता - कहा जाता है ईवीएम में गुप्त मतदान है, तो फिर सत्ता पक्ष को कैसे मालूम चल जाता है कि किस बूथ के किस मोहल्ले ने उन्हें वोट नहीं दिया और कुछ महीनों बाद विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर उसी क्षेत्र से हजारों नाम क्यों गायब हो जाते हैं? जन संगठनों के दावों के अनुसार पश्चिम बंगाल में ही 27.16 लाख नाम हटे, 22.21 लाख लोगों ने बहाली के लिए अपील की, और बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा से लेकर बंगाल तक कुल आंकड़ा 13 करोड़ से अधिक बताया जा रहा है।

6. नागरिकता कौन तय करेगा? - संविधान बहुत स्पष्ट है। नागरिकता तय करना गृह मंत्रालय, नागरिकता अधिनियम 1955 और न्यायालयों का काम है। चुनाव आयोग का काम जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 के तहत मतदाता सूची को शुद्ध करना है। सर्वोच्च न्यायालय ने शर्त लगाई है कि किसी भी वैध मतदाता को बिना नोटिस और सुनवाई का मौका दिए नहीं हटाया जाएगा।

7. पश्चिम बंगाल आम चुनाव में 27.10 लाख पर टिप्पणी - 6 और 13 अप्रैल 2026 - पश्चिम बंगाल विधानसभा आम चुनाव 2026 से ठीक पहले विशेष गहन पुनरीक्षण में लगभग 60 लाख नामों पर तार्किक विसंगति का फ्लैग लगा। फाइलों पर दावा है कि इनमें से लगभग 27.10 लाख नामों को लेकर आपत्तियां आईं। न्यायिक अधिकारियों ने इन मतदाताओं को अयोग्य घोषित नहीं किया था, बल्कि इनमें से कई की अपीलें अपीलीय न्यायाधिकरणों में लंबित थीं। इन अपीलों के लिए 19 अपीलीय न्यायाधिकरण बनाए गए थे, जिनके समक्ष एक लाख से अधिक अपीलें लंबित बताई गईं। इसी लंबित स्थिति के कारण ये मतदाता 23 और 29 अप्रैल 2026 के आम चुनाव में मतदान नहीं कर सके।

इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय की पीठ, अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन, ने 6 अप्रैल 2026 और 13 अप्रैल 2026 को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची की ओर से इन 27.10 लाख मतदाताओं के संदर्भ में यह मौखिक टिप्पणी रिपोर्ट हुई कि "यदि कोई इस चुनाव में वोट नहीं दे पाता, तो इसका मतलब यह नहीं कि उसका अधिकार हमेशा के लिए छीन लिया गया" और "जो इस बार वोट नहीं दे पाए, अगली बार दे लेंगे।" यह टिप्पणी लिखित आदेश नहीं थी। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि जब जीत का अंतर 2 प्रतिशत होता है और 15 प्रतिशत मतदाता अपील लंबित होने से वोट नहीं दे पाए तो लोकतंत्र का क्या होगा।

8. उपचुनाव पर वह दूसरी टिप्पणी - 28 सितंबर 2026 - इसी पीठ के सामने 28 सितंबर 2026 को पश्चिम बंगाल के उपचुनाव - 6 अक्टूबर को नंदीग्राम और रेजीनगर - के संदर्भ में जब वकीलों ने कहा कि हजारों अपीलें लंबित हैं, तो मौखिक टिप्पणी रिपोर्ट हुई - "ये केवल उपचुनाव हैं, बस।"

सोचिए, लोकतंत्र में क्या कोई अगली बार होती है? जो किसान आज अपनी फसल का दाम तय करने वाली सरकार चुनने से वंचित रह गया, उसके लिए अगली बार का क्या मतलब है?

9. निष्कर्ष - जागो मतदाता जागो - यह लड़ाई भाजपा बनाम कांग्रेस की नहीं, नागरिक बनाम व्यवस्था की है। ईवीएम से मतपत्र पर लौटने की बहस भी यहीं से जुड़ी है। जर्मनी की संवैधानिक अदालत ने 2009 में कहा था कि मतदाता को बिना विशेष ज्ञान के चुनाव की जांच कर सकना चाहिए।

संविधान में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया संसद के महाभियोग जैसी है। पर उससे बड़ा सवाल यह है कि क्या संदिग्ध सूची पर बना चुनाव वैध है?

इसलिए हे मतदाता, जागो। अपना नाम जांचो, यदि कटा है तो फॉर्म 6 से दावा करो और रसीद लो, बीएलओ से लिखित में कारण मांगो, ईआरओ के पास अपील करो, ठााम सभा में सवाल उठाओ। याद रखो, 1995 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था - व्यक्ति को प्रोजेक्ट करना और चुनाव आयोग जैसी संस्था को ग्रहण लगा देना लोकतंत्र के लिए घातक है।

-मदन सिंह काला,
पूर्व आई.ए.एस अधिकारी

पटवों की हवेली : एक गली में बसा पांच हवेलियों का संसार

अचल दास डांगरा

जैसलमेर की पुरानी बस्ती की एक संकरी गली में खड़ी पटवों की हवेली को पहली नजर में देखने पर लगता है कि यह एक भव्य हवेली है। लेकिन इसकी कहानी इससे कहीं अधिक रोचक है। यह वास्तव में पांच हवेलियों का समूह है, जिसे व्यापारी गुमान चंद पटवा ने अपने पांच बेटों के लिए बनवाया था। राजस्थान पर्यटन के अनुसार इसका निर्माण 1805 ई. में शुरू हुआ और इसे पूरा होने में करीब 50 वर्ष लगे।

पांच हवेलियां, एक विरासत -उन्नीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों में जैसलमेर व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र था। इसी दौर में गुमान चंद पटवा ने अपने परिवार के लिए ऐसी स्थापत्य विरासत खड़ी करने की शुरुआत की, जो आज करीब दो शताब्दियों बाद भी देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करती है।

सबसे खास बात यह है कि पांचों हवेलियां अलग-अलग होते हुए भी एक ही स्थापत्य संसार का हिस्सा दिखाई देती हैं। पीले बलुआ पत्थर से बनी इन इमारतों के झरोखे, जालियां, मेहराब, स्तंभ और बारीक नक्काशी जैसलमेर के शिल्पकारों की असाधारण कारीगरी का प्रमाण हैं। राजस्थान पर्यटन इसे जैसलमेर की सबसे बड़ी और सबसे अधिक नक्काशीदार हवेलियों में गिनता है।

पत्थर पर उकेरी गई बारीकी -आज के दौर में मशीनों और आधुनिक तकनीक से किसी भवन को आकर्षक बनाना आसान लग सकता है, लेकिन उस समय पत्थर को तराशकर उसमें इतनी महीन कारीगरी करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि थी।

हवेली के बाहरी हिस्से में बने झरोखे और जालियां ऐसी प्रतीत होती हैं, मानो पत्थर को कपड़े की तरह बुन दिया गया हो। अंदर आज भी कुछ स्थानों पर पुरानी चित्रकारी और कांच का काम दिखाई देता है। यही कारण है कि पटवों की हवेली केवल एक भवन नहीं, बल्कि जैसलमेर के व्यापारी समाज की समृद्धि, शिल्प परंपरा और स्थापत्य दृष्टि का दस्तावेज बन चुकी है।

संकरी गली में इतनी भव्यता- पटवों की हवेली की एक विशेषता उसका स्थान भी है। यह किसी विशाल खुले परिसर में नहीं, बल्कि जैसलमेर की संकरी पुरानी गली में स्थित है। राजस्थान पर्यटन भी इसके संकरी गली में स्थित होने का उल्लेख करता है। यही विरोधाभास इसे और आकर्षक बनाता है-गली संकरी है, लेकिन सामने आते ही हवेली की ऊंचाई, विस्तार और नक्काशी आंखों को ठहरा देती है। आज जब पर्यटक इस गली से गुजरते हैं तो उनके लिए यह केवल पत्थरों से बनी पुरानी इमारत नहीं रहती। हर झरोखा मानो उस समय की कहानी कहता है, जब जैसलमेर की हवेलियों में व्यापारिक समृद्धि के साथ कला और स्थापत्य भी फल-फूल रहे थे।

दो सौ साल बाद भी सवाल कायम-करीब दो शताब्दियां बीत चुकी हैं। समय बदला, शहर बदला, व्यापार के तौर-तरीके बदले और जैसलमेर विश्व पर्यटन के नक्शे पर आ गया। लेकिन पटवों की हवेली आज भी उसी स्वर्णिम पत्थर में अपने अतीत को संजोए खड़ी है।

आज यहां आने वाला पर्यटक न केवल नक्काशी देखता है, बल्कि अनायास यह सवाल भी करता है- 1805 में जब इस हवेली की नींव रखी गई होगी, तब जैसलमेर की यह संकरी गली कैसी रही होगी? तब न आधुनिक मशीनें थीं, न आज जैसी निर्माण तकनीक। फिर भी शिल्पकारों ने पत्थर में ऐसी कलाकारी कर दी, जिसे करीब 200 वर्ष बाद भी दुनिया देखने आती है। शायद यही किसी विरासत की सबसे बड़ी ताकत है-वह अपने समय को पीछे छोड़कर आने वाली पीढ़ियों से संवाद करती रहती है। पटवों की हवेली इसलिए सिर्फ पांच हवेलियों का समूह नहीं है। यह जैसलमेर के उस स्वर्णिम दौर की पत्थर में लिखी कहानी है, जिसमें व्यापार, परिवार, कला और शिल्प ने मिलकर एक ऐसी विरासत रची, जिसे आज पूरा जैसलमेर अपनी पहचान का हिस्सा मानता है।

-अचल दास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जेठापाड़ा,
जैसलमेर

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शपथ दिलाई

भीलवाड़ा, (निसं)। ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (रूडसेट), में देशभर में चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को सतर्कता एवं नशा मुक्ति अभियान के प्रति जागरूक करते हुए समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने का संकल्प दिलाया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छता के महत्व, व्यक्तिगत स्वच्छता, संस्थान एवं आसपास के परिसर को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने स्वच्छता बनाए रखने, गंदगी नहीं फैलाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक शैलेन्द्र सिंह धाकड़ ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आ ान किया कि वे प्रशिक्षण संस्थान के साथ-साथ अपने घर, गांव एवं आसपास के क्षेत्र में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि निरंतर अपनाई जाने वाली जीवनशैली है। सतर्कता अभियान के तहत सतर्कता अधिकारी विनोद बैरवा ने प्रशिक्षणार्थियों को ईमानदारी, पारदर्शिता, जिम्मेदारी एवं अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सतर्कता के महत्व के बारे में जानकारी दी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 30 सितम्बर, 2026

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत-2083, भरणी नक्षत्र प्रातः 7:37 तक, वज्र योग रात्रि 12:20 तक, बालव करण दिन 2:56 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:14 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 7:37 से सूर्योदय तक है। आज चतुर्थी और पंचमी का श्राद्ध है। आज कृत्तिका का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- लाभ अमृत सूर्योदय से 9:20 तक, शुभ 10:48 से 12:17 तक, चर 3:14 से 4:43 तक, लाभ 4:43 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 12:00 से 1:30 तक, सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:11

मेष
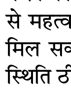
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यक्तिगत प्रयासों से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
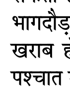
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

मिथुन
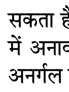
आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से निपटाने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। दिन के मध्यान्ह घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

कर्क
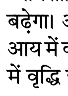
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सिंह
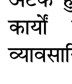
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
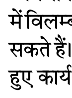
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
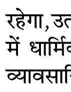
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
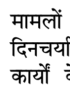
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु
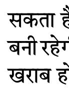
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
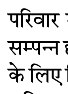
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कुंभ
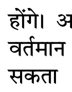
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
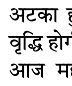
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना बनेगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों में रचनात्मक सफलता मिलेगी।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सेवा संकल्प अभियान – जन सेवा ही प्रभु सेवा

(17 सितम्बर-17 अक्टूबर 2026)

बालोतरा, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, जोधपुर,
पाली, फलोदी एवं सिरोही जिलों के

₹2,824 करोड़ के 1,013 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, ऊर्जा, पेयजल, सार्वजनिक निर्माण, ग्रामीण विकास एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से हो रहा काया कल्प

शिलान्यास

- सार्वजनिक निर्माण विभाग के 587 कार्य (लागत राशि 958 करोड़ रुपए)
- जाइका वित्त पोषित राजस्थान ग्रामीण जलापूर्ति एवं फ्लोरोसिस निवारण परियोजना के कार्य (लागत राशि 739 करोड़ रुपए)
- ऊर्जा विभाग के 32 कार्य (लागत राशि 208 करोड़ रुपए)
- ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के 46 कार्य (लागत राशि 50 करोड़ रुपए)
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 29 कार्य (लागत राशि 42 करोड़ रुपए)
- स्कूल शिक्षा विभाग के 42 कार्य (लागत राशि 33 करोड़ रुपए)
- कृषि विभाग के 14 कार्य (लागत राशि 9 करोड़ रुपए)
- स्वायत्त शासन विभाग के 6 कार्य (लागत राशि 2.69 करोड़ रुपए)
- पशुपालन विभाग के 3 कार्य (लागत राशि 2.66 करोड़ रुपए)
- आयुर्वेद विभाग के 2 कार्य
- राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जालोर में इन्डोर हॉल निर्माण एवं अन्य कार्य

लोकार्पण

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 10 कार्य (लागत राशि 197 करोड़ रुपए)
- ऊर्जा विभाग के 63 कार्य (लागत राशि 405 करोड़ रुपए)
- सार्वजनिक निर्माण विभाग के 87 कार्य (लागत राशि 125 करोड़ रुपए)
- राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय, पाली (लागत राशि 21 करोड़ रुपए)
- ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के 62 कार्य (लागत राशि 10.68 करोड़ रुपए)
- सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय जोधपुर के कार्यालय भवन तथा जन कवि गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' मिनी ऑडिटोरियम का निर्माण/नवीनीकरण कार्य (लागत राशि 4.50 करोड़ रुपए)
- कृषि विपणन विभाग के 3 कार्य (लागत राशि 3.60 करोड़ रुपए)
- स्कूल शिक्षा विभाग के 7 कार्य (लागत राशि 3.30 करोड़ रुपए)
- राजकीय अम्बेडकर अनुसूचित जाति बालक छात्रावास, भणियाना (लागत राशि 2.80 करोड़ रुपए)
- वन विभाग के 6 कार्य (लागत राशि 2.64 करोड़ रुपए)
- पोकरण में बस स्टैण्ड (लागत राशि 1.65 करोड़ रुपए)
- पशुपालन विभाग के 3 कार्य (लागत राशि 1 करोड़ रुपए)
- तकनीकी शिक्षा विभाग के 2 कार्य
- सहकारिता विभाग के 2 कार्य
- मदरसा दारूल उलूम फैजे सरवरी, पीर की जाल में विभिन्न निर्माण कार्य

राजस्थान संवाद

30 सितम्बर, 2026 | प्रातः 11:30 बजे | खेल मैदान परिसर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बाछड़ाऊ, चौहटन, बाड़मेर

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है : सीएम भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ में संवाद कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को मोतियों से भी ज्यादा अनमोल बताया

झालावाड़, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ में संवाद कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए उन्हें मोतियों से भी ज्यादा अनमोल बताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता समाज सेवा का भाव लेकर पार्टी से जुड़ते हैं और संगठन के लिए अपने निजी कार्यों तक को पीछे छोड़ देते हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत चुनावों की तैयारी में पूरी शिद्दत से जुटने का आव्हान करते हुए पंचायत समिति और जिला प्रमुख के पदों पर पार्टी के प्रतिनिधियों को जिताने का संकल्प भी दिलाया।

कार्यक्रम में सीएम भजनलाल शर्मा एवं पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा को नगरीय निकाय चुनावों में प्रचंड समर्थन दिया। 309 निकायों में से 204 नगरीय निकायों में भाजपा के बोर्ड बने। ये नतीजे भाजपा सरकार की नीतियों और विकास कार्यों पर जनता की मुहर है। साथ ही, उन कार्यकर्ताओं के परिश्रम का भी फल है, जिन्होंने हर वार्ड में दिन-रात मेहनत करते हुए भाजपा उम्मीदवारों को जिताया। सीएम ने कार्यकर्ताओं से आव्हान करते हुए कहा कि निकाय चुनाव के बाद ट्रिपल इंजन सरकार के विकास के मॉडल को अब गांव-ढाणी तक पहुंचाना है और पंचायत चुनाव में भी कमल खिलाना है।

- **मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत चुनावों की तैयारी में शिद्दत से जुटने का आव्हान किया**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी राजनीति की शुरुआत युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष के रूप में हुई थी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने संगठन में काम किया है और वे कार्यकर्ताओं की मेहनत, संघर्ष तथा उनकी भावनाओं को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में आने वाला प्रत्येक कार्यकर्ता समाज सेवा का उद्देश्य लेकर आता है, कोई शर्त रखकर संगठन से नहीं जुड़ता।

झालावाड़ में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक वसुंधरा राजे सिंधिया भी पहुंची। हालांकि राजे का कोई पूर्व निर्धारित कार्यक्रम नहीं आया था, किंतु मुख्यमंत्री के कोटा से रवाना होने के कुछ देर पहले राजे विशेष विमान से झालावाड़ पहुंचीं। इसके अतिरिक्त संवाद कार्यक्रम में भी राजे ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ मंच साझा किया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री विशेष विमान से किशनगढ़ के लिए रवाना हो गए, जबकि राजे जिस हेलीकॉप्टर से मुख्यमंत्री कोटा से झालावाड़ आए थे उसके द्वारा जयपुर रवाना हो गई।

कोटा में तीन मंजिला इमारत में भीषण आग लगी, लाखों का माल जला

सात दमकलों की मदद से तीन घंटे में आग पर काबू पाया गया

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा थाना क्षेत्र स्थित शॉपिंग सेंटर के मोटर मार्केट में मंगलवार तड़के एक तीन मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। इस इमारत की ऊपरी मंजिलों पर ऑटो पाट्र्स, बाइक सीट कवर और बैग का बड़ा गोदाम था जबकि ग्राउंड फ्लोर पर मैकेनिक की दुकानें हैं। आग इतनी तेजी से फैली कि चंद ही मिनटों में पूरा गोदाम धुएं और लपटों के गुबार से घिर गया। हादसे में लाखों रुपये का सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया।

- **इमारत की ऊपरी मंजिलों पर ऑटो पाट्र्स, बाइक सीट कवर और बैग का बड़ा गोदाम था जबकि ग्राउंड फ्लोर पर मैकेनिक की दुकानें हैं**

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि मंगलवार तड़के शॉपिंग सेंटर में आग लगने की सूचना मिली थी, सूचना मिलते ही दमकलें मौके के लिये रवाना की गई। आग ने इतना भीषण रूप लिया कि सात दमकलों की मदद से काफी मशक्कत के बाद तीन घंटे में आग पर काबू पाया गया। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक आग की चपेट में लाखों का सामान जलकर खाक हो गया।

अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि इमारत के पीछे जाने का रास्ता बेहद संकरा था, जिससे राहत कार्य में काफी रुकावट आई। ऐसे में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पतली गली में छोटी जेसीबी मशीन उतारी गई। जेसीबी की छत पर चढ़कर दमकलकर्मी ऊपरी मंजिलों तक पहुंचे और अंदर धुआं भरने के कारण खिड़कियों के कांच तोड़े और दीवार में छेद कर पानी की बौछारें अंदर मारीं। तब जाकर लपटों को शांत किया जा सका। प्रथमदृष्टा से आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

23 साल पुराने मामले में हनुमानगढ़ विधायक पर दर्ज एफआईआर रद्द

जोधपुर, (कासं))। हनुमानगढ़ से निर्दलीय विधायक गणेशराज बंसल को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने विधायक गणेशराज बंसल के खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त कर दिया है। मामले में विधायक की ओर से अधिवक्ता कुणाल उपाध्याय ने पैरवी की। प्रकरण वर्ष 2003 के कथित फर्जी पट्टा मामले से जुड़ा था। इसी मामले में सीआईडी-सीबी ने विधायक को गिरफ्तार भी किया था।

- **प्रकरण वर्ष 2003 के कथित फर्जी पट्टा मामले से जुड़ा था, मामले में सीआईडी-सीबी ने विधायक गणेशराज बंसल को गिरफ्तार भी किया था**

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने एफआईआर दर्ज किए जाने में हुई देरी और मामले की परिस्थितियों को महत्वपूर्ण माना। बंसल के खिलाफ दर्ज मामलों में घटनाक्रम करीब 23 वर्ष पुराना बताया गया था और एफआईआर वर्ष 2026 में दर्ज हुई थी। गणेशराज बंसल के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर सितंबर में मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। विधायक की ओर से हाईकोर्ट में यह पक्ष रखा गया था कि इतने पुराने घटनाक्रम को लेकर लंबे अंतराल के बाद एफआईआर दर्ज की गई और इसके पीछे राजनीतिक परिस्थितियों का भी प्रभाव बताया गया।

उनके समर्थकों ने भी एफआईआर को राजनीतिक कार्रवाई बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इससे पहले 23 सितंबर को राजस्थान हाईकोर्ट ने गणेशराज बंसल, उनकी पत्नी संतोष बंसल और बेटी वंदना जैन से जुड़े मामलों में भी अंतरिम राहत दी थी। अदालत ने एक एफआईआर में पत्नी और बेटी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई थी तथा दूसरी एफआईआर में तीनों के खिलाफ कार्रवाई पर रोक के निर्देश दिए थे। अब एफआईआर निरस्त होने के बाद विधायक गणेशराज बंसल को मामले में महत्वपूर्ण न्यायिक राहत मिली है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में नाबालिग युवती के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी सुरेन्द्र पुत्र रमेश चन्द रैगर को गिरफ्तार कर बालिका को बरामद कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि संजय शर्मा थानाधिकारी थाना अखैपुरा मय टीम द्वारा प्रकरण में कार्रवाई करते हुए नाबालिग अपहर्ता बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार परिवादियां ने थाना में एक रिपोर्ट दर्ज कराई कि परिवादियां की नाबालिग बालिका चार सितबंर को दोपहर एक बजे से घर से बिना बताये कहीं चली गई। परिजनों ने अपने आस पड़ौस और रिश्तेदारी में सब जगह जानकारी की, लेकिन नाबालिग बालिका कहीं नहीं मिली।

हादसे में मिठाई व्यवसायी की मौत

जोधपुर, (कासं)। ओसियां-फलोदी स्टेट हाइवे पर नेवरा रोड के पास मंगलवार सुबह तेल टैंकर और कार में टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। ड्राइवर को ग्रामीणों ने निकालकर मथानिया राजकीय सैटेलाइट अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित दिया।कार चालक की पहचान नेवरा गांव तेजा नगर निवासी भूपेंद्र सिंह पुत्र हनुमान सिंह राजपुरोहित के रूप में हुई। वह पंजाब में मिठाई का काम करते हैं। इन दिनों अपने घर आए हुए थे।

कोटा में डंपर की टक्कर से कार सवार युवक की मौत

कोटा, (निसं)। सिमलिया थाना इलाके में फोरलेन पर तेज रफ्तार डंपर चालक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार कार से 36 वर्षीय युवक बारां से कोटा की ओर आते समय सिमलिया क्षेत्र के कालीसिंध नदी की पुलिया के समीप पलायथा-सिंता क्षेत्र में पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे डंपर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाते हुए कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार फोर लेन पर आगे चल रहे ट्रक से टकरा कर व पीछे से टक्कर मारने वाले डंपर दोनों के बीच में फंस गई। हादसे की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सिमलिया थानाधिकारी नंद सिंह ने बताया कि सोमवार देर रात्रि को कालीसिंध नदी हाइवे पर डंपर ने कार को पीछे से टक्कर मारी, हादसे में कोटा के स्वामी विवेकानंद नगर निवासी तरूणकांत मीणा (36) की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि तरूणकांत मीणा बारां में एक गैस एजेंसी का संचालन करता था, जो सोमवार देर रात्रि को बारां से कोटा घर जाने के लिये कार से निकला था। थानाधिकारी ने बताया कि मंगलवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

"तरंग शक्ति-2026 युद्धभ्यास" में तेजस और एफ-35ए ने एक साथ उड़ान भरी

एफ-35ए भारत में पहली बार युद्धाभ्यास में शामिल हो रहे हैं

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन में चल रहे "तरंग शक्ति-2026 युद्धाभ्यास" में भारत ने स्वदेशी विमान तेजस और दुनिया का सबसे आधुनिक फाइटर जेट एफ-35ए ने एक साथ उड़ान भरी। एफ-35ए भारत में पहली बार युद्धाभ्यास में शामिल हो रहे हैं। छह फाइटर जेट जापान में स्थित अमेरिका के एयर बेस से जोधपुर आए हैं। भारतीय वायु सेना द्वारा जारी एक वीडियो में भारत का स्वदेशी विमान तेजस और एफ-35 एक साथ उड़ते हुए दिख रहे हैं।

- **जोधपुर में चल रहे वायुसेना के "तरंग शक्ति-2026" युद्धाभ्यास में दुनिया के आठ बड़े देश हिस्सा ले रहे हैं**

जानकारी के अनुसार जोधपुर में चल रहे वायुसेना के "तरंग शक्ति-2026" युद्धाभ्यास में दुनिया के 8 बड़े देश हिस्सा ले रहे हैं। भारत में अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर जानकारी दी कि अमेरिकी वायुसेना के एफ-35ए लाइटनिंग द्वितीय विमान पहली बार भारत में आयोजित तरंग शक्ति अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। स्टील्थ तकनीक, अत्याधुनिक सेंसर और सूचना साझा करने की क्षमताओं से लैस एफ-35 विमान भारतीय वायुसेना और अन्य सहयोगी देशों के साथ प्रशिक्षण के नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। इससे आपसी समन्वय और संयुक्त तैयारी को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका और बांग्लादेश हिस्सा ले रहे हैं, यानी भारत समेत कुल आठ देशों की वायु सेनाएं सीधे तौर पर भाग ले रही हैं। इसके अतिरिक्त, 32 से ज्यादा देश इस सैन्य आयोजन में प्रेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में शामिल हुए हैं।

वहीं भारतीय वायुसेना ने तरंग शक्ति युद्धाभ्यास को लेकर एक्स पर पोस्ट की। वायुसेना ने बताया कि जोधपुर के आसमान में बहुराष्ट्रीय हवाई शक्ति का एक अद्भुत और शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जहां भाग ले रहे विभिन्न देशों के लड़ाकू विमानों ने बेहतर रणनीतिक अभियानों के लिए उड़ान भरी। सटीकता, शक्ति और साझेदारी के संदेश के साथ ये अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स आज एक ही आसमान में एकजुट होकर भारत की सैन्य ताकत और वैश्विक सहयोग का परचम लहरा रहे हैं। इस विशाल सैन्य अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दुनिया की अग्रणी वायुसेनाओं के बीच आधुनिक युद्ध तकनीकों का आदान-प्रदान करना और एक-दूसरे के साथ मिलकर किसी भी आपात स्थिति से निपटने की क्षमता को बढ़ाना है। इस दौरान दिन और रात में होने वाले जटिल हवाई हमलों, डॉगफाइट और हवा में ही ईंधन भरने जैसे कठिन अभ्यासों को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे भारत की रक्षा कूटनीति को वैश्विक मंच पर एक नया मुकाम मिला है।

UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR
Jawahar Lal Nehru Marg, Jaipur - 302004
NOTICE INVITING E-BID
E-Bids for one year Rate Contract are invited from interested bidders for Supply of Stationary, Petty Items & Exam Materials (on F.o.R. basis) upto 09.10.2026, 01:00 PM. Other detailed particulars of the bid may be seen on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and http://uniraj.ac.in.
Bid Value: Approximate Value in 20.00 Lacs (Rupees)
UBN: URA2627GLRC00104, NIB: URA2627A0039 Registrar

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 24726731 दिनांक :- 27/09/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 26/2026-27
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि 351.99 लाख की ई-निविदा क्रम संख्या (1) दिनांक 21.10.2026 एवं ई-निविदा क्रम संख्या (2-4) दिनांक 08.10.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in, http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN No. : AJD2627WSOB00151 To AJD2627WSOB00154
राज.संवाद/सी/26/10938 अधिशाषी अभियन्ता

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482
Registerd Office : Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004
Office of The Superintending Engineer (Civil)
E-Mail - secivilavvnl@gmail.com; http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl
No. : AVVNL/SE/CIVIL/AJM/FC: D : 1247 Date :- 25/09/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 09 (2026-27)
केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों में "ए" व "एए" श्रेणी अथवा अ.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी तथा माल एवं सेवाकर विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियंता (सिविल/सिविल-QC), अजमेर/उदयपुर/सीकर/चितौड़गढ़ के अधीन सिविल कार्यों के लिए निविदाऐं UBN No. AVV2627WSOB00263 to AVV2627WSOB00312 आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in व http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/26/10894 अधीक्षण अभियन्ता (सिविल)

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/175 - 177 Date :- 23/09/2026
ई-निविदा सूचना संख्या : 46/2026-27
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 283.50 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	25.09.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 15.10.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	25.09.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 15.10.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	16.10.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2627WSOB00275, 00276, 00279, 00280, 00283, 00284, SLOB00277, 00278, SSOB00281 00282
राज.संवाद/सी/26/10890 अधिशाषी अभियन्ता - द्वितीय उदयपुर विकास प्राधिकरण

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सरदारशहर
क्रमांकः 1005-1014 दिनांकः 23/09/2026
ई-निविदा सूचना सं. 10/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड सरदारशहर के अन्तर्गत सड़क निर्माण कार्य हेतु कुल 01 कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन ई-निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। आर.पी.डब्ल्यू.ए.-100 की शर्त लागू होगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in तथा SPPP पर देखा जा सकता है। SPPP पर अपलोड NIB No. PWD2627A2882 के UBN No. निम्न प्रकार है :-
UBN No.- 1. PWD2627WSOB12974
(ऋतिक सांखला) अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड सरदारशहर
DIPR/C/16731/2026

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
भू- तल, ब्लॉक-6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर, फोन नं: 0141-2700459, E-Mail:- RAJSMSA.CIVIL@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक :- F-5(1)(325)RCSCE/Civil/NIT 2026-27/2026/D-3958 दिनांक :- 25/09/2026
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 12 (सिविल)/2026-27
(राजकीय विद्यालय/हॉस्टल के निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु)
राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा वार्षिक कार्य योजना एवं बजट वर्ष 2021-2022, 2022-23, 2023-24, 2024-25, 2025-26, 2025-26 (Supplementary), राज्य मद 2025-26, लेखानुदान की बजट घोषणा वर्ष 2024-25 (Phase-I, II, III, IV, V, VI, VII) एवं पी.एम.श्री. वर्ष 2025-26, नाबार्ड RIDF XXVIII, डी.एम.एफ.टी, एम.एल.ए. लेड, इत्यादि योजनान्तर्गत स्वीकृत 167 राजकीय विद्यालय/हॉस्टल के निर्माण कार्यो हेतु राशि रू. 8344.83 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 2.00 लाख से 363.34 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से अल्पकालीन ई-निविदाऐं 28/09/2026 प्रातः 10.00 बजे से 04/10/2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।
- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट https://rajsmsa.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा कार्यालय सम्बन्धित जिला के स्तर से की जावेगी।
राज.संवाद/सी/26/10929 UBN : RSE2627WSOB01381 राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा

कार्यालय अधिशासी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, उत्पादन वितरण एवं राजस्व खण्ड तृतीय, बीकानेर-334001
Email: eepdr3.bik.phed@rajasthan.gov.in Phone: 0151-2226469
No: Date:
ई-बोली सूचना संख्याः- 21-27/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अद्योहस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग द्वारा ई-बोली आमंत्रित की जाती है। यह ई-बोली "Website:-www.sppp.rajasthan.nic.in" पर देखी जा सकती है तथा ई-बोली प्रपत्र "Website:-http://eproc.rajasthan.gov.in" से दिनांक 06-10-2026 को 18:00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बोली डालने की अवधि दिनांक 06-10-2026 को 18:00 बजे तक रहेगी, उक्त ई-बोली दिनांक 07-10-2026 को 11:00 बजे उपस्थित बोलीदाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ऑनलाईन खोली जायेगी।
RPWA 100 की समस्त शर्ते लागू होगी। इस ई-बोली सूचना में कुल 07 कार्य है, इस कार्य की कुल लागत राशि 57.79 लाख है।

S. No.	BID No.	UBN No.
1.	21/2026-27	PHE2627WSOB05731
2.	22/2026-27	PHE2627WSOB05733
3.	23/2026-27	PHE2627WSOB05736
4.	24/2026-27	PHE2627WSOB05738
5.	25/2026-27	PHE2627WSOB05740
6.	26/2026-27	PHE2627WSOB05742
7.	27/2026-27	PHE2627GSOB05745

जल सीमित हैं, इसकी बचत करें
अधिशाषी अभियंता जन स्वा. अभि. विभाग उ. वि. एवं राजस्व खंड तृतीय बीकानेर
DIPR/C/16542/2026

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
CIN:- U40102RJ2000SGC016484 (राजस्थान सरकार का उपक्रम)
विद्युत भवन, ज्योति नगर, जनपथ, जयपुर -302005
सार्वजनिक सूचना
सूचना दी जाती है कि राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (RVUN) ने राजस्थान विद्युत नियामक आयोग (RERC) के समक्ष एक समीक्षा याचिका दायर की है। यह याचिका राजस्थान विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ तय करने के नियम और शर्तें) विनियम, 2025 में संशोधन के लिए है। इसमें उन बिजली उत्पादन केंद्रों के लिए 'अतिरिक्त पूंजीकरण' (Additional Capitalisation) की अनुमति मांगी गई है जिनका उपयोगी जीवनकाल (useful life) पूरा हो चुका है और जिनका नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (R&M) किया जाना है। साथ ही, कोयले से चलने वाले थर्मल बिजली उत्पादन केंद्रों के लिए R&M लागत के अतिरिक्त पूंजीकरण के विकल्प के तौर पर विशेष भत्ता (Special Allowance) की मांग भी की गई है। यह याचिका राजस्थान विद्युत नियामक आयोग (काम-काज के नियम) विनियम, 2021 के विनियम 19 और 21; राजस्थान विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ तय करने के नियम और शर्तें) विनियम, 2025 के विनियम 94; और विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 61, 86(1)(a) और 181(2)(zd) के तहत दायर की गई है। याचिका की प्रतियां RERC कार्यालय और जयपुर के ज्योति नगर स्थित विद्युत भवन में याचिकाकर्ता के कार्यालय में रु. 100 का भुगतान करके देखी और खरीदी जा सकती है। यह याचिका RVUN की वेबसाइट https://energy.rajasthan.gov.in/rrvun और https://rerc.rajasthan.gov.in/ जो लोग अपनी राय या सुझाव देना चाहते है, वे RERC (ट्रांजैक्शन ऑफ बिजनेस) रेगुलेशंस 2021 के फॉर्म-3 में शपथ-पत्र और जरूरी जानकारी के साथ 6 प्रतियों (कॉपी) में इसे रिसीविंग ऑफिसर, RERC, विद्युत विनियामक भवन, सहकार मार्ग, स्टेट मोटर गैराज के पास, जयपुर-302001 के पते पर भेज सकते है। ये दस्तावेज रिसीविंग ऑफिसर के पास 17.10.2026 तक या उससे पहले पहुँच जाने चाहिए।
RVUN/PR-4478 राज.संवाद/सी/26/10964 मुख्य अभियन्ता (पीपीसी एंड पीटीडी)

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
निविदा आमंत्रण सूचना
प्रशिक्षण विंग में कैटरिंग एवं हाउस कीपिंग संयुक्त सेवाओ हेतु अनुबंध पर इच्छुक निविदाकर्ताओं से दिनांक 22.10.2026 शाम 03.00 बजे तक निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा विस्तृत मय विनिर्देश राज्य की प्रोक्योरमेंट पोर्टल (http://sppp.rajasthan.gov.in), (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं विभाग की वेबसाइट http://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn पर देखी जा सकती है।
UBN-VPN2627SLOB01493
बोली में कोई भी विस्तार/संशोधन (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त पोर्टल/साइटों पर जारी/अपलोड किया जाएगा।
राज.संवाद/सी/26/10883 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7814/2026 अधीक्षण अभियन्ता (मा.स.वि.एवं प्रशिक्षण), जयपुर

झालावाड़ केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड
प्रधान कार्यालय, "सहकार भवन, झालावाड़" एन एच -52, झालरापाटन -326023
क्रमांक :- जेकेएसबी/फा.( )स्टोर/2026-27/ दिनांक :- 25/09/2026
निविदा सूचना
बैंक शाखाओं में CCTV सेटअप इंस्टालेशन करवाये जाने हेतु NIT NO.- 003/2026-27 द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र निर्धारित दिनांक 26.10.2026 को सायं 02:00 बजे तक निर्धारित निविदा अनुसार बैंक प्रधान कार्यालय, सहकार भवन, NH-52, झालरापाटन-326023 में भिजवाये जा सकते है। विस्तृत जानकारी बैंक की वेबसाईट http://www.ccbjhalawar.bank.in तथा SPPP Portal - http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB Code - JKS2627A0013 UBN NO.- JKS2627GLOB00013
राज.संवाद/सी/26/10927 प्रबंध निदेशक

कार्यालय नगर परिषद धौलपुर
मचकुण्ड रोड धौलपुर Email Id- dholpur.jaipur@gmail.com, Ph- 05642-220888
क्रमांकः-न.प.धौ./2026-27/8306-08 दिनांकः- 28.09.2026
निविदा आमंत्रित सूचना ई-17
नगर परिषद धौलपुर द्वारा पंजीकृत संवेदकों से सीसी पेंच रिपेयर कार्य वार्ड नं 01 से 30 एवं सीसी पेंच रिपेयर कार्य वार्ड नं 31 से 60 में निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिनकी अनुमानित लागत 20 लाख रू है।
UBN No.-DLB2627WSOB20549, DLB2627WSOB20550,
विवरण के लिये देखे www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in
राज.संवाद/सी/26/10923 आयुक्त नगर परिषद धौलपुर

कार्यालय नगर परिषद् बांसवाडा (राज.)
फोन : 02962-243714, 247201, फैक्स : 02962-243714 Email Id :palika.bsw@gmail.com
क्रमांक : एफ 11( )विद्युत/न.प.बा./2026/5656 दिनांक : 25.09.2026
निविदा सूचना स. 02/2026-27
(NIB NO. DLB2627A7924)
सक्षम स्तर पर विद्युत पंजीकृत संवेदक से 01 कार्य की कुल लागत 44.22 लाख हेतु ऑनलाईन निविदा डाउनलोड की अवधि दिनांक 28/09/2026 प्रातः 11 बजे एंव दिनांक 07/10/2026 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित अन्य शर्ते एवं विवरण पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajsthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN Number :- DLB2627WSOB20493
राज.संवाद/सी/26/10926 आयुक्त नगर परिषद्, बाँसवाड़ा

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड-डूंगरपुर
Mail: eepheddpr@gmail.com
क्रमांक-अ.अ./खण्ड/तक/निविदा/2026-27/1667-71 दिनांक-24/09/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 18/2026-27
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड-डूंगरपुर के अधीन कार्य हेतु ऑनलाईन बिड आंमत्रित की जाती है। बिड से संबंधित समस्त जानकारी प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
एन.आई.बी. नम्बर-PHE2627A2720
NIT No. 18/2026-27 UBN No. PHE2627WSRC05702
अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा अभि विभाग खण्ड-डूंगरपुर
DIPR/C/16507/2026

राजस्थान ऊर्जा विकास एवं आईटी सर्विसेज लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम), पंजि.कार्या. : विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर - 302005
निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति
रा. ऊ. वि. एवं आईटी सर्विसेस लि. जयपुर द्वारा एन. आई. टी संख्या HR 06/2026-27 में यथा उल्लेखित नियमों / शर्तो/ तकनीकी विशिष्टता के अनुसार ईछुक निविदादाता/ फ़र्म / एजन्सी से 55 एयर कंडीशनर (AC) हेतु अलग अलग मोहरबंद लिफाफो मे निविदा आमंत्रित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.sppp.rajasthan.gov.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in की वैबसाइट देखें। नोटः- अगर कोई शुद्धि-पत्र (corrigendum) जारी किया जाता है, तो वह केवल www.sppp.rajasthan.gov.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in तथा RUVITL की वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा। UBN - RUV2627GLRC00008
राज.संवाद/सी/26/10892 आरयूवीआईटीएल/पीआर- 130 (2026) उप निदेशक (मा. स.)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

Executive Engineer Water Resources Division Karauli
No. 2301 Date: 26/09/2026
Short Term Notice Inviting Bid (N.I.T. 05/2026-27)
Bids for 02 nos works under M&R are invited from interested bidders from 26.09.2026 to dated 02.10.2026 upto 06:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement in Total Rs. 29.24 Lacs.
NIB Code - WRD2627A0344
UBN No. - WRD2627WSOB00712, WRD2627WSOB00713
(Vivek Bansal) Executive Engineer Water Resources Divison Karauli
DIPR/C/16807/2026

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/163 - 165 Date :- 23/09/2026
ई-निविदा सूचना संख्या : 42/2026-27
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 565.00 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	25.09.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 20.10.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	25.09.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 20.10.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	21.10.2026 को प्रातः 11:00 बजे (तकनीकी बिड)

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2627WLOB00257
राज.संवाद/सी/26/10886 अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

पीएम-अभीम की अवधि 31 मार्च 2027 तक बढ़ी

जयपुर। प्रदेश में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए संचालित प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-अभीम) की अवधि केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दी है। इससे योजना के तहत संचालित स्वीकृत स्वास्थ्य गतिविधियों को लगातार आगे बढ़ाया जा सकेगा।

केंद्र सरकार के निर्णय के अनुसार योजना के तहत चल रहे स्वीकृत कार्य और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी गतिविधियां जारी रहेंगी। इनका संचालन निर्धारित दिशा-निर्देशों, स्वीकृत मानकों और उपलब्ध बजट के अनुसार किया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि पीएम-अभीम को आगे जारी रखने से प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों को निरंतर सहयोग मिलेगा। राज्य सरकार आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि योजना के विस्तार से स्वास्थ्य क्षेत्र में संचालित स्वीकृत गतिविधियों को निरंतर गति मिलेगी।

एसआई भर्ती परीक्षा के खिलाफ शहीद स्मारक पर अभ्यर्थियों का धरना-प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा को रद्द कर दोबारा कराने की मांग की

एसआई भर्ती परीक्षा के पेपर को आउट ऑफ पैटर्न बताते हुए अभ्यर्थियों व उनके परिजनों ने शहीद स्मारक पर धरना दिया।

■ आरपीएससी ने 20 सितंबर को हुई परीक्षा के करीब 30 प्रतिशत प्रश्नों को आउट ऑफ पैटर्न माना है, जबकि अभ्यर्थियों के अनुसार करीब 80 प्रतिशत पेपर निर्धारित पैटर्न से अलग था।

जयपुर। एसआई भर्ती परीक्षा के पेपर को आउट ऑफ पैटर्न बताते हुए अभ्यर्थियों और उनके परिजनों ने मंगलवार को जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा को रद्द कर दोबारा कराने की मांग की। अभ्यर्थियों ने कहा कि सरकार को केवल वार्ता तक सीमित नहीं रहकर इस संबंध में स्पष्ट आदेश जारी करना चाहिए। धरने के दौरान अभ्यर्थियों ने नारेबाजी करते हुए भर्ती प्रक्रिया में हुई कथित गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग भी उठाई।

एसआई भर्ती परीक्षा संघर्ष समिति से जुड़े सत्येंद्र राव ने दावा किया कि आरपीएससी ने 20 सितंबर को हुई परीक्षा के करीब 30 प्रतिशत प्रश्नों को आउट ऑफ पैटर्न माना है, जबकि अभ्यर्थियों के अनुसार करीब 80 प्रतिशत पेपर निर्धारित पैटर्न से अलग था। उन्होंने कहा कि यदि आयोग ने अपनी गलती मानी है तो उसका खामियाजा अभ्यर्थियों को क्यों भुगतना पड़े। अभ्यर्थियों की मांग है कि परीक्षा को निरस्त कर नए सिरे से परीक्षा आयोजित की जाए।

सत्येंद्र राव ने कहा कि हाईकोर्ट के भर्ती परीक्षा रद्द करने के बाद अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए केवल चार महीने का समय मिला। उनका कहना है कि अभ्यर्थी करीब पांच साल से न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में चार महीने में दोबारा तैयारी की अपेक्षा उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आरपीएससी को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए परीक्षा दोबारा आयोजित करनी चाहिए। अभ्यर्थियों ने आरपीएससी के पूर्व चेयरमैन यू. आर. साहू के पूर्व में दिए कथित बयान का भी हवाला दिया। उनके अनुसार साहू ने कहा था कि एसआई भर्ती परीक्षा का पेपर 2021 के पैटर्न पर होना चाहिए, लेकिन अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा उस पैटर्न के अनुरूप नहीं हुई।

उनका कहना है कि भर्ती परीक्षाओं में यदि गलतियां सामने आती हैं तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बने। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि बार-बार भर्ती परीक्षाओं का पैटर्न बदलने से भर्ती प्रक्रिया प्रभावित होती है, देरी होती है और पद खाली रह जाते हैं। उन्होंने हाल में हुई लेक्चरर भर्ती परीक्षा का भी उदाहरण दिया। संघर्ष समिति से जुड़े अभ्यर्थी पायल, मीनाक्षी और लादूराम ने कहा कि मंगलवार को शहीद स्मारक पर धरने के साथ आंदोलन की शुरुआत की गई है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विकास कार्यों की समीक्षा की

■ उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए की अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहकर विकास कार्यों को गति प्रदान करवाए। बजट घोषणाओं का समय पर पूरा करवाकर आमजन को उनका लाभ समय पर दिलवाना हमारी प्राथमिकता है

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्य सरकार की बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विकास कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्ध पूर्णता पर विशेष जोर देते हुए विकास कार्यों को तेजी प्रदान करने के निर्देश दिए हैं । उप मुख्यमंत्री मगंलवार को पीडब्ल्यूडी मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी । उप मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिए की अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहकर विकास कार्यों को गति प्रदान करवाए। उन्होंने ने कहा कि आमजन की मांगों को ध्यान में रखते हुए हम बजट घोषणा करते है, बजट घोषणाओं का समय पर पूरा करवाकर आमजन को उनका लाभ समय पर दिलवाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा की निर्माण कार्यो में गति एवं गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए फील्ड विजिट जरूरी है ।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य विकास कार्यों को तेज गति देना और जनता को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में जनसेवा और विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया।

इस दौरान उन्होंने एनएच, एनएचएआई, सीआरआईएफ, आरएसआरडीसी, एक्सप्रेस वे, पीएमजीएसवाई, अटल पथ सहित विभिन्न सड़क एवं अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की । बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ,शासन सचिव डीआर मेघवाल ,मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश भाटी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

विदेशी महिला पर्यटक से अभद्रता का वीडियो वायरल करने वाले आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। अजमेर जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल किशनगढ़ डंपिंग यार्ड में इजरायली महिला पर्यटक के साथ अभद्रता और अश्लील टिप्पणियां करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। गांधीनगर थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना के संबंध में अलग से प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कुछ युवक इजरायली महिला पर्यटक के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते और आपत्तिजनक टिप्पणियां करते दिखाई दिए। वीडियो सामने आने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए गांधीनगर थाने के सहायक उपनिरीक्षक राजकुमार की रिपोर्ट पर पुलिस ने स्वत: संज्ञान लिया और आरोपियों की पहचान के लिए जांच शुरू की।

रीको प्रत्यक्ष आवंटन योजना का 14वां चरण प्रारंभ

94 औद्योगिक क्षेत्रों में 4700 से अधिक भूखण्ड आवंटन के लिए उपलब्ध

जयपुर। राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत निवेशकों को त्वरित, पारदर्शी एवं सरल तरीके से औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको द्वारा संचालित प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 का 14वां चरण दिनांक 28 से प्रारंभ हो चुका है। इस चरण में निवेशकों के लिए प्रदेश के 94 औद्योगिक क्षेत्रों में 4700 से अधिक औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक भूखण्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इच्छुक निवेशक 12 अक्टुबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ई-लॉटरी 15 अक्टुबर को आयोजित की जाएगी।

राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत राज्य सरकार के साथ एमओयू करने वाले निवेशकों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। जिन निवेशकों ने अभी तक एमओयू निष्पादित नहीं किया है, वे भी ईएमडी की अंतिम तिथि तक राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित कर योजना के तहत भूखण्ड आवंटन के लिए पात्र हो सकेंगे।

इस चरण में उपलब्ध कुल भूखण्डों में से 4,116 भूखण्ड अनारक्षित श्रेणी के हैं, जबकि 27 लॉजिस्टिक भूखण्ड भी निवेशकों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न श्रेणियों के निवेशकों के लिए भूखण्ड आरक्षित किए गए हैं जिनमें अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 168, महिला वर्ग के लिए 167, भूतपूर्व सैनिकों के लिए 95, बेंचमार्क दिव्यांगजनों के लिए 124 तथा सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतकों के आश्रितों के लिए 59 भूखण्ड शामिल हैं।

योजना के तहत एक भूखण्ड के लिए केवल एक आवेदन प्राप्त होने पर सीधे आवंटन किया जाएगा, जबकि एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में ई-लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से आवंटन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि प्रत्यक्ष आवंटन योजना के अब तक 13 चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं। इन चरणों में 2335 औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन किया जा चुका है जिनके माध्यम से प्रदेश में 21,000 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश तथा 46,000 से अधिक लोगों के लिये रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसके अलावा 444 भूखण्डों का आवंटन वर्तमान में प्रक्रियाधीन है जिनसे 2000 करोड़ रूपये से अधिक के अतिरिक्त निवेश की संभावना है।

स्पीकर देवनानी ने नये निवेश व उद्योगों के विस्तार पर मंथन किया

देवनानी ने नई दिल्ली के इण्डिया हैबिटेट सेंटर के गुलमोहर हॉल में कार्यशाला में सांसदों, शिक्षा जगत के विषय विशेषज्ञों को सम्बोधित किया।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक विधान सभा और लोकसभा क्षेत्र का लोकल एम्प्लायमेंट एण्ड स्कील मैप तैयार किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश के हर क्षेत्र की पर्यटन, कृषि प्रसंस्करण, इंजिनियरिंग, रिनिवल एनर्जी और डिजिटल व्यवस्थाएं अलग-अलग तरह की होती है। स्थानीय उद्योगों को बढावा देकर, युवाओं की सोच में बदलाव लाकर, पढाई व हाथ के काम में समन्वय का वातावरण निर्माण कर हम विकसित भारत के संकल्प को साकार कर सकते है। स्पीकर देवनानी मंगलवार को नई दिल्ली के इण्डिया हैबिटेट सेंटर के गुलमोहर हॉल में विकसित भारत 2047 के लिए भारत के रोजगार ढांचे की मजबूती विषयक कार्यशाला में सांसदों, विधायकों, उद्योग और शिक्षा जगत के विषय विशेषज्ञों को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में एनएफपीआरसी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद तरुण चुघ ने स्पीकर देवनानी का स्वागत किया।

देवनानी ने कहा कि युवा शक्ति के पौरुष, मातृ शक्ति के सशक्तिकरण, श्रम, सामूहिक संकल्प, आत्मनिर्भरता और व्यवहारिक ज्ञान से ही हम नया इतिहास रचेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में रोजगार आज के रोजगार जैसा नहीं रहेगा। एआई, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, सेमिकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, बॉयोटेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सेवाएं हमारी अर्थव्यवस्था की प्रकृति को बदल देंगे। इसके लिए हम सभी को रिस्कीलिंग और लाइफलांग लर्निंग के लिए निरन्तर तैयार रहना होगा।

निकाय चुनाव में मिली करारी हार से बौखला गई है कांग्रेस : बेढम

जयपुर । गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कांग्रेस चुनाव में ब्यूरोक्रेसी के दुरुपयोग के आरोपों पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निकाय चुनावों में कारारी हार और बीजेपी की प्रचंड जीत से बौखलाई हुई है।

कांग्रेस को अपने आरोपों पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि यदि सरकार ब्यूरोक्रेसी का नाजायज इस्तेमाल करती और प्रशासनिक मशीनरी का अनुचित उपयोग करती, तो कांग्रेस 91 निकायों में कैसे जीतती। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को ब्यूरोक्रेसी का दुरुपयोग ही करना होता तो सभी स्थानों पर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में परिणाम सुनिश्चित किए जा सकते थे। बेढम ने कहा कि लोकतंत्र में स्वच्छता, पारदर्शिता और निष्पक्षता का विशेष महत्व है।

थार से युवक को कुचलने के मामले में तीन डॉक्टर डिटेन

जयपुर। जवाहर नगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार काली थार से स्कूटी सवार युवक को कुचलने के मामले में पुलिस ने तीन डॉक्टरों को डिटेन किया है। पुलिस ने करीब 100 किलोमीटर के दायरे में 400 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर हादसे में शामिल थार का पता लगाया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। हादसे में गंभीर घायल हुए युवक विजय पासवान (24) की रविवार को उपचार के दौरान मौत हो गई।

जवाहर नगर थानाधिकारी सरला यादव के अनुसार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धर्मेंद्र कड़वा निवासी डीडवाना-कुचामन, यथार्थ हंस और राजेश धाकड़ निवासी चित्तौड़गढ़ को डिटेन किया है। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी डॉक्टर हैं और विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई करके लौटे हैं। हादसे के समय धर्मेंद्र के थार चलाने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस ने हादसे के बाद घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। करीब 100 किलोमीटर के दायरे में अलग-अलग स्थानों के 400 सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। रूट मैप और कैमरों में कैद वाहन की आवाजाही के आधार पर पुलिस ने काली थार के रजिस्ट्रेशन नंबर की पहचान की। इसके बाद पुलिस टीम ने सालासर से राजेश धाकड़ और यथार्थ को डिटेन किया। दोनों की निशानदेही पर धर्मेंद्र को थाने बुलाकर डिटेन किया गया। पुलिस ने हादसे में इस्तेमाल काली थार भी जब्त कर ली है।

हादसा 22 सितंबर की रात करीब 12:30 बजे राजापार्क के उदय मार्ग चौराहे पर हुआ था। मूल रूप से उत्तर प्रदेश निवासी विजय करीब तीन साल पहले जयपुर आया था। वह आदर्श नगर स्थित चिकन हंट में काम करता था और वहीं रहता था।

संपत्ति विवाद ने लिया खूनी मोड़: छोटे भाई ने बड़े भाई को चाकू से मार डाला

■ मुरली बगानी ने पहले डंडे से मारपीट की और संभलने से पहले ही चाकू से हमला कर दिया। गंभीर हालत में श्याम को एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया

जयपुर। बनी पार्क थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह पैतृक संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की चाकू से हमला कर हत्या कर दी। यह घटना मंगलवार सुबह करीब 7 से 7.30 बजे राम पार्क के सामने हुई। घर से मंदिर जाने के लिए स्कूटी से निकले श्याम बगानी (65) को उनके छोटे भाई मुरली बगानी (58) ने रास्ते में रोक लिया। पहले डंडे से मारपीट की और संभलने से पहले ही चाकू से हमला कर दिया। गंभीर हालत में श्याम को एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर आरोपी मुरली को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

आरोपी मुरली बगानी

बनी पार्क थाना अधिकारी सुरेश यादव ने बताया कि श्याम बगानी संत कंवर राम पार्क के पीछे सिंधी कॉलोनी में रहते थे। जो मंगलवार सुबह मंदिर जाने के लिए घर से निकले थे। घर से करीब 300 मीटर दूर राम पार्क के सामने मुरली ने उन्हें रोक लिया। अचानक हुए हमले में श्याम गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों भाइयों के बीच पैतृक संपत्ति में हिस्से को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

पुलिस के अनुसार बड़े भाई की ओर से संपत्ति में हिस्सा नहीं दिए जाने को लेकर दोनों के बीच विवाद था। पुलिस इसी विवाद को हत्या की प्राथमिक वजह मानकर जांच कर रही है। हालांकि घटना से जुड़े अन्य पहलुओं को भी जांच में शामिल किया गया है।

थानाधिकारी ने बताया कि श्याम तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। सबसे बड़े भाई प्रकाश बगानी थे, जिनका वर्ष 2014 में अमेरिका में निधन हो गया था। तीसरे भाई मुरली बगानी हैं, जो हत्या के मामले में आरोपी है। श्याम फिलहाल परिवार के साथ घर पर रहते थे। उनका बेटा चिराग बगानी ऑनलाइन काम करता है।

थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी मुरली बगानी करीब 24 साल अमेरिका में रहा। वह बेलीज़ सिटी सेंट्रल अमेरिका में रहता था। उसकी पत्नी और बच्चे अभी अमेरिका में ही हैं। कारोबार में घाटा होने के बाद वह करीब 11 महीने पहले जयपुर लौटा था। फिलहाल वह सीकर रोड स्थित शेखावाटी नगर में रह रहा था।

पुलिस के अनुसार अमेरिका जाने से पहले भी मुरली के खिलाफ जयपुर के महिला थाना उत्तर में दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज था। इसी मामले में छह सितंबर को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जेल से बाहर आने के बाद पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर उसका बड़े भाई श्याम से विवाद चल रहा था।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हत्या में इस्तेमाल हथियार सहित अन्य साक्ष्यों के संबंध में जांच की जा रही है। पुलिस घटना के पीछे संपत्ति विवाद के अलावा अन्य संभावित कारणों की भी पड़ताल कर रही है।

इजराइल के राजदूत फारेस सैब जयपुर पहुंचे

जयपुर। इजराइल के राजदूत फारेस सैब ने जयपुर में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत से मुलाकात की। मंत्री रावत ने राजदूत का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जल संचय, सिंचाई, जल संरक्षण और जल संवर्धन के क्षेत्र में भारत और इजराइल के बीच तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में राजस्थान में जल उपलब्धता बढ़ाने और सीमित जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन को लेकर इजराइल की आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने जल संरक्षण, सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा कृषि क्षेत्र में पानी के प्रभावी उपयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इजराइल ने कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक तथा नवाचार के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति की है।

सार-समाचार

डीएलएसए मेट्रो का श्रमिकों के हितार्थ आमेर में कैंप आयोजित

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आज 29 सितंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा नाई की थड़ी, जयसिंहपुरा खोर पुलिस चौकी, आमेर में श्रम कार्ड एवं आधार रजिस्ट्रेशन कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प का उद्घाटन पल्लवी शर्मा, सचिव (अतिरिक्त जिला न्यायाधीश) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय, धर्मवीर सिंह रूलानिया, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम 8 जयपुर महानगर द्वितीय व वैभव सोनी, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम 9 जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कैम्प में श्रम विभाग से अनुपम गौतम, श्रम निरीक्षक, सीएससी विभाग से कन्हैया योगी जिला समन्वयक तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा सहयोग किया गया। कैम्प में ट्रेड यूनियन से ओम प्रकाश एवं एक्षन एड एनजीओ से मूलचंद का भी विशेष सहयोग रहा। कैम्प में आए कुल 216 लोगों को नालसा व रालसा द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों हेतु चलाई जा रही विभिन्न स्कीमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

शुभम क्लब में साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित

जयपुर । शुभम क्लब जयपुर की ओर से सीसीआर में 'साइबर सुरक्षा' जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को बढ़ते साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक करना और डिजिटल लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी देना था। क्लब की अध्यक्ष प्राची अग्रवाल, सचिव राशि गाडिया एवं पूरी शुभम क्लब टीम के नेतृत्व में आयोजित सत्र में पुलिस मुख्यालय की साइबर क्राइम एक्सपर्ट टीम ने साइबर अपराधों से बचाव को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उप पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, रविकांत शर्मा, रवि एवं विशाल ने साइबर फ्रॉड के विभिन्न तरीकों, ऑनलाइन ठगी से बचने के उपायों, सतर्कता एवं डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी जरूरी सावधानियों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को साइबर अपराधों की पहचान और उनसे बचाव के आसान एवं प्रभावी तरीकों से भी अवगत कराया गया। सत्र को और भी रोचक एवं उपयोगी बनाने के लिए ऑडियंस के साथ प्रश्न-उत्तर का इंटरैक्टिव सेशन रखा गया, जिसमें सदस्यों ने अपने सवाल पूछे और विशेषज्ञों ने उनके व्यावहारिक समाधान बताए।

उर्स में जायरीनों का सैलाब उमड़ा

जयपुर। संसार चंद्र रोड स्थित दरगाह मीर कुर्बान अली में हजरत अनवार उर रहमान नियाजी रहमतुल्लाह अलैह के दो दिन से चल रहे उर्स का देर रात कुल की रस्म के साथ समापन हुआ।दो दिनों में पहले दिन कुरआन ख्वानी,मिलाद शरीफ के अलावा देर रात तक महफिल ए समां चली,दूसरे दिन में कुल के रस्म अदा की गई,शाम को चादरें पेश की गई,देर रात कव्वाली की महफिल सजी जिसमें देश के प्रसिद्ध कव्वालो ने अपने बेहतरीन कलाम पेश कर वाहवाही लूटी।सज्जादा नशीन डॉ सैय्यद हबीबुर्रहमान नियाज़ी ने कहा कि हज़रत अनवार उर रहमान नियाजी बिस्मिल रह.का इस साल 81वाँ उर्स मनाया गया जिसमें सैकड़ों की तादाद में देश प्रदेश के जायरीन पहुंचे।दो दिनों तक चले उर्स में मुरीदों ने अपनी मुरादों की चादरें चढ़ाई। इस मौके पर पूर्व मंत्री रामकिशोर सैनी भी पहुंचे और चादर पेश की इस मौके पर किशनपोल विधायक आमीन कागज़ी,आदर्शनगर विधायक रफ़ीक खान के अलावा चादरें पेश करने नव नियुक्त पार्षद गण,समाज सेवी व कई गणमान्य लोगों की सज्जादा नशीन डॉ सैय्यद हबीबुर्रहमान नियाज़ी ने दस्तर बंदी की। मुरीदों ने अपनी मुरादें पूरी होने पर बच्चों को फलों व मिठाई से तोल

कांग्रेस ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि हालिया नगर निकाय चुनावों में संभावित हार से बौखलाई भाजपा सरकार ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को झोंककर तानाशाही, गुंडागर्दी और पार्षद लूटने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए साक्ष्यों के साथ विस्तृत ज्ञापन सौंपा। जूली ने कहा कि प्रदेश की जनता ने देखा कि किस प्रकार इस पार्षद लुटेरी सरकार ने चुनाव जीतने के लिए पूरी मशीनरी का दुरुपयोग किया। रिटर्निंग अधिकारियों के जरिए कांग्रेस उम्मीदवारों के फॉर्म और सिंबल निरस्त कराए गए, वहीं ऐन वक्त पर फर्जी नोटिस थमाए गए। हद तो यह हो गई कि पुलिस के साथ-साथ वन, खनन, प्रदूषण नियंत्रण, श्रम, खाद्य सुरक्षा, जीएसटी और यहां तक कि सीएमएचओ तक को विरोधियों की दुकानें सील करने में लगा दिया गया। जूली ने कहा कि यदि निष्पक्ष काम करने वाले ईमानदार अफसरों का उत्पीड़न किया गया और भाजपा के एजेंट बने अधिकारियों को बचाने की कोशिश हुई, तो कांग्रेस पार्टी पूरे राजस्थान में सड़कों से लेकर सदन तक उग्र जन-आंदोलन खड़ा करेगी।

"स्वर सरिता भावांजलि विशेषांक" का लोकार्पण आज

जयपुर। राजस्थान की कला, संस्कृति, संगीत और साहित्य को अपना जीवन समर्पित करने वाले के.सी. मालू की स्मृति को समर्पित स्वर सरिता भावांजलि विशेषांक का लोकार्पण समारोह 30 सितंबर को होटल मैरियट, जवाहर सर्किल के पास, टोंक रोड, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी करेंगे। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मुख्य वक्ता तथा राजस्थान सरकार के नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। स्वर सरिता के प्रधान संपादक हेमजीत मालू ने बताया कि भावांजलि विशेषांक में के.सी. मालू के साथ जुडे लोगों के संस्मरण, उनके व्यक्तित्व के विविध आयाम तथा राजस्थान की कला-संस्कृति के प्रति उनके समर्पण को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। यह विशेषांक उनके जीवन-संघर्ष, सांस्कृतिक दृष्टि और कलाकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की स्मृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

Celebrating the Power of Voices

Every year on September 30th, the world comes together to celebrate International Podcast Day, a platform that honours the storytellers, educators, and creators behind the microphone. Podcasts have transformed how we consume information, offering everything from deep-dive investigative journalism to light-hearted entertainment, accessible anytime and anywhere. The day encourages listeners to explore new shows, support independent creators, and recognize the growing influence of audio content in shaping culture and ideas. It's not just about entertainment, it's a celebration of connection, learning, and the power of voices that inform, inspire, and spark meaningful conversations globally.

#IKAT

The Art of Designing Before the Loom

The weaver must essentially forecast where the design will fall before the yarn even reaches the loom

Long before Jacquard looms and modern digital printing made intricate textile patterns easier to reproduce, Indian weavers had already developed a remarkable way of creating precise designs in yarn. The technique is called ikat, a process in which yarns are tied, dyed and carefully aligned so that the final pattern emerges only when the fabric is woven.

From Patan Patola and Pochampally Ikat to Sambalpuri Ikat, the principle is deceptively simple but extraordinarily difficult to execute. The weaver must essentially forecast where the design will fall before the yarn even reaches the loom.

In traditional Patola, both the warp and weft yarns are resist-dyed according to the design. Sections of the yarn are tied to prevent the dye from reaching them, while other sections are dyed in specific colours. Once these yarns are placed on the loom, the patterns on the warp and weft must meet with extraordinary precision to create motifs.

This means the design is not painted onto an already woven saree. It is determined at the yarn stage.

What makes Patola different?

In a traditional Patan Patola, both warp and weft are planned, tied and dyed before weaving. The process can take considerable time because every colour and motif has to be calculated in advance.

A semi-Patola, by contrast, uses a single-colour warp while the weft is dyed according to the intended pattern. It still involves considerable preparation and skill. The preparation can take around 10-15 days, followed by roughly 3-4 days of weaving, depending on the design and complexity. The result is a textile whose pattern is integral to its construction. A genuine Patola is also essentially reversible. There is no conventional "front" and "back" created by printing a design onto one surface. Because the pattern originates in the yarns themselves, the colours and motifs are visible through the fabric on both sides.

That provides an important clue when distinguishing an authentic handwoven ikat from an imitation.

With digital printing, the design is applied to the surface of an already made fabric. It may look remarkably convincing from the front, but the reverse side does not reproduce the pattern in the same way. Block printing can show some penetration of dye, but it is still fundamentally different from a pattern created through pre-dyed yarns.

This distinction has become increasingly important because imitation Patola sarees can be sold at dramatically lower prices. Some may cost less than Rs. 10,000, despite being marketed using names associated with handwoven Patola.

So, how can a buyer look beyond the appearance?

Look for evidence of the handloom process. Tiny irregularities, pinholes or marks created during tying and dyeing, as well as beam or weaving marks, can sometimes reveal the making process. These are not defects; they can be evidence of human craftsmanship. The most common forms of imitation include a completely powerloom-produced saree, or a powerloom base fabric on which a Patola-like design is subsequently printed. Ikat's true magic lies precisely in what cannot easily be seen at first glance: the design was decided before the saree existed as fabric. The weaver does not simply reproduce a picture. They calculate, tie, dye, align and finally weave the image into existence.

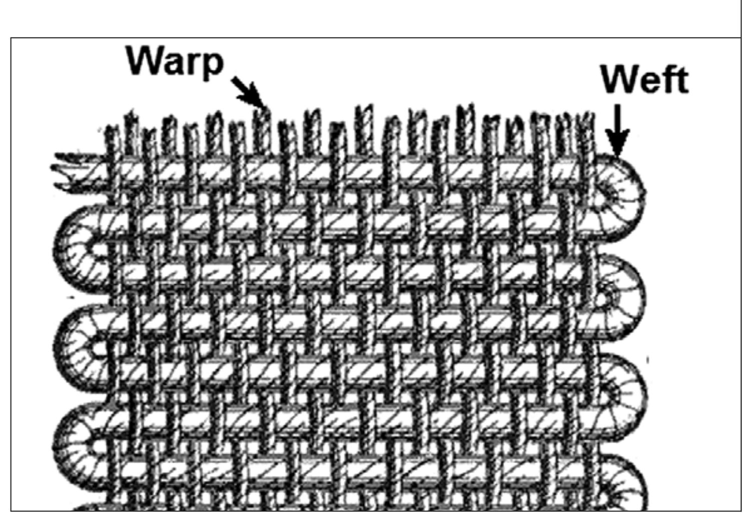

For Dutch group portraiture, class would have been immediately indicated to the viewer by dress and activity. Middle-class people wanted to be painted as moral hard-workers, while the new aristocrats would be portrayed in acts of luxury like talking or playing music. In *Beware of Luxury*, the modest house and plain clothing of its inhabitants indicate this is a middle-class family. Yet, the adults talk and strum instruments, while children play with pearls and glassware, activities that symbolize the leisure of an aristocratic family. By including contrasting symbols of different classes, Jan Steen may be mocking burghers who gain a little wealth and abandon their moral work. His subjects, indulging in good times and small riches, ignore their impending doom.

Beware of Luxury

#JAN STEEN

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

This house is having the time of its life. The music is playing. The wine is poured. Jan Steen called this "Beware of Luxury." One person here is looking right at you. She is smiling like you are already invited in. And nothing here looks dangerous yet.

Look at the man running this house. He is grinning glass in hand, and one of the other men has a duck on his shoulder. Nobody here is actually in charge and because of that, the children get busy.

That child is not admiring the cabinet. They are helping themselves. And the little one found the pearls. The dog found the table. The pig found the flowers on the floor. A monkey is playing with the clock. Time itself, being wasted by a monkey.

The floor says everything, cards, a hat, pretzels, an overturned jug. Someone here is actually paying attention. She leans in to warn the man beside her. In her hand, roses, a warning dressed in flower.

He keeps reading his book. He misses the whole room. The woman of the house is asleep. Not resting. Gone. Steen left his warning down in the corner. Beware in times of plenty.

The children are not the problem here. They show us what happens when adults stop watching. This house is not falling apart later. It is falling apart now. And she never stopped smiling at you. The kids learned this from someone. What are yours picking up from you?

Beware of Luxury (in Dutch, In weelde siet toe), also known as Die verkehrte Welt (The Upside-Down World), is a 1663 oil painting by the Dutch painter Jan Steen, now in the Kunsthistorisches Museum in Vienna.

The painting depicts a disorderly household given over to licentious or improper behaviour. The rowdy merrymakers are arranged in an inverted triangle formation. At its center, a young woman, modeled by Steen's wife, Margriet van Goyen, flirts with the man of the house, smiling flirtatiously at the viewer.

Jan Steen's picture is a comedic distortion of a Dutch family home, and it serves as a warning to viewers of the foolishness and repercussions of living in disorder. As a genre painter who specialized in satirical scenes, Steen painted many works with similar themes, including *As the Old Sing, So Pipe the Young* and *The Effects of Intemperance*.

Like other works by Steen, Beware of Luxury invites the viewer to reflect on the virtues of temperance and the dangers of household disorder. The dog stealing meat from the table is a symbol of greed and excess, and the playing cards scattered across the floor indicate the sin of gambling. The woman's wine over the man's crotch references their sin of erotic desire. The two Quakers in the back may represent a biblical warning to the other members of the painting.

In the hanging basket, bad omens threaten to fall on the household, including a crutch, a sword, and a set of clappers that would signal illness like leprosy. The playing card, more prominent in Steen's similar painting *The Dissolute Household* (ca. 1663-1664) may be the unlucky jack of spades. The moral of the work is clear: sinners must expect penalty.

Another saying is brought to mind by the pig nuzzling the rose. The phrase "throwing roses before swine" is a Biblical expression referring to wasteful or useless acts. The monkey stopping the clock reminds us of the saying, "Time is forgotten in folly." A "quacking" duck represents incoherent chatter. The duck on the man's shoulder most likely relates to his talk being pointless banter in which they have decided to ignore the mayhem around them.

> Steen used himself and his family as models for many of his comic portraits. His own comic persona drinks, blows bagpipes, and carouses irreverently. Although some viewers might not have recognized the artist, many painting sales at that time were conducted face-to-face, so, the artist's face in these farcical scenes would have been part of the joke. Later biographers often mistook Steen's fictional self-portraits for accurate portrayals of his life, leading to a common perception of Steen as a drunken ne'er-do-well. In this painting, Steen is the grinning man in the brown jacket. The woman in the center is his first wife, Margriet van Goyen. According to one biographer, she disliked that Steen often portrayed her as a "loose woman," though she willingly modeled for many such portraits during her lifetime. Jan Steen was known for his humorous and satirical paintings of "dissolute households," which often mocked the excesses of the rising Dutch bourgeoisie.

The lemon, half-unpeeled, was a very common symbol in Dutch paintings. In part, it may represent the Republic's trade victories over Spain, while the sweet appearance of a sour lemon also contributes to the painting's theme of temptation.

For Dutch group portraiture, class would have been immediately indicated to the viewer by dress and activity. Middle-class people wanted to be painted as moral hard-workers, while the new aristocrats would be portrayed in acts of luxury like talking or playing music. In *Beware of Luxury*, the modest house and plain clothing of its inhabitants indicate this is a middle-class family. Yet, the adults talk and strum instruments, while children play with pearls and glassware, activities that symbolize the leisure of an aristocratic family. By including contrasting symbols of different classes, Jan Steen may be mocking burghers who gain a little wealth and abandon their moral work. His subjects, indulging in good times and small riches, ignore their impending doom.

Steen used himself and his family as models for many of his comic portraits. His own comic persona drinks, blows bagpipes, and carouses irreverently. Although some viewers might not have recognized the artist, many painting sales at that time were conducted face-to-face, so, the artist's face in these farcical scenes would have been part of the joke. Later biographers often mistook Steen's fictional self-portraits for accurate portrayals of his life, leading to a common perception of Steen as a drunken ne'er-do-well. In this painting, Steen is the grinning man in the brown jacket. The woman in the center is his first wife, Margriet van Goyen. According to one biographer, she disliked that Steen often portrayed her as a "loose woman," though she willingly modeled for many such portraits during her lifetime. Jan Steen was known for his humorous and satirical paintings of "dissolute households," which often mocked the excesses of the rising Dutch bourgeoisie. In the 17th century, trade created economic prosperity and class mobility in the Dutch Republic. Many middle-class families suddenly accrued new wealth; some purchased aristocratic titles and rose up the social ranks, while others became successful urban burghers. Household portraits, to show off a family's new luxuries and power, were commonplace. Steen himself painted several portraits of these nouveau riche, perhaps providing inspiration for his satire. He deliberately inverted the tropes of painters like Pieter de Hooch, twisting familial scenes into warnings against the effects of intemperance.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SALT

The Underground Elephants of Mount Elgon

When the animals find mineral-rich earth or rock, they can scrape, break and consume it. This behaviour is known as geophagy

In 1980, Kenya's Mount Elgon was home to one of nature's strangest sights. Deep inside enormous caves carved into the mountain's slopes, elephants were disappearing underground. These were not mythical creatures or elephants seeking shelter from predators. They were wild African elephants entering the darkness of the mountain, and venturing surprisingly deep into the caves.

At first, the behaviour seemed almost impossible to explain. Why would an animal that normally spends its days moving through forests and grasslands deliberately enter a dark, dangerous cave? The answer lies in an unusual combination of geology and an elephant's appetite for minerals.

A Mountain Made of Salt

Mount Elgon is an ancient volcanic mountain on the Kenya-Uganda border. Its unusual geology has created extensive caves within its slopes. Inside some of these caves are deposits of mineral-rich rock, including salts and other minerals that elephants need in their diet. Elephants are herbivores. Most of their food comes from plants, leaves, grasses, bark, roots and other vegetation. But plants do not always provide everything an elephant needs.

In heavily weathered tropical soils, minerals can be washed away by rain. This process, known as leaching, can leave vegetation and soils relatively poor in certain minerals. For an elephant, that can create

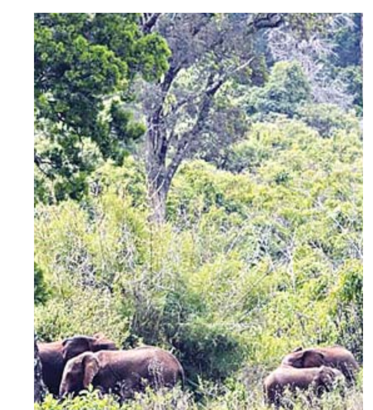

a problem. It may have plenty of food but still need additional minerals, particularly sodium. So, the elephants go looking.

The Search for Salt

An elephant's trunk and enormous teeth make it remarkably well equipped for this task.

When the animals find mineral-rich earth or rock, they can scrape, break and consume it. This behaviour is known as geophagy, the deliberate eating of soil or other geological material. At Mount Elgon, the mineral deposits are inside caves. And that means the elephants have to go underground to reach them. They enter the caves, sometimes travelling deep into the darkness, using their tusks and trunks to break pieces from the walls. The caves effectively become enormous natural mineral larders. What looks like bizarre behaviour is therefore a nutritional strategy.

Why Go So Deep?

The remarkable part is not simply that elephants eat minerals. It is how far they are willing to go to obtain them. Elephants are enormous animals, yet, they can navigate narrow, dark passages inside Mount Elgon. Over generations, their repeated movements have even contributed to enlarging some of the cave passages.

The sight is extraordinary: an elephant slowly disappearing into a mountain, following a route that seems completely unnatural for such a huge animal. But from the elephant's perspective, the cave contains something valuable. It contains minerals that may be difficult to obtain elsewhere.

Nature's Underground Pantry

The elephants of Mount Elgon demonstrate an important lesson about wildlife. Animals don't always behave in ways that make immediate sense to humans. What appears mysterious can become logical once we understand the animal's environment. The elephants aren't entering the caves because they have lost their way. They're going there because the mountain has something they need.

Deep beneath the forest, the volcanic rock provides a source of minerals. The elephants provide the muscle and determination to reach it. So, in one of Kenya's most extraordinary natural spectacles, an ancient mountain and one of Earth's largest land animals have created an unlikely relationship.

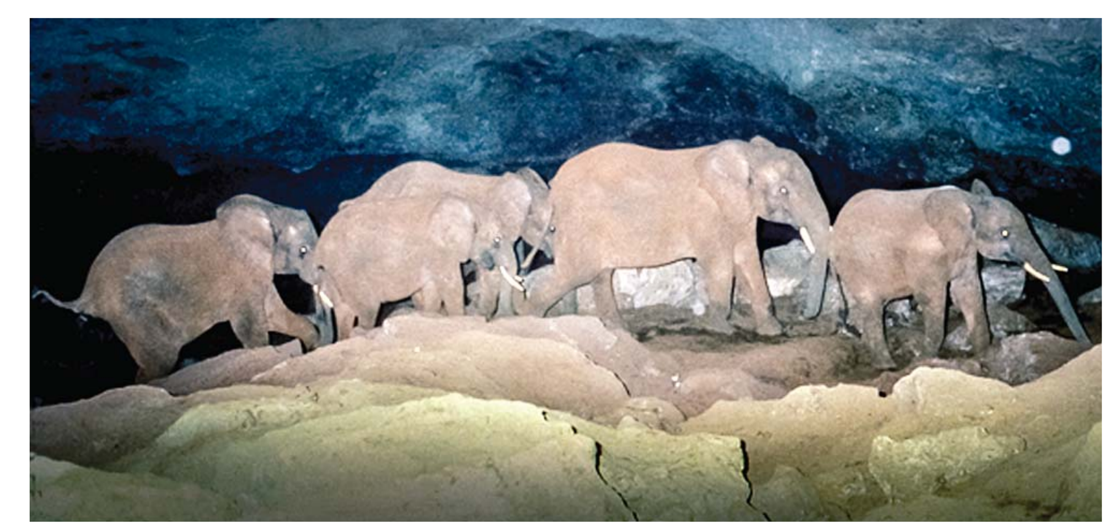

THE WALL

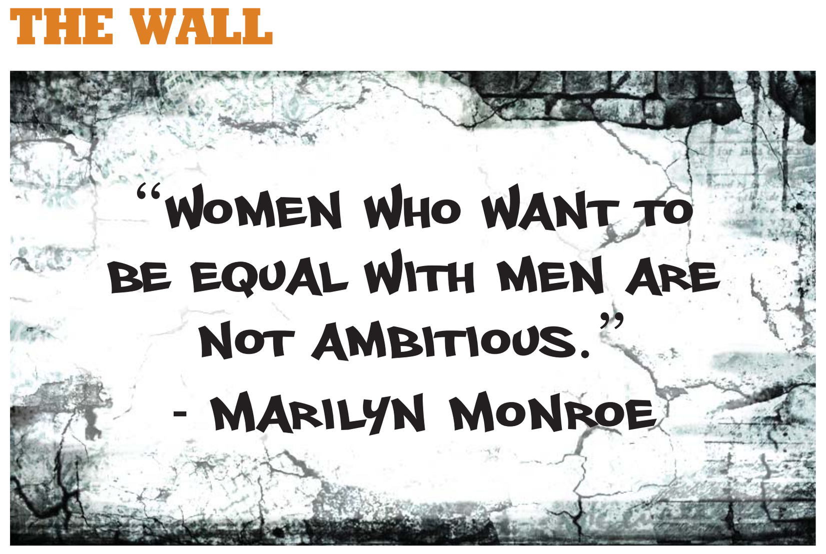

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

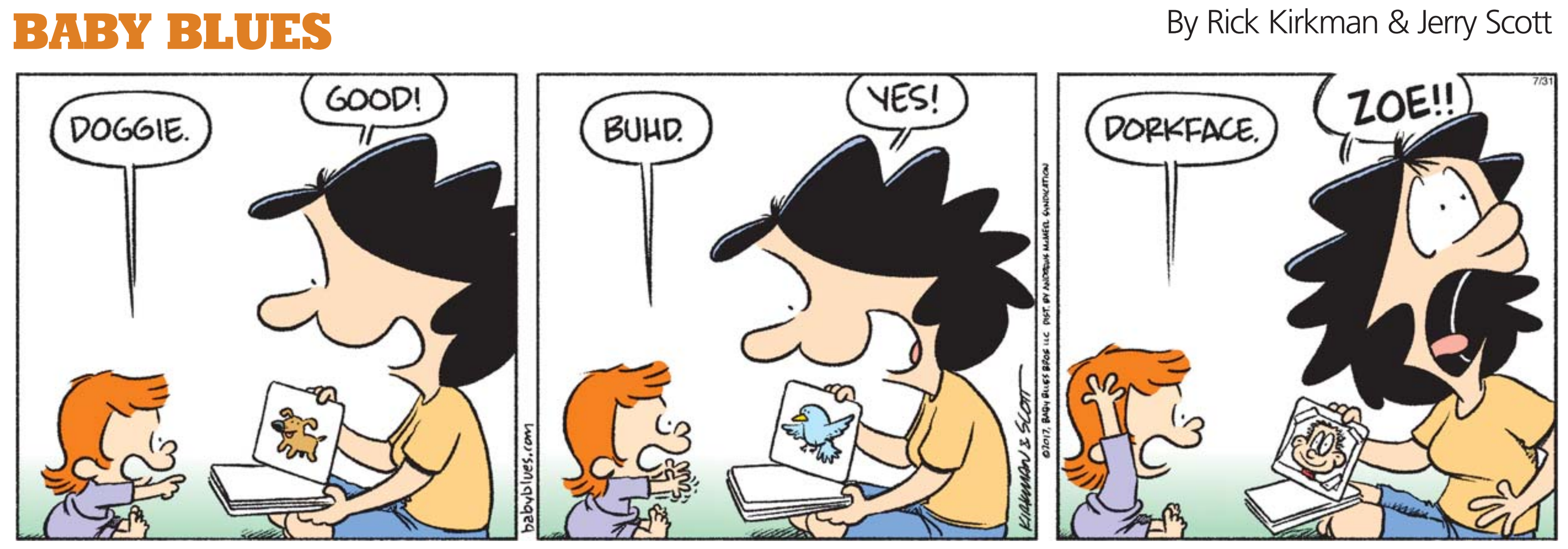

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

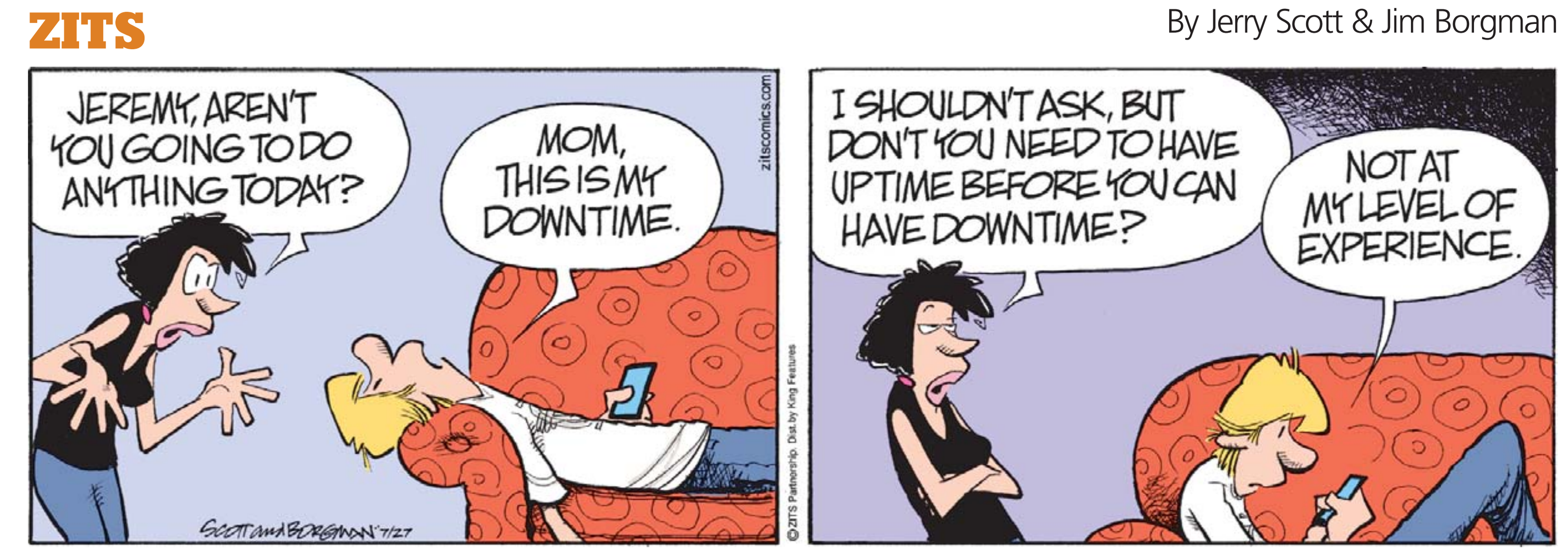

निवाई में नकली घी की पैकेजिंग यूनिट पर दबिश, आरोपी गिरफ्तार

मौके से एक लाख की नकदी व अन्य पैकेजिंग सामग्री जप्त, यूनिट को सीज किया

निवाई/टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में चलाये गये विशेष अभियान के तहत जिला स्पेशल टीम ने कार्रवाई करते हुए निवाई के रीको औद्योगिक क्षेत्र में नामी ब्रांड्स के नाम पर नकली घी की पैकेजिंग करने वाली यूनिट पर दबिश देकर फर्जी नाम का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में नकली पैकेजिंग सामग्री, टीन, रैपर और प्रिंटिंग उपकरण बरामद किए तथा यूनिट को सीज कर दिया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी अमन जैन (30) पुत्र पदमचंद जैन, निवासी जमात निवाई को मौके से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक लाख रुपए नकद और एक कार भी जप्त किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी यूनिट में सरस, अमूल, मधुसूदन, कृष्णा और महावन सहित अन्य ब्रांड्स के नाम से पैकेजिंग सामग्री तैयार कर रहा था। पुलिस के अनुसार राजस्थान के जयपुर, अजमेर, कोटा, भीलवाड़ा, ब्यावर और टोंक सहित कई जिलों में नकली घी की सप्लाई का नेटवर्क होने की आशंका है। पुलिस ने करीब 20 हजार 15-लीटर क्षमता वाले फर्जी टीन, पीपे, सरस घी के 50 हजार, कृष्णा के 60 हजार और महावन घी के 40 हजार नकली पैकिंग रैपर सहित अन्य सामग्री बरामद की है। इसके अलावा अमूल प्योर घी के 5 किलो वाले करीब 5 हजार फर्जी लेबल लगे डिब्बे और मधुसूदन के नकली रैपर लगे टीन भी मिले। इस दौरान 700 कलर फ्रेम, आईएसआई मार्क 10325 नंबर की डाई व स्टेपर तथा पैकिंग मशीन भी जब्त की गई।

जिला स्पेशल टीम मौके से नकली पैकेजिंग सामग्री, टीन, रैपर और प्रिंटिंग उपकरण बरामद किए।

- **जांच में सामने आया कि आरोपी यूनिट में सरस, अमूल, मधुसूदन, कृष्णा और महावन सहित अन्य ब्रांड्स के नाम से पैकेजिंग सामग्री तैयार कर रहा था**

पुलिस ने बताया कि मामले में धोखाधड़ी, खाद्य पदार्थों में मिलावट और कॉपीराइट सहित संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। जांच के बाद ही सामने आयेगा कि नकली पैकेजिंग के जरिए तैयार उत्पाद किन व्यापारियों, दुकानों और सप्लायर्स तक पहुंचाया जा रहा था। पुलिस इस नेटवर्क में जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

विकसित भारत-जन सेवा अभियान-2026

शिविर में बावड़ी की कसुंबी कंवर की वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत हुई

जयपुर/जोधपुर। जोधपुर के सेखाला में विकसित भारत जन-सेवा अभियान के तहत आयोजित शिविर में आने वाले हर व्यक्ति की अपनी जरूरत थी। किसी के लिए पेंशन की स्वीकृति जरूरी थी, किसी के लिए खेती से जुड़ी मदद थी। बावड़ी की कसुंबी कंवर और सेखाला के किसान भौम राम भी इसी उम्मीद के साथ शिविर का हिस्सा बने। शिविर समाप्त होने से पहले दोनों के पास अपनी-अपनी जरूरत से जुड़ी सरकारी सहायता थी।

कसुंबी कंवर पत्नी बाबू सिंह के लिए यह दिन विशेष रहा। शिविर में उनकी वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत हुई और हाथों-हाथ उन्हें पेंशन भुगतान आदेश प्रदान किया गया। कुसुंबी कंवर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि उम्र के इस पड़ाव पर नियमित आर्थिक सहायता उनके लिए रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण सहारा बनेगी। पेंशन का आदेश उनके हाथों में था, लेकिन उसके साथ जुड़ा भरोसा इससे कहीं बड़ा था।

- **सेखाला के किसान भौम राम भी उम्मीद के साथ शिविर का हिस्सा बने**

इसी शिविर में भौम राम पुत्र मोड़ा राम के प्रयासों को भी सफलता का रंग मिला। वे बताते हैं कि खेती ही उनके जीवन और आजीविका का आधार है। वे चाहते थे कि अपनी खेती के तरीके को बदलकर आर्थिक रूप से अधिक सक्षम हो सकें। उसके पास विकल्प था कि वे बदलती कृषि परिस्थितियों के बीच प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाएं। कैम्प में आवेदन करने पर कृषि विभाग ने उन्हें राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 4 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। ये 4 हजार रूपये बहुत छोटी राशि है लेकिन बड़े उद्देश्य की ओर सार्थक छलांग के लिए सरकार और समाज की स्वीकृति, समर्थन का संकेत है। राज्य सरकार की इस सहायता से भौम राम के प्राकृतिक खेती अपनाने के प्रयासों को आर्थिक आधार मिला। साथ ही गांव के अन्य किसानों को भी इस पद्धति की ओर आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलेगा।

विकसित भारत-जन सेवा अभियान 2026 इसी सोच के साथ राजस्थान के गाँवों और शहरों में योजनाओं एवं नागरिक सेवाओं की पहुँच को मजबूत करने का माध्यम बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के समन्वय से पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने तथा सेवाओं को अधिक सुगम बनाने पर जोर दिया जा रहा है। सेखाला में आयोजित विकसित भारत-जन सेवा अभियान शिविर को केवल दो स्वीकृतियों से नहीं देखा जा सकता। एक तरफ सामाजिक सुरक्षा की जरूरत थी, दूसरी तरफ आजीविका को नए तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिश। सरकारी व्यवस्था ने दोनों परिस्थितियों को उनकी जरूरत के अनुसार संबोधित किया।

मतदाता सूची में नाम नहीं, मामला हाईकोर्ट पहुंचा

लालसोट, (निसं)। लाडपुरा में कमलेश मीणा का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं होने का मामला अब प्रशासनिक स्तर से निकलकर राजस्थान हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार कमलेश मीणा ने दावा किया है कि उनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, मूल निवास प्रमाणपत्र, जमाबंदी, जनआधार कार्ड और मकान से जुड़े दस्तावेज मौजूद हैं। इसके बावजूद लाडपुरा की मतदाता सूची में उनका नाम दर्ज नहीं होने पर उन्होंने आपत्ति जताई है। कमलेश मीणा ने अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए मतदाता सूची में नाम जोड़ने की मांग की। वहीं लालसोट एसडीएम विजेंद्र मीणा के अनुसार कमलेश और उनके परिवार के नाम लंबे समय से मतदाता सूची में दर्ज हैं और वहीं मतदान भी करते रहे हैं। प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया कि दस्तावेजों की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मामले में संबंधित निर्वाचन अधिकारी के आदेश के बाद अपील की गई और प्रकरण दोबारा निर्वाचन अधिकारी के समक्ष भेजा गया।

फुलेरा में पानी की समस्या

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा की जनता के लिए पानी अब रोजमर्रा की सुविधा नहीं, इंतजार का विषय बन गया है। सात से आठ दिन के अंतराल में पानी की सप्लाई हो रही है। नल खुलते ही लोग पानी भरने में जुट जाते हैं और पानी बंद होते ही अगली सप्लाई का इंतजार शुरू हो जाता है। गौरतलब है कि नगर पालिका के चुनाव भी हो गए, नए जनप्रतिनिधि भी चुन लिए गए, लेकिन जनता की प्यास का मुद्दा अभी भी वहीं खड़ा है। चुनाव के दौरान जनता के बीच पहुंचकर समस्याएं सुनने का दौर चलता रहा, मगर अब चुनावी शोर थम चुका है और फुलेरा के नलों में पानी का इंतजार फिर लंबा हो गया है।

पुष्कर पशु मेले की तैयारियां जोरों पर

अजमेर/पुष्कर, (कासं)। आगामी नवंबर माह में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध पुष्कर पशु मेले की तैयारियों को लेकर पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को मेला स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का जायजा लेते हुए पशुपालकों, पशुओं और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए प्रस्तावित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान सभी तैयारियां मेले से पूर्व पूरी करने पर जोर दिया गया।

पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि मेला मैदान में नई सड़क के निर्माण के कारण पशुओं एवं पशुपालकों के लिए निर्धारित भूखंडों के नक्शे में आवश्यक संशोधन किया जा रहा है। संशोधित नक्शे के आधार पर मेला क्षेत्र में भूखंड आवंटन सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित किया जाएगा, ताकि मेले में आने वाले पशुपालकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला मैदान के स्वरूप, आवागमन मार्ग, पशुओं के लिए निर्धारित स्थान, विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

भीलवाड़ा में झोलाछाप के गलत इंजेक्शन से युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। स्वास्थ्य विभाग की सुस्त कार्यशैली और अवैध रूप से प्रैक्टिस कर रहे झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही के कारण क्षेत्र में एक और दुखद हादसा सामने आया है। मामूली बुखार के इलाज के नाम पर दिए गए कथित गलत इंजेक्शन के कारण 21 वर्षीय युवक सूरजनाथ की मौत हो गई। इस घटना के बाद से बड़लियास कस्बे और आसपास के इलाके में भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़लियास निवासी सूरजनाथ (21) पुत्र शिवनाथ योगी को सोमवार शाम हल्का बुखार आया था। परिजन उसे कस्बे में ही स्थित एक तथाकथित बंगाली डॉक्टर के पास ले गए, जहां उसे एक इंजेक्शन लगाया गया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगते ही सूरज की तबीयत बिगड़ने लगी।

हालत नाजुक होने पर परिजन तुरंत उसे जिला चिकित्सालय लेकर भागे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार जिला

मृतक युवक

चिकित्सालय की मोर्चरी के बाहर एकत्र हो गए। मृतक के परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया। भाजपा नेता दिलीप सिंह और परिजनों ने प्रशासन के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं जिनमें पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, क्षेत्र में 24 घंटे सरकारी चिकित्सक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और अवैध नीम-हकीमों पर तुरंत कार्रवाई हो। ग्रामीणों का कहना है कि रात में

- **मामूली बुखार के इलाज के नाम पर दिया था कथित गलत इंजेक्शन**
- **पुलिस ने आरोपी बंगाली डॉक्टर को हिरासत में लिया, पूछताछ जारी**

चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में उन्हें मजबूरी में ऐसे क्लीनिकों का रुख करना पड़ता है। घटना की सूचना मिलते ही बड़लियास थाना प्रभारी जसवंत सिंह पुलिस जाप्ते के साथ मोर्चरी पहुंचे और ग्रामीणों को शांत कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी बंगाली डॉक्टर को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। चिकित्सकीय कारणों और मौत की सही वजह की पुष्टि पोस्टमार्टम व मेडिकल जांच रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। समाचार लिखे जाने तक मांगों को लेकर परिजनों के विरोध के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था।

नाबालिग बालक को किया रेस्क्यू

कोटा, (निसं)। रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत रेलवे स्टेशन पर अकेले घूम रहे 14 वर्षीय नाबालिग बालक को रेसक्यू कर चाईल्ड लाईन को सौंपा। बालक घर से नाराज होकर बिना बताए दिल्ली से कोटा आ गया था। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने यह जानकारी दी।

आरटीओ व एआरटीओ प्रशासन ने पीड़ित महिला को न्याय दिलाया

कानपुर। आरटीओ कार्यालय में मंगलवार को अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता की एक मिसाल देखने को मिली। वाहन ट्रांसफर कराने आई एक महिला और उनके भाई के साथ बिचौलिए द्वारा अभद्रता और विवाद करने की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। अधिकारियों ने न केवल स्थिति को संभाला, बल्कि पीड़िता की समस्या का समाधान कराया।

- **महिला और भाई के साथ बिचौलिए द्वारा अभद्रता की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यवाही की**
- **अधिकारियों ने पीड़िता को चालान जमा करने व बीमा प्रदूषण प्रमाण पत्र बनवाने का मार्गदर्शन दिया**

कानपुर देहात के बनी गाँव की रहने वाली अंकिता तिवारी ने अपने भाई अमित तिवारी के साथ आरटीओ कार्यालय पहुँची और बताया कि दो

कानपुर में आरटीओ प्रशासन राकेन्द्र कुमार सिंह और एआरटीओ प्रशासन कहकशां खातून ने पीड़िता और उनके भाई से जानकारी ली।

महीने पहले उन्होंने एक बिचौलिए को कागजात सौंपे थे, जिसने काम अटका रखा था। जब उन्होंने अपने दस्तावेज वापस मांगे, तो बिचौलिए ने बहस व धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इस दौरान कार्यालय की एक सतर्क महिला कर्मचारी (बाबू) ने बिना अपनी परवाह किए आगे आकर तुरंत बचाव किया और अधिकारियों को सूचित किया। हंगामे की जानकारी मिलते ही आरटीओ प्रशासन राकेन्द्र कुमार सिंह और एआरटीओ प्रशासन कहकशां खातून तुरंत मौके पर पहुँची उन्होंने पीड़िता और उनके भाई को ढांढस बँधाया और प्राथमिकता के आधार पर उनकी फाइल मंगवाई। फाइलों की तुरंत जाँच कराने पर पता चला कि गाड़ी पर पुराना चालान बकाया था और प्रदूषण प्रमाणपत्र लंबित था, जिसकी सही जानकारी बिचौलिए ने आवेदिका से छिपाई थी। अधिकारियों ने पारदर्शी प्रक्रिया समझाते हुए पीड़िता को चालान जमा करने व बीमा प्रदूषण प्रमाण पत्र बनवाने का सही मार्गदर्शन दिया और संबंधित बाबू को निर्देश दिए कि औपचारिकताएं पूरी होते ही काम प्राथमिकता पर पूरा किया जाए।

आरटीओ प्रशासन द्वारा 24 अगस्त को चलाए गए विशेष अभियान के बाद से परिसर में बिचौलियों पर नकेल कसी गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और अधिकारियों के लगातार सरप्राइज चेकिंग अभियानों के चलते आम जनता अब बिना किसी डर के अपने काम सीधे खिड़की पर जाकर करा रही है। अधिकारियों ने दोहराया है कि जनता की सुविधा और सुरक्षा विभाग की पहली प्राथमिकता है और किसी भी तरह की धोखाधड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

केमिकल फैक्टरी आगजनी मामला : फरार फैक्टरी मालिक ने किया सरेण्डर

जोधपुर, (कासं))। बासनी औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक कॉलोनी स्थित एक केमिकल फैक्टरी में बुधवार शाम को हुई आगजनी की घटना में फरार चल रहे फैक्टरी मालिक राजेंद्र अग्रवाल ने सुबह बासनी थाने में सरेण्डर कर दिया। गिरफ्तारी के बाद फैक्टरी मालिक राजेंद्र अग्रवाल को पुलिस ने दोपहर में कोर्ट में पेश किया।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि आरोपी राजेंद्र अग्रवाल ने सुबह बासनी थाने में खुद को पेश किया था। वह बुधवार को घटना के बाद से ही फरार था। उसके सरेण्डर किए जाने पर गिरफ्तार कर लिया गया और दोपहर में कोर्ट में पेश किया गया। उससे घटना और अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ की जाएगी। उसके पुत्र स्पर्श को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मामले चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया की तरफ से बासनी थाने में केस दर्ज कराया गया था। गौरतलब है कि इस आगजनी में तीन फायर फाइटरों की मौत हो चुकी है। 14 लोग इस आगजनी में झुलस गए थे, जिनमें 13 फायर फाइटर है। छह फायर फाइटरों को गुरूवार को ग्रीन कोरिडोर कर जयपुर भेजा गया था। जिनका जयपुर में उपचार चल रहा है। वहीं जोधपुर में भर्ती एक और की हालत गंभीर बनी है। इस हादसे में प्रीतेश प्रजापत, सुरेंद्र एवं प्रदीप का निधन हो गया था। सुरेंद्र एवं प्रदीप की सोमवार को जोधपुर एमजीएच में मौत हो गई थी।

- **सरेण्डर किए जाने पर फैक्टरी मालिक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया**

तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस व जिला विशेष टीम कोटा ग्रामीण ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 6 ग्राम 60 मिलीग्राम स्मैक सहित तस्कर लक्ष्मीनारायण (56) को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी पवन कुमार मय टीम तथा जिला विशेष टीम कोटा ग्रामीण ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए डेरु माताजी मन्दिर के पीछे जंगली बम्बुल के पास ग्राम हिंगी में एक बाइक सवार व्यक्ति पर संदेह होने पर उसे रोककर डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो तलाशी के दौरान उसके पास से 6 ग्राम 60 मिलीग्राम स्मैक बरामद की गई।

अजमेर में सीआरपीएफ जवान से मारपीट और लूट के चार आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। अजमेर पुलिस ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान से मारपीट, अपहरण और लूट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 25 सितंबर की रात मदद के बहाने जवान को जनाना अस्पताल बुलाया और सफेद रंग की स्विफ्ट कार में बैठाकर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर की स्विफ्ट कार भी जब्त की है।

- **आरोपियों ने 25 सितंबर की रात मरीज की मदद के बहाने जवान को जनाना अस्पताल बुलाया और मारपीट की थी**
- **आरोपियों ने जवान के मोबाइल से बैंक खातों से 89 हजार अलग-अलग खातों में स्थानांतरित करवाए थे**

अजमेर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जनाना रोड निवासी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान किशोर कुमार को 25 सितंबर की रात करीब 10 बजे मोबाइल एप पर संदेश आया था। संदेश में अस्पताल में एक मरीज को मदद की जरूरत बताई गई थी। संदेश मिलने के बाद जवान जनाना अस्पताल पहुंचा। अस्पताल में उसे एक युवक सफेद रंग की स्विफ्ट कार में मिला। युवक ने जवान से कहा कि मरीज आगे है और उसे कार से वहां ले जाना है। जवान उसके साथ कार में बैठ गया। इसके

पुलिस ने चारों आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

बाद युवक के तीन अन्य साथी भी कार में सवार हो गए। कार में बैठने के बाद आरोपियों ने जवान के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसके कपड़े उतरवाकर आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो को सामाजिक माध्यमों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के समूह में प्रसारित करने की धमकी दी गई।

आरोपियों ने जवान को कार में नीचे मुंह करवाकर बैठा दिया और करीब दो घंटे तक शहर में घुमाते रहे। इस दौरान उसे लगातार धमकाया गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने धमकी देकर जवान के मोबाइल से बैंकिंग एप और यूपीआई के माध्यम से 89 हजार रुपये अलग-अलग खातों में स्थानांतरित करवाए। रकम स्थानांतरित करवाने के बाद आरोपियों ने जवान का सिम कार्ड निकाल लिया। इसके बाद उसे मोबाइल और बाइक के पास छोड़कर मौके से फरार हो गए।

मामले की रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर की स्विफ्ट कार भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों से लूटी गई रकम की बरामदगी तथा वारदात में उनकी भूमिका को लेकर पूछताछ की जा रही है।

भारतमाला-हाइवे पर उतरे सेना के हेलिकॉप्टर

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से करीब 80 किलोमीटर दूर राजस्थान का रेगिस्तानी इलाका भारतीय सेना के हेलिकॉप्टरों से थर्रा उठा। बीकानेर में दंतौर के पास भारतमाला नेशनल हाइवे-911 के निर्धारित हिस्से पर भारतीय सेना की एविएशन यूनिट ने हेलिकॉप्टर लैंडिंग और टेकऑफ का अभ्यास किया। हाइवे को करीब आधे घंटे के लिए सैन्य रनवे में तब्दील कर दिया गया, जहां सेना के रुद्र, ध्रुव और चेतक हेलिकॉप्टरों ने हाइवे पर निर्धारित स्ट्रेच में लैंडिंग और टेकऑफ ड्रिल की। भारतमाला हाइवे पर लैंडिंग करने पहुंचे।

- **इंडियन आर्मी के अनुसार, यह एक ड्रिल थी**

इंडियन आर्मी के अनुसार, यह एक ड्रिल थी, जिसमें आपातकालीन स्थितियों में हाइवे पर लैंडिंग और टेकऑफ को परखना था। रेगिस्तानी इलाके में आयोजित इस अभ्यास के दौरान पायलटों ने सीमित और निर्धारित लैंडिंग स्पेस में हेलिकॉप्टर संचालन की प्रक्रियाओं का अभ्यास किया। छत्तरगढ़ थानाधिकारी सुरेंद्र बारुपाल ने बताया कि करीब आधा घंटे तक चले इस ड्रिल के दौरान दोनों तरफ से रास्ता बंद रखा गया था। सेना की ओर से यह ड्रिल की गई थी।

मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्त में

आरोपी ने ई-रिक्शा की लोन की किश्त जमा करवाने के लिए चोरी की थी

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी इलाके में मकान का ताला तोड़कर सामान व नकदी चोरी के दर्ज मामले में रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपी से चोरी का माल बरामद किया एवं चोरी की घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा को जब्त किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वीनी गौतम ने बताया कि 27 सितम्बर को फरियादी विशाल ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि डीजे का कार्य करता है, डीजे का सामान रखने हेतु कैलाशपुरी में किराये पर मकान ले रखा है। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि ई-रिक्शा से एक व्यक्ति आया और मकान का ताला तोड़कर लैपटॉप व चार्जर व डीजे मिक्सर एवं आठ हजार रूपये नगद राशि ले गया जो कि कैमरे की रिकॉर्डिंग में साफ ले जाता हुआ नजर आया है।

शहर एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले का खुलासा करने के लिये रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी

गिरफ्तार आरोपी।

रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर संदिग्ध की पहचान की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का संकलन व मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना नान्ता के मोहन लाल सुखाड़िया योजना निवासी अतीक मोहम्मद उर्फ अज्जू (33) को डिटेन कर चोरी के प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी के पास से चोरी गया माल

- **पुलिस ने चोरी की वारदात में प्रयुक्त ई-रिक्शा व चोरी का माल जब्त किया**

बरामद करने में सफलता हासिल की है, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपी से पूछताछ व अनुसंधान में सामने आया कि आरोपी अतीक मोहम्मद उर्फ अज्जू ने एक ई-रिक्शा लोन पर खरीदा था जिसकी किश्ते समय पर जमा नहीं करवा पाने से किश्ते बाकि हो गई थी आरोपी ने लोन की किश्त जमा करवाने के लिए चोरी की थी। आरोपी अतीक मोहम्मद उर्फ अज्जू ने रात्रि के समय ई-रिक्शा से घटनास्थल पर पहुंचकर मकान का ताला तोड़ा तथा अंदर रखे सामान लैपटॉप, डीजे मिक्सर एवं नकदी को चोरी कर ले गया था। मुल्जिम अतीक मोहम्मद उर्फ अज्जू चोरी किये गये डीजे के सामानों को बेचकर लोन की किश्तें जमा करवाना चाहता था।

सड़क हादसे में महिला की मौत व पति घायल

टोंक। निवाई थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे 52 पर गुंसी के पास मंगलवार को टिपर ने स्कूटी सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में आशा देवी की मौके पर ही मौत हो गई तथा उनके पति गिरिराज प्रसाद सैन गंभीर घायल हो गए। उन्हें निवाई उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसे के दौरान गिरिराज प्रसाद सैन जो उनकी पत्नी आशा देवी को स्कूटी पर बैठाकर गुंसी से निवाई की ओर आ रहे थे, इसी दौरान टिपर की तेज टक्कर के बाद स्कूटी पर सवार दोनो घायल हो गये।

जिसके बाद सूचना पर पंहुची पुलिस ने मृतका के शव को निवाई उपजिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। वही स्कूटी व टिपर को निवाई सदर थाना परिसर में खड़ा किया गया है। टिपर चालक अशोक को भी हादसे में चोटें आई हैं। परिजनो ने बताया कि गिरिराज प्रसाद सैन जयपुर में हेयर सैलून पर काम करते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बनास हाई लेवल ब्रिज पर पहुंच कलेक्टर टीना ने विस्तृत जानकारी ली

बनास नदी गहलोद पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित 3.340 किलोमीटर लम्बे पुल का जिला कलेक्टर टीना डाबी ने मंगलवार को निरीक्षण किया।

- सीआरआईएफ योजनान्तर्गत 134.74 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित राजस्थान का सबसे लम्बा ब्रिज

टोंक। बनास नदी गहलोद पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित 3.340 किलोमीटर लम्बे पुल का जिला कलेक्टर टीना डाबी ने मंगलवार को निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने ब्रिज में एप्रोच व ब्रिज के मुख्य भाग पर रूककर ब्रिज बनाते समय अपनाई गई तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियन्ता जितेन्द्र जांगिड ने बताया कि ब्रिज व एप्रोच की कुल लम्बाई 3.340 किलोमीटर में से मुख्य ब्रिज दो किलोमीटर की लम्बाई में बनाया गया है, जिसमें 40-40 मीटर के 50 स्पान द्वारा तैयार किया गया है। ब्रिज के दोनों ओर एप्रोच की कुल लम्बाई 1.340 किलोमीटर है, जिसके लिए भूमि अधिगृहण की गई थी। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियन्ता माधव कुमार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ज्ञान चन्द जैन, कनिष्ठ अभियन्ता तरूणा गुर्जर व तारा चन्द आदि उपस्थित रहे। अधिशाषी अभियन्ता ने बताया कि ब्रिज की डिजाईन 243 टन क्षमता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। ब्रिज की गुणवत्ता एवं निर्धारित भार वहन क्षमता की जांच के लिए लॉड टेस्ट का कार्य भी पूर्ण करवाया जा चुका है। इस दौरान ब्रिज पर लोड टेस्टिंग के दौरान सम्पूर्ण आवागमन को बन्द रखते हुए निर्धारित तकनीकी प्रक्रिया के अनुसार परीक्षण किया गया। लोड टेस्टिंग के दौरान प्रत्येक घंटे डिफ्लेक्शन की निगरानी एवं माप दर्ज किया गया था। सहायक अभियन्ता माधव कुमार ने बताया कि लोड टेस्टिंग की प्रक्रिया को पांच स्टेज में की गई।

प्रत्येक स्टेज में ब्रिज पर निर्धारित तकनीकी प्रक्रिया के अनुसार डिफ्लेक्शन की निगरानी एवं माप दर्ज किया गया था। इस दौरान भार लगाए जाने के बाद एवं भार हटाए जाने के पश्चात प्रत्येक घंटे में होने वाली रिकवरी का परीक्षण किया गया। निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार 85 प्रतिशत या उससे अधिक रिकवरी प्राप्त होना सन्तोषजनक परिणाम माना जाता है और उक्त प्रक्रिया में इस ब्रिज की 92 प्रतिशत प्राप्त होने पर भार की संरचनात्मक कार्य प्रणाली सन्तोषजनक पाई गई।

सार-समाचार

सफाई कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुरक्षा का पाठ, 97 की हुई जांच

फुलेरा। उप जिला चिकित्सालय फुलेरा में सफाई कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों को कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, व्यक्तिगत स्वच्छता, संक्रमण से बचाव तथा स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में जानकारी दी गई।डॉ. मनोज बियानी ने सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण देते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा एवं स्वच्छता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस दौरान कुल 97 सफाई कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 45 महिलाएं और 52 पुरुष शामिल रहे। कर्मचारियों की खून एवं बीपी की जांच भी की गई।इस अवसर पर उपजिला चिकित्सा प्रभारी धर्मेंद्र भामू, नवनियुक्त पालिका अध्यक्ष राजू दाधीच, पालिका उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत, पार्षद ताराचंद सैनी, पार्षद प्रतिनिधि मुकेश पारीक, पालिका एएसआई राकेश तथा एमआईएस इंजीनियर कृष्णा वाधवानी सहित सचिन तंबोली, विनोद कुमार तथा अन्य सफाई सेवक मौजूद रहे।

श्री ज्वाला मैया की पदयात्रा 18 को

फुलेरा। श्रीराम नगर स्थित वार्ड नंबर 10 के चमत्कारेश्वर मंदिर परिसर में श्री ज्वाला मैया जोबनेर के लिए आयोजित होने वाली 16वीं भव्य एवं विशाल पदयात्रा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बाबूलाल अजमेरा की अध्यक्षता में हुई बैठक में आगामी 18 अक्टूबर, सप्तमी नवरात्र को प्रस्तावित पदयात्रा की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में पदयात्रा को भव्य रूप देने, श्रद्धालुओं की सहभागिता और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया। श्रद्धालुओं ने पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आ ान किया। इस दौरान हितेंद्र अजमेरा, बलराम सैनी, गुलाबचंद कुमावत, ओमप्रकाश पारीक, संतोष स्वामी, सोहन बागड़ी, सत्यनारायण सैनी, राहुल सैनी, निरंजन, शुभम सैनी, राधेश्याम सैनी, जतिन सैनी, नेनिक अजमेरा, महेंद्र सैनी, शंकर सैनी, राजेंद्र कुमार धवन, नंदकिशोर वर्मा, देवकीनंदन साहू, किशन कुमार कुवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

एडीजी रूपिंदर सिंघ ने ली पुलिस अधिकारियों की बैठक

टोंक। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस राज. जयपुर व आर्म्ड बटालियन्स रूपिन्दर सिंघ मंगलवार को देवली पहुंचे, जहां पुलिस जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद नगर पालिका सभागार में पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग की समीक्षा हुई। इस दौरान रूपिंदर सिघं ने अधिकारियों को लंबित मामलों के जल्द निपटारे और अपराधों की रोकथाम के निर्देश मिले। वही साइबर अपराध और एनडीपीएस एक्ट के मामलों पर जोर दिया गया। इन पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए तथा आमजन को बेहतर पुलिसिंग देने के भी निर्देश मिले। पुलिस व्यवस्था को असरदार बनाने, जांच में तेजी लाने और शिकायतों को प्राथमिकता से हल करने पर भी चर्चा हुई। गोष्ठी में अजमेर रेंज के महानिरीक्षक डॉ. रवि, टोंक एसपी रोशन मीना और सभी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी मौजूद थे।

गर्वित शर्मा का राज्य स्तर पर चयन

निवाई। 70वीं जिला स्तरीय तीरंदाजी क्रीडा प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चतुर्भुजपुरा के छात्र गर्वित शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय पहुंचने पर गर्वित शर्मा का प्रधानाचार्य कृतिका शर्मा ने माला पहनकर स्वागत किया। पीटीआई सिकंदर खान ने बताया की जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर गर्वित शर्मा जिला हनुमानगढ़ में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगा। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ भी मौजूद था। इस उपलब्धि पर चतुर्भुजपुरा में हर्ष का माहौल व्याप्त है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बालक की मौत

लालसोट। दौसा-कोथून नेशनल हाईवे पर लाखनपुर मोड के पास मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसे में 13 वर्षीय अरबाज की मौत हो गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें अरबाज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके 62 वर्षीय दादा हाफिज गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर लालसोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया । लालसोट थाना एएसआई रविन्द्र सिंह ने बताया कि हादसे में क्षितठास्त मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके से थाने लाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया

चुनाव को लेकर सभी अधिकारी व प्रकोष्ठ प्रभारी रहे सजग - टीना डाबी

निवाई। उपखंड अधिकारी कार्यालय में पंचायतराज के चुनाव 2026 को लेकर जिला निर्वाचनधिकारी व जिला कलेक्टर टीना डाबी ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। जिला निर्वाचनधिकारी व जिला कलेक्टर टीना डाबी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि पंचायतराज चुनाव 2026 को लेकर सभी अधिकारी व प्रकोष्ठ प्रभारी सजग रहे एवं अपने कार्यालयों में उपस्थित रहें। इस दौरान जिला कलेक्टर ने मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करने, संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी एवं रोशनी की उपलब्धता जानने एवं व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह, तहसीलदार सृष्टि जैन, चुनाव प्रभारी अमित शर्मा, नायब तहसीलदार रामकेश मीणा, रेंजर धारीलाल बैरवा व चित्रांश माथूर सहित कईअधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

काचरोदा में बदहाल सड़कें, गंदगी से ग्रामीणों में आक्रोश

फुलेरा । ग्राम पंचायत काचरोदा क्षेत्र में बदहाल सडकें, गंदगी और अधूरे पडे निर्माण कार्यों को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र की सडकों पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने के साथ कई स्थानों पर गंदा पानी और कचरा जमा है। ठाामीणों का आरोप है कि लंबे समय से समस्याओं की शिकायत के बावजूद जिम्मेदारों की ओर से स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। ढाणी नागान एवं स्कूल की ढाणी से राजस्व ठााम श्याम नगर तक करीब 30 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत सड़क का निर्माण भी अधूरा पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार जून में सड़क की खुदाई कर दी गई थी, लेकिन इसके बाद काम आगे नहीं बढा। बारिश के दौरान कीचड़ और गड्ढों के कारण आवागमन और मुश्किल हो जाता है। वहीं सफाई व्यवस्था को लेकर भी ग्रामीणों में नाराजगी है। जगह-जगह गंदगी और गंदा पानी जमा होने से दुर्गंध तथा मच्छरों की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में नियमित सफाई कराने की मांग की है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को लेकर ठाामीणों ने कुछ दावे भी किए हैं, हालांकि इनकी विभागीय पुष्टि नहीं हुई है । पंचायत स्तर पर समस्याओं का समाधान नहीं होने को लेकर महिलाओं ने भी नाराजगी जताई। महिलाओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि पांच साल में हमने सरपंच को देखा तक नहीं, सामने आ जाएं तो पहचान भी नहीं पाएंगे। ठाामीणों का कहना है कि सड़क, सफाई और मूलभूत सुविधाओं की बदहाली अब गंभीर मुद्दा बन चुकी है। आगामी पंचायत चुनाव के मद्देनजर ग्रामीणों की नाराजगी को स्थानीय मुद्दों से जोड़कर देखा जा रहा है। ऐसे में बदहाल सड़कें, अधूरे निर्माण और सफाई व्यवस्था जैसे मुद्दे चुनाव में कितना असर डालते हैं, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

पावटा-प्रागपुरा में कांग्रेस के नवनिर्वाचित बोर्ड का जश्न

पावटा। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका में कांठोस पार्टी का बोर्ड बनने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष मीना देवी पत्नी अजय सैनी एवं उपाध्यक्ष सोमवती मीणा पत्नी जगदीश मीणा सहित पार्षदों के स्वागत और विजय उत्सव को लेकर कांठोस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

नवनिर्वाचित बोर्ड के सम्मान में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं आमजन के शामिल होने की उम्मीद है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों के निर्वाचन के उपरांत 30 सितंबर को स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 4:15 बजे नवोदय कट से चंद्रा कृषि फार्म, शिव मंदिर, पावटा तक आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विराटनगर एवं जिला कांग्रेस कमेटी कोटपूतली-बहरोड़ के अध्यक्ष इंद्राज गुर्जर होंगे। आयोजन को लेकर कांठोस कार्यकर्ताओं की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। वहीं 1 अक्टूबर को कांठोस की ओर से भव्य विजय जुलूस निकाला जाएगा। विजय जुलूस सुबह 10 बजे पावटा बस स्टैंड से रवाना होकर मुख्य बाजार होते हुए सुभाष चौक, प्रागपुरा तक पहुंचेगा।

जुलूस में नवनिर्वाचित अध्यक्ष मीना देवी, उपाध्यक्ष सोमवती मीणा सहित निर्वाचित पार्षद, कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल होंगे। नगरपालिका बोर्ड के गठन के बाद आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है।

आयोजकों ने पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के स्वागत एवं विजय उत्सव की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

बिजली-पानी के पेंडिंग केस निपटाने, बेटियों का ड्रॉपआउट रोकने के आदेश

कलेक्टर अतुल प्रकाश ने मंगलवार को सचिवालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक की।

खैरथल। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने मंगलवार को सचिवालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक सहित अलग-अलग जिला स्तरीय समितियों की मैराथन बैठकें लीं और अधिकारियों को दो टूक कहाजनता से जुड़ी एक भी फाइल लटका कर मत रखो, समय पर निपटाओ। जिससे आमजन के बीच संदेश अच्छा जाएं।

बैठक में कलेक्टर ने सिविल एमिनिटीज से जुड़े कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। विशेष रूप से बिजली -पानी , नगर निकाय, परिवहन विभाग को कहा कि परिवादियों से बात कर निचले स्तर पर ही समाधान करो ताकि ऑटो एस्केलेशन रेट कम हो। बैठक में कलेक्टर ने जिले के लिंगानुपात में हर साल 2 प्रतिशत सुधार का लक्ष्य दिया। पुलिस और सीएमएचओको संयुक्त रूप से डिकॉय ऑपरेशन चलाकर अवैध भ्रूण लिंग जांच करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। बालिकाओं के स्कूल ड्रॉपआउट को रोकने के लिए अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें स्कूल भेजने को कहा। लाडो प्रोत्साहन योजना में पात्र आवेदनों को तुरंत निपटाने और बिना कारण अस्वीकृत नहीं करने के निर्देश दिए महिला समाधान समिति में घरेलू हिंसा के मामलों में पहले काउंसलिंग से निस्तारण और फिर नियमानुसार एफआईआरके निर्देश दिए। वन स्टॉप सेंटर के भवन निर्माण को उच्च स्तर पर समन्वय कर जल्द पूरा करने को कहा। पर्यावरण बैठक मे पौधारोपण लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश कृषि, उद्यानिकी, नगर परिषद भिवाड़ी, शिक्षा, रीको को दिए। बैठक में खनन विभाग का अधिकारी अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मोर पक्षी संरक्षण और एनजीटी के निर्देशों की पालना के भी निर्देश दिए।

टेलीकॉम कंपनियों को के तहत ऐप से अनुमति लेने, खुदाई के दौरान सेफ्टी साइन लगाने और सेफ्टी सर्टिफिकेट कार्यालय में जमा कराने के निर्देश दिए।

सभी नगर पालिकाओं को ऐप पर रजिस्ट्रेशन करने को कहा। टीकाकरण का कवरेज बढ़ाने और अभिभावकों को जागरूक करने के निर्देश दिए। वहीं जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में जल जीवन मिशन के तहत की संख्या बढ़ाने, वित्तीय क्लोजर और सुजलाम भारत ऐप पर जियोटैगिंग पूरी करने के निर्देश दिए।

'गलत खान-पान से बढ़ रही हैं बीमारियां'

मनोहरपुर । ताला के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रिज़वान अहमद ने कहा कि विश्व हृदय दिवस हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर में हृदय रोगों (दिल की बीमारियों), उनके जोखिमों और बचाव के उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

इसकी शुरुआत विश्व हृदय महासंघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर वर्ष 2000 में की थी।आज के समय में गलत खान-पान, शारीरिक निष्क्रियता और तनाव के कारण दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जिनसे समय रहते सावधानी बरतकर बचा जा सकता है। विश्व हृदय दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को दिल की सेहत के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देना है ताकि हृदय रोगों से होने वाली मौतों को कम किया जा सके। इस अवसर पर ताला के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रिजवान अहमद ने कहा - "आज हार्ट अटैक केवल बुजुर्गों की बीमारी नहीं रही। युवाओं में भी इसके मामले बढ़े हैं।

दिल को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार लें, रोजाना 30 मिनट सैर या योग करें, तनाव से दूर रहें और नशे से तौबा करें।

सुरक्षा के सवाल पर फूटा कर्मचारियों का आक्रोश

- दूदू कार्यालय पर कर्मचारी-श्रमिकों का जोरदार प्रदर्शन

दूदू । जल योजनाओं को चलाने वाले कर्मचारी और श्रमिक यदि स्वयं ही असुरक्षित हों तो विभागीय व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कर्मचारियों एवं जनता जल योजना के श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था में कथित गंभीर लापरवाही के विरोध में आज राजस्थान वाटर वर्क्स कर्मचारी संघ उपखंड दूदू के बैनर तले उपखंड कार्यालय दूदू पर जोरदार विरोध प्रदर्शन एवं धरना दिया गया।

संघ के उपखंड अध्यक्ष मंगल चंद बुनकर ने अपने पत्रांक 17-26 दिनांक 25-09-2026 के माध्यम से अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जिला ठाामीण खंड तृतीय दूदू एवं सहायक अभियंता दूदू को पूर्व में ही नोटिस देकर कर्मचारियों एवं जनता जल योजना के श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जताई थी तथा 29 सितम्बर को विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी थी।

नोटिस के बावजूद जब कर्मचारी एवं श्रमिक आज बड़ी संख्या में कार्यालय पहुंचे तो सहायक अभियंता नरेश बैरवा कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। कर्मचारियों का आरोप था कि उन्हें इस संबंध में कोई सूचना भी नहीं दी गई। इससे कर्मचारियों का आक्रोश भड़क गया और उन्होंने विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए धरना शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सुरक्षा व्यवस्था कोई औपचारिकता नहीं बल्कि कर्मचारियों और श्रमिकों के जीवन का सवाल है। जल योजनाओं पर असुरक्षित विद्युत पैनल स्टार्टर मोटर एवं अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं के बीच कार्य करने वाले कार्मिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने दो टूक कहा कि विभाग हादसे का इंतजार नहीं कर सकता। पहले सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी उसके बाद ही कर्मचारी चैन की सांस ले पाएंगे। कर्मचारियों के लगातार विरोध और अधिकारियों के नहीं आने तक धरना जारी रखने के निर्णय के बाद मामला गंभीर होता देख अधिशाषी अभियंता कालूराम मीणा दूदू कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कर्मचारी प्रतिनिधियों एवं श्रमिकों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कर्मचारियों ने सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दे अधिशाषी अभियंता के समक्ष रखते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

नियमित सफाई व्यवस्था में ढिलाई बर्दाश्त नहीं : चेयरमैन

सांभरझील, (निसं)। चेयरमैन पवन कुमार मोदी ने सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप नगर को स्वच्छ सुंदर बनाए रखने के लिए सांभर के अनेक वार्डो का भ्रमण कर हकीकत को जांचा। इस दौरान चेयरमैन ने आज वार्ड नं. 2 का दोरा किया तथा आमजन से भी रूबरू हुए। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा सफाई व्यवस्था, मुख्य मार्गो, सार्वजनिक स्थलों, नालियों एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर किये जा रहे साफ-सफाई कार्यों का जायजा लिया गया। संबंधित जमादारों, सफाई कर्मचारियों व कार्यवाहक सफाई निरीक्षक को नियमित रूप से सफाई कार्य करवाने तथा वार्डों में स्वच्छतता व्यवस्था बनाऐ रखने तथा वार्ड में नाली रिपेयरिंग व सहायक अभियन्ता हरिश बंशिया को नाली कॉसिंग हेतु फेरोकवर लगाने के निर्देश दिये।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था को प्राथमिकता से लिया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिशाषी अधिकारी ने भी संबंधित कार्मिकों को सफाई कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान जमादार व कार्यवाहक सफाई निरीक्षक, कर्मचारियों मौजूदगी रही।

पटाखा बिक्री पर आवश्यक गाइडलाइन जारी

- आगामी दीपावली त्योहार को देखते हुए क्षेत्र में वायु और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अपर्णा गुप्ता ने आदेश जारी किया है।

कोटपूतली। आगामी दीपावली त्योहार को देखते हुए क्षेत्र में वायु और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने और अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के लिए जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अपर्णा गुप्ता ने आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दीपावली त्योहार पर पटाखों की बिक्री एवं सुरक्षा के कड़े इंतजाम और विशेष सतर्कता रखना बेहद आवश्यक है। इसके तहत जिले में कानून व्यवस्था और सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

आदेश के अनुसार, कोटपूतली, पावटा और विराटनगर तहसील क्षेत्र में पटाखों की बिक्री के लिए अस्थायी लाइसेंस जारी करने हेतु संबंधित उपखंड मजिस्ट्रेटों को अधिकृत किया गया है। संशोधित एक्सप्लोसिव रूल्स 2008 के नियमों के तहत आवेदन पत्र प्राप्त होने और निर्धारित शुल्क जमा कराने पर, पात्रता के आधार पर अधिकतम 15 दिनों के लिए ही ये अस्थायी लाइसेंस जारी किए जा सकेंगे। प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि पटाखों की बिक्री के लिए केवल खुले मैदानों और ऐसे स्थानों का चयन किया जाए जो घनी आबादी से दूर हों। इन चुनिंदा स्थलों के आसपास किसी भी प्रकार की फसल का ढेर या अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ जमा नहीं होना चाहिए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर ने सड़कों और रास्तों पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से पटाखा दुकानें लगाने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। त्योहारों के सीजन में सड़कों पर लगने वाली अस्थायी दुकानों के कारण अक्सर दमकल वाहनों को दुर्घटना स्थल तक पहुंचने में बाधा आती है, इसलिए उपखंड मजिस्ट्रेट, पुलिस और नगर निकाय की संयुक्त टीमें ऐसे अवैध अतिक्रमणों को समय रहते हटाएंगी।

चौमूं में गूंजा गायक सुनील लोधी का भक्ति सुर

- 'हनुमान अंश' मूवी के गायक सुनील लोधी के चौमूं आगमन पर संगीत प्रेमियों में उत्साह नजर आया

चौमूं। शहर में मंगलवार को भक्ति और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। हाल ही में रिलीज हुई 'हनुमान अंश' मूवी के लोकप्रिय गायक सुनील लोधी के चौमूं आगमन पर संगीत प्रेमियों और उनके प्रशंसकों में खासा उत्साह नजर आया। आयोजित भजन प्रस्तुति कार्यक्रम में सुनील लोधी ने अपनी मधुर आवाज से माहौल को भक्तिमय कर दिया। उनके भजनों पर मौजूद लोग भाव-विभोर नजर आए। कार्यक्रम के दौरान सुनील लोधी ने स्थानीय नागरिकों और प्रशंसकों से सीधा संवाद भी किया। प्रशंसकों में उनके साथ सेल्फी लेने को लेकर खास उत्साह रहा।

बड़ी संख्या में लोगों ने लोकप्रिय गायक के साथ यादगार तस्वीरें खिंचवाईं। इसके बाद थाना मोड़ चौराहे के पास आयोजित विशेष मिलन समारोह में भी सुनील लोधी का स्वागत किया गया।

यहां उन्होंने प्रशंसकों से मुलाकात की और संगीत से जुड़े अनुभव साझा किए। उनके चौमूं पहुंचने की खबर के बाद कार्यक्रम स्थल पर संगीत प्रेमियों की भीड़ जुटी रही। इस अवसर पर 'भरोसे की ' मुहिम की भी शुरुआत की गई। गौरतलब है कि चौमूं में स्थित न्यू देव श्री टेलीकॉम की ओर से शुरू की गई इस पहल के माध्यम से लोगों से जुड़ने और आपसी विश्वास के संदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम आयोजक संदीप गुप्ता ने बताया कि आयोजन को लेकर शहरवासियों और सुनील लोधी के प्रशंसकों में पहले से ही उत्साह था, जो कार्यक्रम के दौरान नजर भी आया।

श्री राम कुटिया के आचार्य पंडित महेश शास्त्री, चौमूं एसीपी कृष्णराज जांगिड़ और नगर परिषद सभापति आशीष दुसाद, सिंगर आंचल भट्ट, सिंगर हेथविक सिंह सहित गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम से जुड़े पोस्टर का विमोचन किया।

वर्तमान में देश में लोकतंत्र नहीं, मोदी तंत्र : दिनेश सूपा

भरतपुर जिले के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च एवं विरोध प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां दी।

- भाजपा द्वारा चुनाव आयोग के माध्यम से आदर्श आचार संहिता को मनमाने तरिके से करने की निंदा की

भरतपुर (निसं)। पीसीसी के निर्देशानुसार अभी हाल ही में संपन्न हुए निकाय चुनावों को लेकर चुनाव आयोग द्वारा जिस तरीके से धांधलियां, फर्जी बाड़े एवं अनियमितताएं बरती गई हैं। उनके विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सूपा के नेतृत्व में जिले के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च एवं विरोध प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां दी।

पैदल मार्च एवं सभा का संचालन कर रहे जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि पीसीसी के निर्देशानुसार चुनाव मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार कि बर्खास्तगी को लेकर आज राजस्थान के समस्त जिला मुख्यालयों पर यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। भरतपुर में यह विरोध डीसीसी चीफ दिनेश सूपा के नेतृत्व एवं पूर्व विधायक अमर सिंह जाटव के सानिध्य में बिजली घर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकालकर कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार मुर्दाबाद, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करो आदि नारेबाजी की। जिला कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन करने के बाद जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की स्वतंत्र एवं संवैधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग का भाजपा सरकार पूरी तरह दुरुपयोग कर रही है। सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग ने प्रशासन के माध्यम से तमाम तरह के फर्जी बाड़े करवा कर निकाय चुनावों में सत्ता हासिल करने के असफल प्रयास किए हैं। जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा ने स्पष्ट संकेत देते हुए कहा कि अगर सरकार चुनाव आयोग का एवं सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किए बिना आगामी चुनावों को करवाती है, तो हमें पूरा भरोसा है कि जनता द्वारा कांठोस पार्टी को स्पष्ट बहुमत हासिल होगा और सिर्फ इसी डर की वजह से भाजपा सरकार ने इतने लंबे समय तक निकाय एवं पंचायत चुनावों को करवाने में देरी की है। संपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य रूप से शहर अध्यक्ष दयाचंद पचौरी, राजू प्रधान,सतीश सोगरवाल, दीनदयाल जाटव, गजेंद्र पोसवाल, सुगड़ खैरा, रिक्की सिंह,महेश मीणा, झमोली सिंह, मनोज पटेल, सुरेश राजावत, मनोज शर्मा, ज्ञानू जघीना, निरंजन जघीना,रामेश्वर सैनी, रेनू गौरावर, योगेन्द्र डागुर, किशन जायसवाल, केके उपाध्याय, बृजभूषण जाटव, अवधेश शर्मा, हरजीत सांखला, सोनू बहनेरा, नदीम मलिक सहित जिले के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

हार्ट वॉकाथॉन: हृदय स्वास्थ्य का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे रनर्स-वॉकर्स

'हृदय रोगों से बचाव के लिए रोकथाम के साथ समय पर पहचान और उपचार भी जरूरी'

कार्यक्रम में फिटनेस प्रेमियों, रनर्स और वॉकर्स ने उत्साह के साथ भाग लिया।

■ प्रशिक्षण के दौरान कार्डियक इमरजेंसी की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने और जीवन बचाने वाली तकनीकों का प्रशिक्षण दिया

जयपुर। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से नारायणा हॉस्पिटल जयपुर की ओर से हार्ट वॉकाथॉन आयोजित किया गया। 'मेक एवरी चॉइस, ए हार्ट फर्स्ट चॉइस!' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में फिटनेस प्रेमियों, रनर्स और वॉकर्स ने उत्साह के साथ भाग लिया। पिंकसिटी रनर्स और बॉक्स एफएम इस पहल से एसोसिएट्स के रूप में जुडे।

इस कार्यक्रम की शुरुआत नारायणा हॉस्पिटल प्रताप नगर से हुई। वॉकाथॉन से पहले प्रतिभागियों के लिए जुम्बा सेशन आयोजित किया गया, जिसके जरिए शारीरिक सक्रियता और फिटनेस का संदेश दिया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियों को बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट) और सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान कार्डियक इमरजेंसी की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने और जीवन बचाने वाली तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद प्रतिभागियों ने हार्ट वॉकाथॉन में हिस्सा लिया।

नारायणा हॉस्पिटल जयपुर के डायरेक्टर कार्डियोलॉजी डॉ. देवेंद्र श्रीमाल और डायरेक्टर कार्डियक सर्जरी डॉ. सौरभ जायसवाल ने कहा कि हृदय रोगों से बचाव के लिए रोकथाम के साथ समय पर पहचान और उपचार भी जरूरी है। सीने में दर्द, सांस फूलना, असामान्य थकान या अचानक चक्कर आने जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। नियमित स्वास्थ्य जांच और जोखिम कारकों की निगरानी से हृदय संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बीएलएस और सीपीआर का प्रशिक्षण आम लोगों को कार्डियक इमरजेंसी में शुरुआती और महत्वपूर्ण सहायता देने के लिए तैयार करता है।

नारायणा हॉस्पिटल जयपुर एवं मुंबई के डायरेक्टर बलविंदर सिंह वालिया ने कहा कि विश्व हृदय दिवस लोगों को हृदय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का अवसर देता है। सामुदायिक आयोजन स्वास्थ्य और फिटनेस का संदेश आम लोगों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं। इस पहल का उद्देश्य सक्रिय एवं स्वस्थ जीवनशैली के साथ बीएलएस और सीपीआर जैसी जीवनरक्षक तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप कुमार गोयल ने कहा कि स्वस्थ हृदय की दिशा में रोजमर्रा की आदतों में छोटे बदलाव महत्वपूर्ण हैं। नियमित वॉक, शारीरिक गतिविधि, बेहतर खान-पान और पर्याप्त आराम को दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

बैंककर्मी बनकर बुजुर्ग के बैंक खाते से 1.57 लाख निकाले

■ बैंक ऑफ बड़ौदा से फोन आने पर बुजुर्ग को धोखाधड़ी का पता चला

जयपुर। जवाहर नगर थाना इलाके में बैंककर्मी बनकर एक 69 वर्षीय बुजुर्ग से साइबर ठगी का मामला सामने आया है। शातिर ने बैंक कर्मी बनकर बुजुर्ग से उनके बैंक खाते की पूरी जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद अज्ञात आरोपी ने खाते से 1 लाख 57 हजार 500 रुपए निकाल लिए। बैंक ऑफ बड़ौदा की जवाहर नगर शाखा से फोन आने पर बुजुर्ग को खाते में हुई धोखाधड़ी का पता चला।

थानाधिकारी सरला यादव ने बताया कि सिंधी कॉलोनी निवासी 69 वर्षीय बुजुर्ग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पास एक व्यक्ति का फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को बैंक कर्मी बताया और बैंक खाते से संबंधित जानकारी मांगी। बुजुर्ग उसके झांसे में आ गए और आरोपी को अपने बैंक खाते की पूरी डिटेल दे दी।

इसके बाद 26 सितंबर की सुबह करीब 7:30 से 8 बजे के बीच बुजुर्ग के पास बैंक ऑफ बड़ौदा, जवाहर नगर शाखा से फोन आया। बैंक कर्मियों ने उन्हें खाते में फ्रॉड होने की जानकारी दी। इसके बाद बुजुर्ग ने तत्काल अपना बैंक खाता ब्लॉक करवाया और ऑनलाइन साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अज्ञात व्यक्ति ने बुजुर्ग के बैंक खाते से कुल 1,57,500 रुपए की धोखाधड़ी की है। पुलिस अब रकम किन खातों में ट्रांसफर हुई और वारदात में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जानकारी जुटा रही है।

जयपुर में इंडिया एनर्जी वीक 2027 का कर्टन रेजर

जयपुर। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की ओर से ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जीआईटी), जयपुर में इंडिया एनर्जी वीक2027 के समानांतर कर्टन रेजर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जयपुर के विभिन्न कॉलेजों से 380 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बदलावों, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, नवाचार, उद्यिमता और रोजगार के उभरते अवसरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय इंडिया एनर्जी वीक 2027 के कर्टन रेजर से लाइव जोड़ा गया।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्व. श्रीमती राधा देवी पत्नी श्री श्याम लाल तीर्थानी की मृत्यु के पश्चात उनके वारिसान पति श्याम लाल तीर्थानी, पुत्री श्रीमती कशिश केसनानी व श्रीमती सिद्धि वासवानी ने जयपुर नगर चौकड़ी, तोपखाना देश, खज़ाना वालों का रास्ता की पूर्व लाइन में, निकट गली श्री बद्रीनाथ जी के उत्तरी नुक्कड़ पर एक छोटी दुकान पश्चिममुखी (वर्तमान में दुकान नं. A-25) का अपना हिस्सा अपने पुत्र/भाई मेरे अभिभाष्य श्री अजय तीर्थानी के पक्ष में हक त्याग कर दिया है। उक्त संपत्ति व हक त्याग पर किसी व्यक्ति, बैंक या संस्था को कोई आपत्ति हो तो 7 दिन में साक्ष्य सहित संपर्क करें। समयावधि पश्चात कोई दावा मान्य नहीं होगा।
जयपुर (मनोज कुमार वर्मा) एडवोकेट
दिनांक 29/09/2026 मो. नं. 9928981091

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण खुर्शीद अहमद पुत्र श्री अब्दुल हमीद एवं श्रीमती रुकसान पत्नी खुर्शीद अहमद निवासीगण - 129, नाग तलाई, हुडको योजना, सूरजपोल, जयपुर-302003 अपने पुत्र मेहरबान एवं पुत्रवधु फरीन मेरे अभिभाष्यगण के साथ गाली-गलौच एवं मारपीट करते है, मनमर्जी कर रहे है, मेरे अभिभाष्यगण की सेवा-सुश्रुषा नही करते है एवं जिस कारण मेरे अभिभाष्यगण अपने पुत्र मेहरबान एवं पुत्रवधु फरीन को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। भविष्य में कोई भी व्यक्ति मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र एवं पुत्रवधु से किसी भी प्रकार का संव्यवहार करता है तो इसका जिम्मेदार वह स्वंय होगा, मेरे अभिभाष्यगण की इसमें किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।
समीर खान, एडवोकेट, मो.-8503971896

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक 3344 **आम जाहिर सूचना** दि.29.09.2026
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 8/MB/328 इन्दिरा गांधी नगर (जगतपुरा), जयपुर क्षेत्रफल 128.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री भौरीलाल, श्री बिरदीचन्द, श्री छीतर पुत्रान श्री नैन्या जाति मीणा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2069 दिनांक 19.10.2006 जारी किया गया था। खातेदारों श्री भौरीलाल, श्री बिरदीचन्द, श्री छीतर पुत्रान श्री नैन्या जाति मीणा के द्वारा भूखण्ड का मुख्यारनामाआम श्री लल्लुराम यादव पुत्र श्री कालूराम यादव को नियुक्त किया गया। उक्त मुख्यारनामाआम कार्यालय उप पंजीयक सांगानेर प्रथम में दिनांक 30.11.2006 को पंजीबद्ध करवाया गया है। तत्पश्चात मुख्यारनामाआम धारक श्री लल्लुराम यादव पुत्र श्री कालूराम यादव के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती अनीता शर्मा पत्नी श्री महेश भारद्वाज को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 27.02.2007 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती अनीता शर्मा पत्नी श्री महेश भारद्वाज के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती मधु शर्मा पत्नी श्री ललित शर्मा को कर, विक्रय का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर चतुर्थ में दिनांक 22.12.2007 को पंजीबद्ध करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती मधु शर्मा पत्नी श्री ललित शर्मा के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती गुलाब बाई मीना पुत्री श्री कैलाश प्रसाद मीना को कर दिया गया। उक्त विक्रय पत्र को कार्यालय उप पंजीयक जयपुर चतुर्थ से दिनांक 01.02.2021 को पंजीबद्ध करवाया गया। श्रीमती गुलाब बाई मीना पुत्री श्री कैलाश प्रसाद मीना के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में कर भूखण्ड का नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करने का निवेदन किया गया है। उक्त के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ती हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती गुलाब बाई मीना पुत्री श्री कैलाश प्रसाद मीना का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी। सम्पदा प्रबंधक- राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय, जयपुर।

कानोता थाने में तीन अक्टूबर को पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के उद्देश्य से जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल तीन अक्टूबर, शनिवार को पुलिस थाना कानोता में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई का आयोजन सुबह 11.30 से दोपहर 1.30 बजे तक होगा।यह जनसुनवाई में बस्सी सर्किल के कानोता, बस्सी और तुंगा थाना क्षेत्रों से जुड़े परिवादियों की समस्याएं सुनी जाएंगी। पुलिस कमिश्नर संबंधित परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों को सुनेंगे और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। इसके बाद बस्सी सर्किल की अपराध गोष्ठी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें क्षेत्र में अपराध की स्थिति और पुलिस की कार्रवाई की समीक्षा की जाएगी। इस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाना तथा पुलिस और आमजन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है।

अस्पतालों के आसपास खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

जयपुर । प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि जयपुर प्रथम में कांवटिया हॉस्पिटल परिसर तथा जयपुर द्वितीय में बॉम्बे हॉस्पिटल के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं नमूनीकरण किया गया। बारां में मेडिकल कॉलेज के सामने खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान अनुपयुक्त खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई। अलवर के कल्याण हॉस्पिटल एवं शुभम हॉस्पिटल में अवधि-पार आइसक्रीम एवं खराब फल पाए गए, जिन्हें मौके पर नष्ट करवाया गया। वहीं कोटा के एथॉस हॉस्पिटल की कैंटीन में बिना लेबल की ब्रेड नष्ट करवाई गई।

चूरू के सरदारशहर स्थित न्यू लाइफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के पास सिद्धिविनायक मिष्ठान भंडार पर कार्रवाई के दौरान 3 किलोग्राम खराब आलू, 10 किलोग्राम अवधि-पार कोल्ड ड्रिंक एवं 40 किलोग्राम मिठाई, कुल 53 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई। प्रतिष्ठान को सुधार के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया।

इसी प्रकार छोटूलाल राजकीय अस्पताल, सरदारशहर स्थित सरस बूथ नंबर 9 पर अवधि-पार खाद्य सामग्री मिलने पर उसे मौके पर नष्ट करवाया गया तथा सुधार नोटिस की कार्रवाई प्रस्तावित की गई।इसी प्रकार तिजारा जिला अस्पताल के सामने 45 लीटर अवधि-पार कोल्ड ड्रिंक नष्ट करवाई गई।

झुंझुनूं के नवलगढ़ स्थित आभा हॉस्पिटल, टोंक के ओझा हॉस्पिटल तथा बानसूर के राजकीय अस्पताल के पास सुखसागर पवित्र भोजनालय में निरीक्षण एवं नमूनीकरण किया गया।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्र.सं.-26, चौमू, जयपुर महानगर-II
बदरी प्रसाद माली विरूद्ध राधेश्याम व अन्य
वाद बाबत विशिष्ट अनुपालना एवं स्थाई निषेधाज्ञा
बाद सं. 84/2021
बनाम **1.** शम्भु देवी पुत्री स्व. श्री रामनारायण,
2. श्रीमती सुशीला पुत्री स्व. श्री रामनारायण,
3. सुमित्रा देवी पुत्री स्व. श्री रामनारायण जाति महाजन स्थान प्लॉट नं. E-83, केसर कुंज, शास्त्री नगर, जयपुर
वादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 31.10.2026 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद तारीख 19.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। **आज्ञा से**
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्र.सं.-26, जयपुर महानगर द्वितीय चौमू

कार्यालय ग्राम पंचायत बहड़ पंचायत समिति निवाई (टोंक-राज.)
पत्रांक-ग्रा.प.2026-27/32 दिनांक-23/09/2026
आपत्ति आमंत्रण
स्वामित्व योजनान्तर्गत ड्रोन इमेज व सर्वे का आपत्ति पत्रांक स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन की समयावधि में पट्टा वितरण श.प. नियम 1996 के नियम 48 के प्रबन्धन सार 1 माह के आपत्ति नोटिस के सम्बन्ध में सर्व सम्मति को सूचित किया जाता है कि ग्रा.प.बहड़ के राजस्व ग्राम बहड़, खेडा की आबादी भूमि के सीमाज्ञान व ड्रोन सर्वे उपरान्त भारतीय सर्वेक्षण विभाग के MAP 2.0 नक्शे प्राप्त हुए है। प्राप्त ड्रोन इमेज व ग्राम स्तरीय कमेट द्वारा किये गये सर्वे का आमजन के अवलोकन हेतु विभिन्न सदस्यों को ग्रा.प.नोटिस पट्ट आदि स्थानों पर चस्पा व प्रकाशित किया गया जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त नक्शों के आबादी भूमि को सीमा प्रदर्शित प्रोपट्री की माप, क्षेत्रफल प्रोपट्री धारक के तथ्य आदि की किसी प्रकार की अशुद्धि, त्रुटि हो तो अपने आपत्ति मय सम्बन्धित दस्तावेज नोटिस प्रकाशन के 1 माह की अवधि में ग्रा.प. कार्यालय में प्रस्तुत करें, बाद में विवाद आपत्तियों पर विचार विमर्श नहीं किया जायेगा।
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बहड़
पंचायत समिति निवाई (टोंक)

दो दर्जन से अधिक वारदातों का आरोपी नकबजन गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर दक्षिण जिले में चोरी और नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सांगानेर सदर थाना पुलिस ने एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर सूने मकान में हुई चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया शत-प्रतिशत माल, जिसमें नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और घरेलू सामान शामिल है, बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपी पूर्व में भी चोरी और नकबजनी की 24 से अधिक वारदातों में चालानशुदा रहा है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजू उर्फ अर्जुन (27) पुत्र लड्डूलाल शर्मा, निवासी नसिया जी कॉलोनी, थाना देही, जिला बूंदी, हाल खानाबदोश, सांगानेर पुलिया के नीचे, थाना सांगानेर, जयपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की तो उसके कब्जे से वारदात में चोरी किया गया 100 प्रतिशत माल बरामद कर लिया गया। इसमें नकदी, सोने-चांदी के जेवरात और घरेलू सामान शामिल है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके द्वारा पूर्व में की गई अन्य चोरी और नकबजनी की वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के अनुसार राजू उर्फ अर्जुन आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पूर्व में चोरी व नकबजनी के 24 से अधिक मामले दर्ज रहे हैं, जिनमें वह चालानशुदा है। पुलिस अब उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य संभावित वारदातों के संबंध में भी जांच कर रही है।

चेहरे की लकवाग्रस्त नस, सर्जरी से रिकवरी

जयपुर। चेहरे की नस के पूरी तरह लकवाग्रस्त होने यानी ग्रेड 6 फेशियल नर्व पाल्सी और कान की अंदरूनी संरचना में फिस्टुला के कारण लगातार तेज चक्कर से परेशान 55 वर्षीय महिला का सीके बिरला हॉस्पिटल्स, जयपुर में सफलतापूर्वक इलाज किया गया।

अस्पताल के वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ. अमित नाहटा और उनकी टीम ने जटिल सर्जरी कर चेहरे की नस की कार्यक्षमता को सामान्य करने के साथ लगातार हो रहे चक्कर की समस्या को भी समाप्त किया। डॉक्टरों के अनुसार, ग्रेड 6 जैसी गंभीर अवस्था के बाद मरीज का पूरी तरह सामान्य होना दुर्लभ माना जाता है।डॉ. अमित नाहटा ने बताया कि फेशियल नर्व पाल्सी की गंभीरता को आमतौर पर हाउस-ब्रैकमैन ग्रेडिंग से समझा जाता है। इसमें ग्रेड 6 सबसे गंभीर अवस्था है, जिसमें प्रभावित हिस्से में चेहरे की मांसपेशियों की स्वैच्छिक गतिविधि पूरी तरह समाप्त हो जाती है। इससे चेहरा एक तरफ झुक सकता है, आंख पूरी तरह बंद नहीं हो पाती और बोलने, खाने-पीने तथा चेहरे के भाव प्रदर्शित करने में परेशानी हो सकती है। आंख बंद न होने पर उसकी सतह के सूखने और नुकसान का खतरा भी रहता है। मरीज में इसके साथ लैबिरिंथाइन फिस्टुला भी था। इसमें कान के अंदर संतुलन और सुनने से जुड़ी संवेदनशील संरचना में असामान्य छेद बन जाता है।

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्र.सं.-26, चौमू, जयपुर महानगर-II
बदरी प्रसाद माली विरूद्ध राधेश्याम व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या 89/2021
बनाम **1.** सुशीला देवी पुत्री स्व. श्री रामनारायण,
2. सुमित्रा देवी पुत्री स्व. श्री रामनारायण,
3. श्रीमती शम्भु देवी पुत्री स्व. श्री रामनारायण जाति महाजन पता प्लॉट नं. E-83, केसर कुंज, शास्त्री नगर, जयपुर
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 31 माह 10 सन् 2026 को 10.00 am पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 19.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्र.सं.-26, जयपुर महानगर द्वितीय चौमू

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग भरतपुर खण्ड-भरतपुर
राजस्थान सार्वजनिक अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 124 भ 2026 (17)
चूंकि कार्यवाहक अध्यक्ष श्रीमती सीमा पत्नी श्री यदवेन्द्र सिंह सैनी पक्का बाग, बछामदी, भरतपुर (राज.) ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(2) के अन्तर्गत माँ लक्ष्मी विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान बझेरा, भरतपुर (राज.) प्रन्यास के संबंध में जांच दिये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में उपर्युक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिवस के भीतर उक्त जांच के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
नोटस-आज दिनांक 11.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मौहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 16.11.2026 है। **(ओमप्रकाश)**
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, भरतपुर

बैठक आयोजित

जयपुर। सांगानेर थाना परिसर में मंगलवार को स्पेशल पुलिस कमिश्नर जयपुर ओमप्रकाश पासवान की अध्यक्षता में सीएलजी और युवा सीएलजी सदस्यों की बैठक हुई। बैठक में क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, आमजन की सुरक्षा, पुलिस गश्त, नशाखोरी, महिला अपराध, साइबर अपराध और यातायात व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। सीएलजी सदस्यों ने क्षेत्र की जमीनी समस्याएं पुलिस अधिकारियों के सामने रखते हुए पुलिस गश्त बढ़ाने की जरूरत बताई।

बैठक में पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा, सांगानेर सहायक पुलिस आयुक्त दीपक कुमार खंडेलवाल और सांगानेर थानाधिकारी हरबेंदर सिंह सहित सीएलजी व युवा सीएलजी सदस्य मौजूद रहे।

स्पेशल कमिश्नर ओमप्रकाश पासवान ने कहा कि आपात स्थिति में पुलिस की त्वरित सहायता के लिए 112 का इस्तेमाल किया जाए। वहीं साइबर ठगी या ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर बिना देरी किए 1930 साइबर हेल्पलाइन पर सूचना देने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर सूचना मिलने से ठगी की रकम को होल्ड कराने की कार्रवाई में मदद मिल सकती है।

गर्भवती चाची की गला दबाकर हत्या करने वाला गिरफ्तार

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रावत को गिरफ्तार किया।

■ दूसरे से बात करने के शक में वारदात का आरोप

■ फिल्मों से आया शव ठिकाने लगाने का आइडिया

जयपुर। बिंदायका थाना इलाके की प्रेस्टीज गार्डन कॉलोनी में छह माह की गर्भवती महिला की हत्या कर शव मकान के सामने बने लॉन में दफनाने के मामले का पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के बाराबंकी निवासी प्रवेश रावत (22) पुत्र रामू को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतका किरण (32) आरोपी की रिश्ते में चाची लगती थी और दोनों जनवरी से जयपुर में साथ रह रहे थे। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि प्रवेश को किरण के किसी अन्य व्यक्ति से बात करने का शक था। इसी को लेकर विवाद के बाद उसने कथित तौर पर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी ने मकान के सामने लॉन में गड्ढा खोदा और शव को दफना दिया। पुलिस के अनुसार उसने शव के ऊपर नमक भी डाला था। वारदात के बाद मकान पर ताला लगाकर वह सामोद हनुमान मंदिर की यात्रा में शामिल हुआ और बाद में फैक्ट्री में काम करता रहा। 27 सितंबर को मकान से दुर्गंध आने और मिट्टी में महिला का हाथ दिखाई देने पर वारदात का खुलासा हुआ था। पुलिस ने शव बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल भेजा था।

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण के अनुसार शव मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। प्रवेश मोबाइल बंद कर जयपुर से बाहर भाग गया। जांच में पता चला कि 27 सितंबर की सुबह वह फैक्ट्री गया और ठेकेदार से 500 रुपए उधार लिए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी अनुसंधान और मानवीय सूचना के आधार पर उसका पीछा किया। मोबाइल चालू होने पर मिली लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम ने उसे यूपी की ओर जाते समय पकड़ा। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी में बिंदायका थानाधिकारी अनिल जैमिनी के नेतृत्व वाली टीम और आसूचना अधिकारी श्रीराम की भूमिका रही।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि किरण और प्रवेश के बीच संबंध थे। पुलिस के अनुसार प्रवेश जनवरी में किरण को उसके घर से अपने साथ जयपुर ले आया था। दोनों करीब दो माह से प्रेस्टीज गार्डन कॉलोनी के किराए के मकान में रह रहे थे।

खोया पाया
मेरे भूखण्ड संख्या 1024 डॉ. बी.र. अम्बेडकर योजना,आगरा रोड, जयपुर की जविप्रा द्वारा जारी मूल आवंटन पत्र मेरे निवास स्थान से कहीं गुम गया है सूचित करें। महेंद्र कुमार शर्मा मो. 9928785835

नाम परिवर्तन
मैनें अपना नाम नरेन्द्र कुमार से बदल कर नरेन्द्र पुत्र अमोलक दास निवासीः- फ्लैट नं. 163/164, F-1, गायत्री नगर-B, दुर्गापुरा, जयपुर रख लिया है। भविष्य में मुझे नरेन्द्र के नाम से जाना पहचाना जावें।

I Giriraj Singh Rajawat S/O Shanker Singh Rajawat R/O PN 19, Gaytri Nagar, Ajmer Road, Sodala, Jaipur 302006, Rajasthan. I Have Changed my Name Giriraj Rajawat To Giriraj Singh Rajawat, for all future will be known as Giriraj Singh Rajawat.

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में संस्कृत शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

■ राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं के आयोजन और संस्कृत शिक्षा को मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर

जयपुर। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में संस्कृत शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संस्कृत भाषा एवं शिक्षा के संरक्षण,संवर्धन और विभागीय गतिविधियों की प्रगति पर चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि संस्कृत समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर है,जिसे सभी क्षेत्रों में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संस्कृत भाषा में उपलब्ध ताम्रपत्रों का उचित कैटलॉग तैयार कर उनका डिजिटल रूपांतरण करने के निर्देश दिए,ताकि इस ऐतिहासिक सामग्री को सुरक्षित रखते हुए भावी पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाया जा सके।

मुख्य सचिव ने संस्कृत के अध्ययन,अनुसंधान और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। इनमें प्रदेश और देश के प्रमुख विद्वानों एवं विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाए।

मुख्य सचिव ने संस्कृत विद्यालयों में संचालित कार्यक्रमों और पढ़ाए जा रहे विषयों की समीक्षा करते हुए शिक्षा को रोजगार एवं कैरियर के अवसरों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराए जाएं।उन्होंने पीएम विद्यालयों की तर्ज पर प्रधानाचार्यों एवं प्राचार्यों को आमंत्रित कर संस्कृत भाषा पर कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए,ताकि संस्कृत शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों और शिक्षण संस्थानों में रुचि बढ़े तथा इसे मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। बैठक में जगतगुरु रामानंदाचार्य राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु मदन मोहन झा, विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार गुंजन सोनी,संस्कृत शिक्षा विभाग की आयुक्त प्रियंका जोधावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
साधिकार प्रकाशित	Published by Authority

आश्विन, 06, सोमवार, शाके 1948-सितम्बर 28, 2026
Asvina 06, Monday, Saka 1948- September 28, 2026

भाग 6 (ख)
जिला बोर्डों, परिषदों एवं नगर आयोजना संबंधी, विज्ञप्तियां आदि
नगरीय विकास एवं आवासन विभाग
अधिसूचना
जयपुर, सितम्बर 19, 2026
(अन्तर्गत भूमि अर्जन, पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013
(2013 का अधिनियम संख्या 30) की धारा 4 की उप-धारा (1))

संख्या प.2(1)नविवि/मैट्रो/2022/01138 :- राजस्थान के राज्यपाल द्वारा भूमि अर्जन, पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013, जिसे एतस्मिन पश्चात उक्त अधिनियम, 2013 के नाम से निर्देशित किया जायेगा, के तहत राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियम, 2016, जिसे एतस्मिन पश्चात उक्त नियम, 2016 के नाम से निर्देशित किया जायेगा, के प्रावधानानुसार **राजस्थान मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को जयपुर मेट्रो फेज-II (प्रहलादपुरा-टोडी मोड़ कॉरिडोर) का निर्माण किया जाना है।**

उक्त परियोजना हेतु सार्वजनिक प्रयोजनार्थ तहसील सांगानेर, जयपुर एवं रामपुरा डाबड़ी, जिला-जयपुर में निम्नानुसार प्रभावित गाँवों में भूमि अर्जन किया जाना प्रस्तावित है।

क्र. सं.	जिला	तहसील	ग्राम का नाम
1.	जयपुर	सांगानेर	मथुरावाला उर्फ राजपुरा, मानपुरा नांगलिया, बीलवा कलां, बड़ी का बास, सीतारामपुरा उर्फ सीतापुरा, सुखपुरा, श्योपुर, बम्बाला, सांगानेर, खोखावास, सूरजपुरा घाटी, दुर्गापुरा, चैनपुरा, सवाई गेटोर
2.	जयपुर	जयपुर	मानपुरा देहरी (मीनावाला), रामपुरा रूपा, भोजपुरा, भवानी शंकरपुरा, किशनपोल, हथरोई, बस्सी सीतारामपुरा, बीड सरकारी, महापुरा उर्फ कुकरखेड़ा
3.	जयपुर	रामपुरा डाबडी	हरमाड़ा, नींदड़, उदपुरिया

यह अधिसूचना जारी कर उक्त अधिनियम, 2013 की धारा 4 की उप-धारा (1) एवं उक्त नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसरण में उक्त सूची अनुसार प्रभावित क्षेत्र में सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु संबंधित ग्राम पंचायत, नगरपालिका, नगर निगम या अन्य कोई स्थानीय निकाय से सम्पर्क करने एवं उक्त नियम, 2016 के नियम 6 के उप - नियम (8) की पालना सुनिश्चित करने हेतु **नोडल अधिकारी, (कम्पनी मामलात) राजस्थान मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड, जयपुर** को अधिकृत किया जाता है।

उक्त अधिनियम, 2013 की धारा 4 की उप-धारा (6) के अन्तर्गत सामाजिक समाघात निर्धारण करने हेतु **सक्षम प्राधिकारी भूमि अवाप्ति एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर-तृतीय, जयपुर** को अधिकृत किया जाता है।

उक्त अधिनियम, 2013 की धारा 3 के खण्ड (जी) एवं राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक राजकाज रेफरेन्स नम्बर 23351868 दिनांक 10.07.2026 के अन्तर्गत **भूमि अवाप्ति अधिकारी, अतिरिक्त जिला कलक्टर-तृतीय, जयपुर** होंगे।
सामाजिक समाघात निर्धारण उक्त नियम, 2016 के प्रावधानानुसार किया जायेगा। सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रक्रिया निम्नानुसार होगी:-

1. संस्था द्वारा परियोजना हेतु प्रस्तावित भू-अर्जन से प्रभावित व्यक्तियों का विवरण तैयार कर सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रारूप रिपोर्ट तैयार की जावेगी।
2. प्रारूप रिपोर्ट की प्रति प्रभावित क्षेत्र में समुचित स्थान पर प्रदर्शित की जावेगी। तत्पश्चात प्रभावित क्षेत्र में पर्याप्त प्रचार-प्रसार के उपरान्त जनसुनवाई की जावेगी, जिसका कार्यवाही विवरण समुचित रूप से रिकॉर्ड किया जायेगा।
3. जन-सुनवाई के दौरान आए सुझावों/आपत्तियों के समुचित समाघात को शामिल कर सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक समाघात प्रबंधन योजना रिपोर्ट तैयार की जावेगी।
4. सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रक्रिया को इस अधिसूचना की तिथि से प्रारम्भ किया जायेगा एवं अधिकतम 6 माह की अवधि में सम्पूर्ण करवाया जाना आवश्यक है।
5. राज्य सरकार उन समस्त अधिकारीयों को, जिनका इससे सम्बन्ध है, को इलाके में किसी भी भूमि का सर्वे, नाप व लेवल के लिए प्रवेश करने, भूमि के नीचे मिट्टी की जाँच के लिए बोर करने के लिए अधिनियम के अन्तर्गत वर्णित प्रावधानों के अनुसार प्राधिकृत किया जाता है।
6. उक्त अधिनियम, 2013 के अनुसार कोई भी व्यक्ति उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों को पूरा हो जाने के समय तक विनिर्दिष्ट भूमि का सक्षम प्राधिकारी भूमि अवाप्ति एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर-तृतीय, जयपुर की अनुमति के बिना कोई संव्यवहार नहीं करेगा या कोई संव्यवहार कराएगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

सम्पर्क सूत्रः-
सामाजिक समाघात निर्धारण ईकाई
नोडल अधिकारी, (कम्पनी मामलात) राजस्थान मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड, जयपुर
सामाजिक समाघात निर्धारण एजेन्सी
पीडीकोर लिमिटेड, जयपुर
पताः- प्रथम तल, पी.टी.आई. बिल्डिंग, 5-B, झालाना इन्स्टीट्यूसनल ऐरिया, जयपुर-302004
कमलेश शर्मा, मोबाईलः 9799899347
गोरधन राम, मोबाईलः 7597668808

राज्यपाल की आज्ञा से,
रवि विजय,
शासन उप सचिव- प्रथम।
राज.संवाद/सी/26/10962

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज मोहित शर्मा अगले सीजन से टीम के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालते नजर आएंगे। वह मुख्य कोच जहीर खान की अगुवाई वाले सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होंगे। - काशी विश्वनाथन

सीएसके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तेज गेंदबाज मोहित शर्मा को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि उनके इंटरनेशनल करियर की शुरुआत से ही दोनों के बीच मजबूत रिश्ता रहा है और वे आज भी अपने खेल को बेहतर बनाने में एक-दूसरे की मदद करते हैं। रोहित ने कहा कि मुझे लगता है कि हम साथ थे। मेरे ख्याल से इसकी शुरुआत तब हुई जब हम ऑस्ट्रेलिया में खेल रहे थे, या ऑस्ट्रेलिया के बाद जब हम भारत आए। तभी से यह शुरू हुआ, और जब भी यह टीवी पर दिखाया जाता है, हम एक-दूसरे को देखकर हंसते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एशियन गेम्स 2018 में भारत ने 70 पदक जीते, जहां एक बार फिर से एथलेटिक्स सबसे सफल खेल रहा। भारत ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 20 पदक हासिल किया था।

// राजस्थान क्रिकेट संघ की एजीएम आयोजित //

आरसीए कार्यकारिणी चुनावों के लिये हुआ मतदान, परिणाम पर रोक

जाकिर हुसैन

जयपुर, 29 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की एजीएम आज आरसीए अकादमी पर आयोजित की गयी व आरसीए कार्यकारिणी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव व कार्यकारिणी सदस्य चुनावों हेतु आज मतदान संपन्न हुआ। मतदान के सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार न्यायालय में अगली सुनवाई तक आरसीए चुनाव अधिकारी ऐ के पांडे, पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त व पुष्पेंद्र सिंह हाडा (सहायक चुनाव अधिकारी) ने मतपेटी को आरसीए कार्यकारिणी पदों केउम्मीदवारों की उपस्तिथि में पूर्ण रूप से सीलबंद कर सुरक्षित रखने के आदेश दिए।

11 से 12 लोग ऐसे थे, जिनका क्रिकेट से कोई लेना-देना नहीं था, उन्हें एंट्री क्यों : धनंजय

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार धनंजय सिंह ने कहा कि हम सभी के आधार कार्ड की गेट पर जांच के बाद ही एंट्री मिली। सिर्फ जिला क्रिकेट संघ के सदस्यों को अंदर आने दिया गया। मेरा सवाल है कि 11 से 12 लोग ऐसे थे, जिनका क्रिकेट से कोई लेना-देना नहीं था, उन्हें एंट्री क्यों मिली। दूसरा, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा और बालोतरा क्रिकेट संघ के सचिव के वोट पड़ने थे, जो एजीएम में भी आए थे, लेकिन इन्हें वोट ही नहीं दिया। यह बड़ा सवाल है। हमने इलेक्शन कमीशन को भी शिकायत दी है।

डेमोक्रेटिक प्रोसेस से चुनाव हुआ : मोहित

उपाध्यक्ष और सचिव पद के उम्मीदवार मोहित यादव ने कहा कि डेमोक्रेटिक प्रोसेस से चुनाव हुआ है, अच्छा हुआ है। कोर्ट के जरिए जो रिजल्ट आएगा, वो देखा जाएगा। इलेक्शन को हमेश फ्री एंड फेयर होना चाहिए। जो शिकायत थी हमारी, वो इलेक्शन ऑफिसर्स को दी है।

कैबिनेट रैंक के व्यक्ति के आने की जांच हो : आशीष तिवाड़ी

कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार आशीष तिवाड़ी ने कहा कि आरसीए के चुनाव निष्पक्ष रूप से होने चाहिए, लेकिन हमें दुख हुआ। हमने सोचा था कि चुनाव साफ तरीके से होंगे, लेकिन यहां 11 व्यक्ति ऐसे थे, जिनका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं था। एक कैबिनेट रैंक का व्यक्ति भी था, जिसने वोटर्स को प्रभावित किया या नहीं किया, ये जांच का विषय है। हमने इलेक्शन ऑफिसर को रिटन में शिकायत दी है, इसकी जांच होनी चाहिए

3 वोटर ने अपनी इच्छा से वोट नहीं दिया : चुनाव अधिकारी

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव अधिकारी एके पांडे ने बताया- 6 सदस्य की कार्यकारिणी के लिए मतदान प्रक्रिया हुई। कुल 38 मतदाता थे, लेकिन इनमें से 35 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। जबकि तीन मतदाताओं ने अपनी इच्छा से वोट नहीं देने की बात कही है। इसके बाद हमने सभी वोट जिस पेटी में थे, उसे सील पैक कर दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद ही अब परिणाम जारी किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कॉपी पढ़ने पर ही कुछ कहेंगे :चतुर्वेदी

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आरसीए के रिजल्ट पर रोक लगाई है। आदेश की कॉपी आने के बाद उसे पढ़ा जाएगा, उसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

धर्मवीर सिंह शेखावत ने नाम वापस लिया

धनंजय गुट के धर्मवीर सिंह शेखावत ने चुनाव से पहले अपना नाम वापस ले लिया है। उन्होंने सभी सचिव के सामने घोषणा करते हुए कहा- मेरा नामांकन गलती से रह गया था। ऐसे में मैं अब इस चुनावी मुकाबले में शामिल नहीं हूं। ऐसे में अब बृजकिशोर गुट के अरिष्ट सिंघवी का कार्यकारी सदस्य के पद पर निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है।

अभी परिणाम जारी नहीं करेंगे : भास्कर ए. सावंत

आरसीए के प्रशासक भास्कर ए. सावंत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के वकील से बात हुई है। उनका कहना है कि वोटिंग की जाए, लेकिन परिणाम जारी नहीं किया जाए। हालांकि आदेश की कॉपी अभी मैंने नहीं देखी है। इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं है। हाईकोर्ट ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की एडहॉक कमेटी को निलंबित (सस्पेंड) कर दिया था। तब गृह विभाग के सेक्रेटरी (आईएएस) भास्कर ए. सावंत को आरसीए का इंचार्ज नियुक्त किया गया था।

आरसीए पर कोई ग्रहण लगा हुआ है : पराक्रम राठौड़

आरसीए में जारी विवाद और लगातार हो रही घटनाओं पर पराक्रम राठौड़ ने तंज कसते हुए कहा कि आरसीए पर जैसे कोई ग्रहण लगा हुआ है। उन्होंने कहा मुझे तो अब यहां की कुंडली देखनी पड़ेगी कि आखिर हो क्या रहा है। सभी जिला क्रिकेट संघों के पदाधिकारियों को हवन करवाना चाहिए। पता नहीं आरसीए में इस तरह की सनसनीखेज घटनाएं और झगड़े क्यों होते आ रहे हैं। नामांकन वापस इसलिए लिया कि जब ये पैनल कह दिया गया कि ये सरकार का पैनल है, ये पार्टी की तरफ से बनाया हुआ पैनल है। मैं जिस परिवार से आता हूँ, मैंने, मैं जब छोटा बच्चा था, मेरे को याद है मैं निक्कर पहनता था, तब मैं भारतीय जनता पार्टी के हर चुनाव में जाके भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाता था। मैंने खुद ने रात-रात भर लेई बना के और भारतीय जनता पार्टी के कैंडिडेट्स के पोस्टर छापे हैं। तो मेरी जो परवरिश हुई है, वो वैसे हुई है और मेरे को जो ऊपर से आदेश आ जाता है, उसके खिलाफ जाने का मेरे, ना तो मेरे कभी विचार आएगा और ना मैं ऐसा कुछ महिलाओं को जगह मिलनी चाहिए। महिलाओं को जगह मिलनी चाहिए। उसमें ये कहा गया है। देखिए, मैं सिर्फ आरसीए और क्रिकेट की बात नहीं कर रहा। मैं इस बात का पुरजोर समर्थन करता हूँ कि जो हमारे देश की 50 आबादी है, मैं ये मानता हूँ कि आज जहाँ मैं हूँ, उस मेरे को

पहुँचाने में मेरी माताजी और मेरी पत्नी का बहुत बड़ा योगदान है। मैं इस बात को पूरा समर्थन देता हूँ कि महिलाओं को उनका हक ज़रूर मिलना चाहिए। उनकी निष्ठा पे कोई प्रश्नचिन्ह नहीं है। वो बहुत पार्टी के लिए बढ़िया सोचते हैं सारी चीज़ें। मेरी उनसे आज बात हुई। मैंने पूछा, भाई क्या हो रहा? तो उन्होंने ये कहा कि हमारे को किसी ने कहा ही नहीं। तो ये हो सकता है कि कहीं न कहीं कोई कम्युनिकेशन गैप रह गया। उन तक बात पहुँची नहीं। भले हमको कोई कहते, कोई आके हमको एक बार बोलता तो हम पीछे हट जाते। ऐसी कोई बात नहीं। आप लोगों ने क्या चुनाव से पहले दोनों ने कोई चर्चा नहीं की? मैं और धनंजय दोनों का बड़े भाई छोटे भाई का रिश्ता है। और मैं पिछले ढाई साल से धनंजय से नहीं मिला। इसलिए नहीं मिला कि मेरी अंतरात्मा ही अनुमति नहीं दे रही थी। मुझे लगा कि अगले महीने चुनाव होगा । क्योंकि जब भी यह तदर्थ समिति गठित हुई थी, तो उसे 3 महीने में चुनाव कराने का आदेश दिया गया था। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था कि तदर्थ समिति ने कोई चुनाव नहीं कराया, जो उनको जिस उद्देश्य के लिए तदर्थ समितियां बनाई गईं और मैं इसलिए टाल कर रहा था मेरे छोटे भाई से मिलना कि आज तो मैं उसके साथ बैठ रहा हूँ और कल उसके सामने चुनाव लड़ रहा हूँ। ये ऐसा मैं इंसान नहीं हूँ। तो मैंने ये प्रण लिया था कि जब आरसीए का चुनाव खत्म होगा, उसके बाद हम वापस से भाई-भाई मिलेंगे। आशीष भी मेरे छोटे भाई जैसे हैं। मोहित से मेरा इतना ज्यादा परिचय नहीं था। आज मेरा मोहित से बैठ के हमारी बात हुई। वो भी वह एक सच्चे सज्जन, बहुत ही सभ्य और अच्छे इंसान हैं, मैं ये मानता हूँ।

नकवी के खिलाफ एसीसी बोर्ड के 3 सदस्य, बांग्लादेश को मिल सकती है कमान

नई दिल्ली, 29 सितंबर। एशियाई क्रिकेट परिषद में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी का कार्यकाल अप्रैल 2027 के बाद आगे बढ़ने की संभावना फिलहाल कमजोर दिखाई दे रही है। मौजूदा हालात में परिषद के कार्यकारी बोर्ड से उनके कार्यकाल को बढ़ाने के लिए जरूरी समर्थन मिलना मुश्किल बताया जा रहा है। नकवी का मौजूदा कार्यकाल 2 अप्रैल 2027 को पूरा होना तय है।मौजूदा जानकारी के अनुसार, एशियाई क्रिकेट परिषद के कार्यकारी बोर्ड में शामिल 5 पूर्ण सदस्य देशों में से कम से कम 3 और संभवतः 4 देश नकवी के कार्यकाल को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। इन 5 देशों में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। परिषद के अध्यक्ष का पद आम तौर पर पूर्ण सदस्य देशों के बीच हर 2 साल में घूमता है।

इस व्यवस्था के तहत अब बांग्लादेश की बारी है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष तमीम इकबाल के परिषद की जिम्मेदारी संभालने में रुचि रखने की बात सामने आई है। ऐसे में मौजूदा व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए नकवी को सभी प्रमुख सदस्यों का समर्थन हासिल करना जरूरी होगा, जो मौजूदा परिस्थितियों में आसान नहीं माना जा रहा है। कुछ समय से यह चर्चा भी थी कि नकवी अगले वार्षिक आम बैठक तक पद पर बने रह सकते हैं।

आज डाला जाएगा क्वालीफाइंग मुकाबलों का ड्रॉ

ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता

जयपुर,29 सितंबर। राजस्थान के वयम लाम्बा, श्रेयांश चौधरी और सात्विक अग्रवाल भी यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में 1 से 9 अक्टूबर तक होने वाली योनेक्स सनराइज ऑल इंडिया सब जूनियर (अंडर-15 एवं अंडर-17) रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में पदक के लिए दावेदारी पेश करेंगे।

राजस्थान बैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष मनोज दासोत ने बताया कि प्रतियोगिता में लड़कों के अंडर-15 के एकल व युगल में वयम लाम्बा, श्रेयांश चौधरी एकल, युगल व मिश्रित युगल तथा सात्विक अग्रवाल के मुकाबलों में उतरेंगे। इसी आयु वर्ग के लड़कियों के वर्ग में लक्षिता भारद्वाज एवं पदमजा सिंह भी मुख्य ड्रॉ में खेलेगी। अंडर-17 बालक वर्ग के एकल व मिश्रित युगल में अंशुमन चौधरी, बालक युगल में हर्मन पंडित और कंदर्प शर्मा, मिश्रित युगल में कंदर्प शर्मा और देषना जैन, बालिका एकल में रितिका झमनानी भी मुख्य ड्रॉ में खेलेगी।

उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के चीफ रेफरी केरल के हबीब रहमान मंगलवार को जयपुर पहुंच गए और शाम को उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया। उनके साथ राजस्थान बैडमिंटन संघ व आयोजन सचिव के.के. शर्मा, बैडमिंटन एषिया रेफरी राजीव मेहता, भारतीय बैडमिंटन संघ के रेफरी लोकेष सोनी, राष्ट्रीय स्तरीय रेफरी त्रिलोक शुक्ला, राष्ट्रीय स्तरीय रेफरी चंद्रकांत शर्मा व ग्रेड-1 अम्पायर विनित शर्मा भी मौजूद थे।

चीफ रेफरी ने बताया कि क्वालिफाइंग मुकाबलों का ड्रॉ बुधवार की शाम 5 बजे डाला जाएगा और खिलाड़ियों की सीडिंग भी जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 1800 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं और क्वालिफाइंग राउंड से 32 खिलाड़ी मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करेंगे। उन्होंने बताया कि दोनों आयु वर्ग के एकल में 30 वरियता प्राप्त खिलाड़ी और क्वालिफाइंग राउण्ड से 32 खिलाड़ी मुख्य ड्रॉ में खेलेंगे। दो प्रविष्टियां मेजबान को होगी। इसी प्रकार युगल मुकाबलों में 32 का ड्रॉ होगा जिनमें 15 वरियता प्राप्त जोड़ियों के अलावा 16 जोड़ियां क्वालिफाइंग राउण्ड से मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करेगी साथ ही एक जोडी वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी।

// एशियाई खेल //

एशियन गेम्स 2026 में शूटर नीरू ढांडा का गोल्डन निशाना, भारत के लिये रचा इतिहास

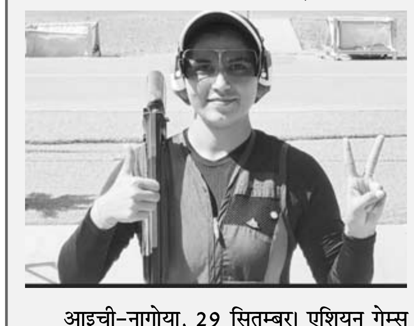

आइची-नागोया, 29 सितम्बर। एशियन गेम्स 2026 में मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की प्रतिभावान खिलाड़ी नीरू ढांडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स की महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में मंगलवार को स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में उन्होंने 30 में से 28 सटीक निशाने साधते हुए न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि नया एशियन रिकॉर्ड भी कायम किया।

28 सटीक निशानों के साथ एशियन रिकॉर्ड, नीरू ढांडा का ऐतिहासिक स्वर्ण

नीरू धांडा ने फाइनल मुकाबले में शानदार एकाग्रता और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। उनके 28 अंकों के प्रदर्शन ने इससे पहले के 24 अंकों के एशियन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस स्वर्णिम प्रदर्शन के साथ नीरू एशियन गेम्स में महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं। नीरू की यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है, क्योंकि उन्होंने आशिमा अहलावत और मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ी मनीषा कीर के साथ महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में भारत को रजत पदक दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय महिला 4400 मीटर रिले टीम ने जीता स्वर्ण, 44 साल का पदक सिलसिला बरकरार

आइची-नागोया, 29 सितंबर। भारतीय महिला 4400 मीटर रिले टीम ने एशियन खेल-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को स्वर्ण पदक अपने नाम किया। किरण पहल, एम. पूवम्मा, प्राची और विथ्या रामराज की भारतीय चौकड़ी ने फाइनल में 3:29.69 मिनट का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। बहरीन ने 3:30.21 मिनट के समय के साथ रजत पदक, जबकि चीन ने 3:31.02 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता। इस स्वर्ण पदक के साथ भारत ने इस स्पर्धा में अपना सातवां एशियन खेल स्वर्ण हासिल किया। साथ ही भारतीय महिला टीम ने 1982 के नई दिल्ली एशियन गेम्स से शुरू हुआ हर संस्करण में पदक जीतने का 44 साल पुराना सिलसिला भी बरकरार रखा। भारत ने इससे पहले इस स्पर्धा में आखिरी बार 2018 में स्वर्ण पदक जीता था। विथ्या रामराज के लिए भी यह एशियन खेल बेहद सफल रहा है। उन्होंने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ कांस्य पदक और मिश्रित 4400 मीटर रिले में रजत पदक जीतने के बाद अब स्वर्ण भी अपने नाम कर लिया। यह एशियन खेल 2026 में भारत का छठा स्वर्ण पदक है। मंगलवार को भारत का यह दूसरा स्वर्ण रहा। इससे पहले निशानेबाज नीरू धांडा ने महिलाओं की व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा में एशियन रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

भारत ने मिश्रित 4100 मी. रिले में जीता कांस्य, बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भारत ने एशियन गेम्स-2026 में मिश्रित 4100 मीटर रिले में कांस्य पदक जीतकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। गुरिंदरवीर सिंह, स्नेहा सत्यनारायण, अनिमेष कुजूर और हरिता भद्रा की भारतीय चौकड़ी ने फाइनल में 41.06 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने इस प्रदर्शन के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किया। इससे पहले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 41.35 सेकंड का था, जो रागुल कुमार, नित्या गांधे, अनिमेष कुजूर और स्नेहा सत्यनारायण ने 2026 विश्व रिले चैंपियनशिप में बनाया था।

गुलवीर ने 5000 मीटर में जीता कांस्य, एक ही खेलों में तीन व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बने

भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियन खेल-2026 में पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। गुलवीर ने मंगलवार को 13:32.75 मिनट का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। यह मौजूदा एशियन खेल में उनका तीसरा व्यक्तिगत पदक है। वह एक ही एशियन खेल में तीन व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। बहुत करीबी मुकाबले में बहरीन के बिरहानु बालेव ने 13:30.79 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान के तोमोनोरी यामागुची ने 13:31.43 के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया। गुलवीर ने इससे पहले पुरुषों की 10,000 मीटर और 1500 मीटर स्पर्धाओं में रजत पदक जीता था। 5000 मीटर में कांस्य के साथ उन्होंने एशियन खेल में पदकों की हैट्रिक पूरी कर ली।

भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग में जीता कांस्य

भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने आइची-नागोया एशियन खेल 2026 में पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। नरेंद्र को सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन आइबेक ओरलबे के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में हार के बावजूद नरेंद्र को कांस्य पदक मिला।

अंकुश ने 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में बनाई जगह, रजत पदक पक्का

भारत के युवा मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने एशियन खेल 2026 में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में अंकुश ने उज्बेकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन फजलिद्दीन एर्किनबोएव को 4-1 के विभाजित फैसले से हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले का टिकट कटाया।

परवीन हुड्डा ने 65 किग्रा फाइनल में बनाई जगह, रजत पदक पक्का

भारतीय मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने एशियन खेल 2026 में महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। निशियो जिम्नेजियम में मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में परवीन ने चीन की ली शू को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया।

धीरज बोम्मदेवरा और नीरज चौहान रिकर्व के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

भारत के तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा और नीरज चौहान ने मंगलवार को एशियाई खेल 2026 में पुरुषों की रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दोनों ने राउंड ऑफ 16 में शानदार जीत दर्ज की। शीर्ष वरीय धीरज ने चीनी ताइपे के चेंग सियांग-हुई को 6-2 से हराया। धीरज ने इससे पहले राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस के गिरविन गार्सिया को 6-0 से मात दी थी। चेंग के खिलाफ मुकाबले में धीरज को कड़ी चुनौती मिली, लेकिन उन्होंने दबाव में संयम बनाए रखते हुए जीत हासिल की। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना उज्बेकिस्तान के अमिरखोन सादिकोव से 3 अक्टूबर को होगा। वहीं, नीरज चौहान ने राउंड ऑफ 16 में दक्षिण कोरिया के किम जे देओक को 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

भारतीय एथलीट देव मीना ने पोल वॉल्ट में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

भारतीय एथलीट देव मीना ने मंगलवार को एशियन खेल-2026 की पुरुष पोल वॉल्ट स्पर्धा के फाइनल में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर कर नया कीर्तिमान बनाया। देव ने 5.50 मीटर की ऊंचाई पार कर अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ा और नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी दर्ज किया। देव का पिछला रिकॉर्ड 5.46 मीटर था, जो उन्होंने इस साल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने एशियन खेल के लिए निर्धारित क्वालिफिकेशन मानक भी हासिल किया था। इससे करीब एक महीने पहले रांची में आयोजित फेडरेशन कप में देव मीना और कुलदीप कुमार ने 5.45 मीटर की समान ऊंचाई पार करके राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

टीम मेफेयर 84 ने जीता टूर्नामेंट का पहला मैच, टीम मेफेयर पोलो को 10-7 के स्कोर से हराया

जयपुर, 29 सितंबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत भावनगर पोलो ट्रॉफी (08 गोल्स) के लिए मंगलवार से टूर्नामेंट का आगाज हुआ। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला पैट्रन्स पोलो क्लब पर टीम मेफेयर 84 और टीम मेफेयर पोलो के बीच खेला गया। टीम मेफेयर 84 ने इस रोमांचक मैच में 10-7 के स्कोर से टीम मेफेयर पोलो को हराकर जीत हासिल की। विजेता टीम मेफेयर 84 की ओर से शमशीर अली ने बेहतरीन प्रदर्शन करते

हुए 5 गोल किए। वहीं, हुर्रे अली ने 3 गोल और अनय शाह ने 2 गोल हासिल किए। टीम से प्रताप सिंह कानोता भी खेले। दूसरी ओर, टीम मेफेयर पोलो से मार्टिन कार्लोस डोनोवन ने शानदार प्रदर्शन किया और 5 गोल दागे। जबकि, कुलदीप सिंह राठौड़ ने 2 गोल किए। टीम में जयवीरसिंह गोहिल और रणशय पुरोहित भी शामिल रहे।

टीम स्टर्नहिगन और टीम नेवी पोलो के बीच मुकाबला आज

भावनगर पोलो ट्रॉफी के लिए दूसरा मुकाबला कल, बुधवार को पीपीसी ग्राउंड पर शाम 4.30 बजे से टीम स्टर्नहिगन और टीम नेवी पोलो के बीच खेला जाएगा।

महिला हॉकी में भारत के सामने दक्षिण कोरिया की चुनौती, नजरें स्वर्ण पदक पर

नई दिल्ली, 29 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम एशियन खेल-2026 के सेमीफाइनल में बुधवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें 44 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए एशियन खेल में दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने पर है। मुकाबला जापान के कावासाकी जुको स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने पूल बी में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी पांच मुकाबले जीते और शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0, इंडोनेशिया को 17-1 और थाईलैंड को 20-1 से हराया। इसके बाद मेजबान जापान को कड़े मुकाबले में 3-1 से शिकस्त दी और पूल चरण का अंत सिंगापुर के खिलाफ 7-0 की जीत के साथ किया। दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया ने पूल ए में चार जीत के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। उसे केवल चीन के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने 8-0 की बड़ी जीत दर्ज की।

श्री चरणी ने टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में रचा इतिहास

// 817 पॉइंट्स के साथ बनाया नया रिकॉर्ड //

नई दिल्ली, 29 सितंबर। भारत की श्री चरणी ने महिला टी -20 बॉलिंग रैंकिंग में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 22 साल की इस खिलाड़ी ने एशिया कप और एशियन गेम्स जैसे दो बड़े टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 817 पॉइंट्स हासिल किए। इसके साथ ही, उन्होंने मेगन शट का सबसे ज्यादा पॉइंट्स का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया, जो नवंबर 2018 में बना था। ऑस्ट्रेलिया की इस खिलाड़ी के नाम 806 पॉइंट्स का रिकॉर्ड था और चरणी के इसे तोड़ने से पहले यह रिकॉर्ड लगभग आठ साल तक कायम रहा। खास बात यह है कि भारत के आठवें एशिया कप खिताब जीतने के सफर में चरणी ने 12 विकेट लिए। श्रीलंका के ख़िलाफ़ फ़ाइनल मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया; उन्होंने 20 रन देकर चार विकेट लिए और भारत ने 72 रनों से मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। चरणी ने जापान में हुए एशियाई खेलों में भी अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखा। मेजबान टीम के ख़िलाफ़ चरणी ने 4/10 के अपने करियर के सबसे अच्छे आंकड़े दर्ज किए, जिससे भारत को सेमीफ़ाइनल में पहुँचने में मदद मिली। इसके बाद, 22 सितंबर को श्रीलंका के ख़िलाफ़ गोल्ड-मेडल मैच में उन्होंने दो विकेट लिए, जिसमें भारत ने 147 रनों से जीत हासिल की। इस प्रदर्शन से उनकी रेटिंग रिकॉर्ड 817 तक पहुँच गई।

मुख्यमंत्री ने कोटा के सभी निकायों में विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी

मंगलवार को सम्मान समारोह में भजनलाल ने जीत को जनता से निरंतर जुड़ाव का परिणाम बताया

कोटा, 29 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने संकल्प पत्र के 78 प्रतिशत वादों को पौने तीन वर्ष में ही पूरा कर लिया है। जनता से किए गए संकल्पों को हमने समय से धरातल पर उतारा है, जिसके सकारात्मक परिणाम निकाय चुनाव में देखने को मिले हैं।

मुख्यमंत्री मंगलवार को कोटा में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कोटा के सभी नगर निकायों में भाजपा की जीत के लिए महापौर, उपमहापौर, पार्षदों और पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत, संगठन की मजबूती और जनता से निरंतर जुड़ाव का परिणाम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि वे आगामी पंचायत राज चुनावों में इसी ऊर्जा और ताकत के जुटें तथा भाजपा को विजयी बनाएं।

मुख्यमंत्री के कोटा आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने भी कार्यकर्ताओं से बड़ी आत्मीयता के साथ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोटा में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित किया।

भेंट कर उनका अभिवादन स्वीकार किया। सम्मान समारोह के दौरान, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर,

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोटा-बूँदी में भाजपा कार्यकर्ताओं से पंचायती राज चुनावों की तैयारी में जुटने का आह्वान किया।

विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, महापौर अनुसुइया गोस्वामी, उपमहापौर विवेक राजवंशी, जिला प्रभारी प्रमोद सावर, जिलाध्यक्ष राकेश जैन सहित, संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कोटा के एलन सभागार में कोटा-बूंदी कार्यकर्ताओं से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि चुनाव नेता नहीं जीतता, बूथ का कार्यकर्ता जीतता है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि वे पंचायती राज चुनावों की तैयारी में जुट जाएं। ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद स्तर पर संगठन को और मजबूत करें। हर गांव और हर ढाणी तक सघन जनसंपर्क करें।

सोडाला-गुर्जर की थड़ी रोड 100 फीट करने से प्रभावित लोगों ने पक्षकार बनने की अर्जी दी

जयपुर, 29 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यू सांगानेर रोड पर सोडाला से गुर्जर की थड़ी तक 100 फीट चौड़ी रोड और यहां के विश्वा नगर में अतिक्रमण के मामले में जेडीए को प्रभावितों की पक्षकार बनने की अर्जी का जवाब देने के लिए कहा है। वहीं

■ हाई कोर्ट ने जेडीए से 6 अक्टूबर तक जवाब मांगा।

मामले की आगामी सुनवाई 6 अक्टूबर तय की है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश सुरेश चन्द रावत व अन्य की पीआईएल प्रभावितों की ओर से पक्षकार बनने के लिए पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में कहा कि हाईकोर्ट के आदेश से याचिकाकर्ता प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में मामले में उनका पक्ष भी सुना जाए। वहीं जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी ने अदालत को बताया कि अभी तक 210 लोगों को धारा 72 का नोटिस दे दिया है और उनकी ओर से पेश जवाबों का परीक्षण कराया जा रहा है। इसके अलावा कार्रवाई के लिए पांच टीमें बनाई गई हैं। अदालत ने जेडीए का पक्ष सुनने के बाद, उसे पक्षकार बनने वाली अर्जी का जवाब देने के लिए कहा।

कैंसर दवाओं पर 10 गुना मुनाफा कमाना नरसंहार है- सुप्रीम कोर्ट

अदालत ने कहा कि दवाओं पर 16 प्रतिशत मार्जिन क्यों तय नहीं किया जाए

नई दिल्ली, 29 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने जीवन रक्षक दवाओं की अत्यधिक कीमत (ओवर प्राइसिंग) वसूलने पर चिंता जताते हुए इसकी कड़े शब्दों में निंदा की है। न्यायालय ने कैंसर की दवाओं पर 10 गुना तक मुनाफा कमाने को नरसंहार करार दिया है। न्यायालय ने कहा कि क्यों न दवाओं पर 16 फीसदी मार्जिन फिक्स कर दी जाए? अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने इस बात पर गहरा दुख जताया कि कैसे कॉर्पोरेट अस्पताल आम नागरिकों और करदाताओं की कीमत पर दवाओं के दाम बढ़ा रहे हैं। न्यायालय ने यह भी कहा है कि फार्मा कंपनियों को मरीजों की कोई चिंता नहीं है। कैंसर दवा का ग्राहकों से लिया जाने वाला अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 22,437 रुपये होता है। रिटेलर के लिए इसकी कीमत सिर्फ 3,520 रुपये होती है। यह सीधे-सीधे नरसंहार है। कॉरपोरेट अस्पताल उद्योग की तरह काम कर रहे हैं।

न्यायालय ने पूछा कि दवाओं की कीमत तय करने की व्यवस्था में ऐसा अंतर क्यों है? न्यायालय ने कहा कि

■ सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कैंसर की दवा की ग्राहकों से ली जा रही एमआरपी 22,437 रूपए है, जबकि रिटेलर को यह सिर्फ 3520 रूपए में मिलती है। फार्मा कंपनियों को मरीज की कोई चिंता नहीं है।

आखिर ऐसी जरूरी दवाओं को मूल्य नियंत्रण से बाहर कैसे रखा जा सकता है। न्यायालय ने कहा कि 27 हजार रुपये एमआरपी वाली कैंसर की एक दवा का प्राइस टू रिटेलर करीब 3,000 रुपये है, जो अत्यधिक अंतर है। न्यायालय ने पूछा कि ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर यानी डीपीसीओ में आवश्यक और गैर आवश्यक दवाओं के बीच अंतर क्यों किया गया है?

'जयपुर का " यूनेस्को वर्ल्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिपोर्ट्स पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने इसे जनहित याचिका के तौर पर भी दर्ज कर खंडपीठ में सुनवाई करने को कहा है। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि दिसंबर, 2026 से पहले पर्याप्त एवं प्रभावी सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो जयपुर के चारदीवारी वाले शहर के यूनेस्को विश्व विरासत स्थल के तौर पर अपनी मान्यता खोने का गंभीर जोखिम है। ऐसे में अदालत ने जेडीए तथा जयपुर नगर निगम को, राज्य सरकार के संबंधित अधिकारियों के माध्यम से, जयपुर के चारदीवारी वाले शहर को नुकसान पहुंचाने वाले अनधिकृत एवं अनियमित निर्माणों का सर्वेक्षण करने तथा उसकी रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, चार सप्ताह में विस्तृत हलफनामा दाखिल कर यह बताना होगा कि हेरिटेज नियमों का पालन कैसे हो रहा है। निर्माण अनुमतियों से पहले हेरिटेज इम्पैक्ट असेसमेंट हुआ या नहीं और पिछले पांच वर्षों में अवैध निर्माण के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई।

चलती कार से वर्चुअल सुनवाई में शामिल होने पर 1 लाख रु. का जुर्माना

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला ने इसे कोर्ट रुम की गरिमा के खिलाफ माना

नई दिल्ली, 29 सितंबर। चलती कार से वर्चुअल सुनवाई में शामिल होने पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक वकील पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला ने इसे कोर्ट रूम की गरिमा के खिलाफ और जुडिशियल प्रोसीडिंग में बाधक मानते हुए यह आदेश दिया।

कोर्ट ने कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई का मतलब यह नहीं है कि कोर्ट की गरिमा ही भंग हो जाए और कोर्ट सुनवाई ठीक से संचालित न कर सके। कोर्ट ने कहा कि जब रोजाना 70 मामले निपटाने हों और इस तरह की बाधा आए, कोर्ट की गरिमा को भंग करने का प्रयास किया जाए, तो कोर्ट को हस्तक्षेप करने की जरूरत पड़ेगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि

■ कोर्ट ने कहा कि इलैक्ट्रॉनिक साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग नियम भी किसी वकील को यह इजाजत नहीं देते कि बिना कोर्ट की अनुमति के वाहन से कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो।

इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियम भी किसी वकील को इसकी इजाजत नहीं देता कि वह बिना कोर्ट की अनुमति के वाहन से कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो। कोर्ट विशेष परिस्थितियों में ही वकील को वाहन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई में हिस्सा लेने की अनुमति दे सकता है। यह इसलिए जरूरी है कि सुनवाई में शामिल हो रहे वकील भी एक अनुकूल माहौल महसूस करें।

मामला साउथ इंडियन बैंक और नेशनल हाइवे अथॉरिटी के बीच एक फैसले के अनुपालन से जुड़ा था। इसी मामले में साउथ इंडियन बैंक की ओर से पेश वकील नचिकेता गोयल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान चलती कार में थे और कोर्ट की सुनवाई में शामिल हुए थे। इस पर उच्च न्यायालय ने कड़ी आपत्ति जताते हुए नचिकेता गोयल पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया।

'मैं किसी भी सूरत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने अगले कदम के बारे में असमंजस में रखा है। इस तरह की रणनीति ने बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में उनकी सौदेबाजी की ताकत को बढ़ाया है। भले ही इससे उनके बारे में अवसरवाद की राजनीति करने की धारणा को बल मिला हो।

मोदी से पवार की हाल की मुलाकातों और मोदी के बारे में दिये गये उनके बयानों को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई होगी, लेकिन इस मीटिंग को व्यापक रूप से दोनों पक्षों के बीच रिश्तों में सुधार के संभावित संकेत के रूप में देखा गया। लेकिन पवार के ताजा बयान एनडीए में शामिल होने की किसी भी संभावना को साफ तौर पर खारिज करते हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और विपक्ष की भूमिका पर जोर दिया है। ये मुलाकातें वरिष्ठ नेताओं के बीच होने वाली व्यावहारिक राजनीतिक बातचीत जैसी लगती हैं, न कि विचारधारा के स्तर पर एक-दूसरे के करीब आने जैसी। इससे पवार अटकलों को नियंत्रित करने के साथ-साथ, भविष्य की राजनीतिक बातचीत के लिए अपनी गुंजाइश भी बनाए रखते हैं। 85 वर्ष की उम्र में भी शरद पवार की राजनीतिक भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है, हालांकि उनका प्रभाव पहले की तुलना में कम हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर वे इंडिया गठबंधन के एक वरिष्ठ विपक्षी नेता हैं और उनका अनुभव तथा लंबा राजनीतिक रिकॉर्ड गठबंधन को संस्थागत मजबूती देता है। महाराष्ट्र में 2023 के विभाजन के बाद, उनके गुट से पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह चले गए तथा बाद के चुनावों में उसके चुनावी प्रदर्शन में भी कमी आई। इसके बावजूद, पश्चिमी महाराष्ट्र के सहकारी संस्थानों और किसान समुदाय से जुड़े नेटवर्क में उनका प्रभाव बना हुआ है। गठबंधन से जुड़े सवालों पर आज भी उनकी बात पर व्यापक ध्यान जाता है और वे राजनीतिक चर्चा को प्रभावित करने में सक्षम हैं। इससे पता चलता है कि वे पहले जैसे निर्णायक 'किंगमेकर' भले ही नहीं रहे हों, लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेता के रूप में वे अभी भी महाराष्ट्र की राजनीति की दिशा और चर्चा को अपनी शर्तों पर प्रभावित करते हैं।

आप पार्टी के सौरभ भारद्वाज व जरनैल सिंह के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली, 29 सितंबर। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा का थप्पड़ कांड तूल पकड़ता जा रहा है। एक हेड कॉन्स्टेबल पर हमले के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह और आप कार्यकर्ताओं के नाम शामिल हैं। साहिब सिंह के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल सोमवार को तिलक नगर गए थे। दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल सादे कपड़ों में वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। आप समर्थकों की भीड़ ने उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। इसके बाद हेड कॉन्स्टेबल का मेडिकल टेस्ट कराया गया। सरकारी कर्मचारी को उसके काम में बाधा डालने और उस पर हमला करने से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हाई कोर्ट ने रामबाग पैलेस होटल का स्टाफ क्वार्टर खाली करने का आदेश दिया

जयपुर, 29 सितंबर। आर्थिक अपराध मामलों की एसीजेएम कोर्ट महानगर द्वितीय ने रामबाग पैलेस होटल के स्टाफ क्वार्टर को लेकर होटल प्रबंधन पक्ष में फैसला दिया है। कोर्ट ने जगरूप सिंह पर कंपनी एक्ट के तहत 10 हजार रुपए जुर्माना लगाते हुए निर्देश दिया कि वह स्टाफ क्वार्टर नंबर एम-43 को खाली कर उसका कब्जा परिवादी कंपनी को दे। ऐसा नहीं करने पर वह दो साल का साधारण कारावास भुगतने के लिए जिम्मेदार होगा।

रामबाग पैलेस होटल के अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि जगरूप सिंह ने रिटायरमेंट के बाद भी आवासीय सुविधा के लिए दी, संपत्ति खाली नहीं की और न ही कंपनी को उसका कब्जा ही संभलाया। रामबाग पैलेस होटल के पावर ऑफ अटार्नी होल्डर श्रवण सिंह ने कोर्ट में दायर परिवाद में कहा कि परिवादी कंपनी, एसएमएस इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन से

■ अदालत ने कहा कि कब्जा नहीं देने पर दो साल का कारावास होगा।

किराए पर भवन लेकर उसे अपने कर्मचारियों की आवासीय सुविधा के लिए देती है।

जगरूप सिंह के सेवाकाल में उसे भी एक मार्च 1978 को क्वार्टर रहने के लिए दिया था। 31 मार्च 2010 को उसे सेवा से हटा दिया, लेकिन उसने परिसर खाली नहीं किया।

पाकिस्तान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं देना परमाणु ईंधन की डिलीवरी में देरी कर सकता है और संभावित रूप से संयंत्र के संचालन की समय-सारिणी को प्रभावित कर सकता है।

झांसी में एक परिवार के पांच लोग डूबे

झांसी, 29 सितंबर। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित मऊरानीपुर थाना क्षेत्र में रिपोर्टिंग पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवरी सिंहपुरा के पास सुखनई नदी के बल्लू घाट पर मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। पूर्वजों को पानी देने पहुंचे एक ही परिवार के पांच लोग नदी में डूब गए। हादसे में 13 वर्षीय नाबालिग समेत पांचों की मौत हो गई। एक साथ पांच मौतों की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और देवरी सिंहपुरा गांव में मातम पसर गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवरी सिंहपुरा निवासी रामेश्वर प्रसाद तिवारी के यहां 28 सितंबर को उनके स्वर्गीय भाई का श्राद्ध कार्यक्रम था। इसमें परिवार के सभी रिश्तेदार शामिल हुए थे। श्राद्ध के अगले दिन मंगलवार को परिजन पूर्वजों को पानी देने सुखनई नदी के बल्लू

■ वे सुखनई नदी के बल्लू घाट पर पूर्वजों को पानी देने गये थे।

घाट पहुंचे थे। बताया गया कि घाट पर पहुंचने के बाद 40 वर्षीय अनूप तिवारी पुत्र रामेश्वर प्रसाद तिवारी नदी में नहाने के लिए उतरे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। अनूप को डूबता देखकर उनका पुत्र 13 वर्षीय अर्पित तिवारी पुत्र अनूप तिवारी, 21 वर्षीय श्रेयांश तिवारी पुत्र विजय तिवारी, 24 वर्षीय अभिनय तिवारी पुत्र अजय तिवारी तथा भांजा 25 वर्षीय पुष्कल उर्फ छोटू पुत्र शिशु शुक्ला उन्हें बचाने के लिए गहरे पानी में उतर गए। देखते ही देखते पांचों गहरे पानी में समा गए।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(बीकानेर), पलसाना (सीकर), जैसलमेर, प्रतापगढ़, मण्डावरी (दौसा), महवा (दौसा), बारां, नाहरगढ़ (बारां), उनियारा (टोंक), समरानियां (बारा), निवाई (टोंक), सादुलपुर (चूरू), बिजयनगर (ब्यावर), रिडमलसर (श्रीगंगानगर), कपासन (चित्तौड़गढ़), डीडवाना, भीनमाल, मदनगंज-किशनगढ़, डेगाना, कामां (डीग), नागौर, अनाज मण्डी उदयपुर, सीकर, चौमहला (झालावाड़), अनाज मण्डी कोटा, घड़साना (श्रीगंगानगर), संगरिया (हनुमानगढ़) में विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगें। इन विकास कार्यों से मण्डियों में किसानों और व्यापारियों के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे कृषि विपणन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

सीआईएसएफ के हैडकांस्टेबल की अंधाधुंध फायरिंग में असि. कमांडेंट सहित 4 की मौत

आरोपी के अनुसार, लंबे समय से छुट्टी नहीं मिलने के कारण उसने गुस्सा होकर फायरिंग की

कठुआ, 29 सितंबर। हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे कठुआ जिले के हट्ट माश्का गांव में सेवा-2 हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल अवधेश सिंह ने छुट्टी के विवाद में मंगलवार शाम करीब 7:00 बजे कैंप में फायरिंग शुरू कर दी। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के अनुसार, गोली लगने से असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार पांडेय, सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह, कांस्टेबल रफीक अहमद और कांस्टेबल संदीप कुमार की मौत हो गई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी

■ हैड कांस्टेबल अवधेश सिंह हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे कठुआ जिले में सेवा -2 हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट की सुरक्षा में तैनात था। मंगलवार शाम 7 बजे उसने कैंप में फायरिंग कर दी जिसमें असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार पांडेय, सब इन्सपेक्टर लक्ष्मण सिंह, कांस्टेबल रफीक अहमद और कांस्टेबल संदीप कुमार की मौत हो गई।

अवधेश सिंह को हिरासत में ले लिया गया है। पूछताछ में उसने बताया कि, लंबे समय से छुट्टी के लिए आवेदन कर रहा था। लेकिन किसी न किसी कारण से छुट्टी रद कर दी जा रही थी। मंगलवार को भी छुट्टी को लेकर ही विवाद शुरू हुआ। गुस्से में आकर उसने शाम 7:00 बजे सर्विस राइफल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

गोली लगने से असिस्टेंट कमांडेंट एवं कंपनी कमांडर अंकित कुमार पांडेय, सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह, कांस्टेबल रफीक अहमद और कांस्टेबल संदीप घायल हो गए। गंभीर हालत में सभी को हिमाचल के चंबा जिला स्थित राष्ट्रीय जलविद्युत निगम लिमिटेड (एनएचपीसी) के अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। सभी के शवों को हट्ट माश्का से सटे हिमाचल के एनएचपीसी की दूसरी परियोजना के खैरी अस्पताल में शिफ्ट करवा दिया गया है।

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सूत्रों व पुलिस के अनुसार, आरोपी हेड कांस्टेबल अवधेश सिंह ने एके-47 राइफल से फायरिंग की है। उसके पास 150 राउंड गोलियां थीं। गुस्से में आकर उसने अंधाधुंध फायरिंग की। इस बीच सामने जो आया, उसे निशाना बनाया। विवाद की शुरुआत असिस्टेंट कमांडेंट एवं कंपनी कमांडर अंकित कुमार पांडेय से हुई थी। सूत्रों के अनुसार अवधेश सिंह 2009 में सीआईएसएफ में भर्ती हुआ था।

ट्रंप एआई पर "रेग्युलेटरी" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एआई मॉडल के तेजी से डवलपमैंट की गति की समीक्षा करने और कुछ कदम पीछे हटने की वकालत करने वाले दो प्रमुख लोगों में "ओपनएआई" के सैम ऑल्टमैन और "एन्थ्रॉपिक" के डारियो अमोडेई शामिल हैं। दोनों कंपनियों ने एआई मॉडल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम किया है। नए मॉडल की अनियंत्रित क्षमताओं को देखते हुए, ऑल्टमैन ने अरबों डॉलर खर्च करके विकसित किए गए अपनी कंपनी के नवीनतम मॉडलों में से एक को जारी करने से रोक दिया है।

ट्रंप इस विचार से सहमत नहीं हैं। वे इस पूरे मुद्दे को अमेरिका और चीन के बीच हाई टैक्नॉलजी क्षेत्र में चल रही प्रतिस्पर्धा के नज़रिए से देख रहे हैं। चिंता यह है कि अगर ये एआई मॉडल बड़े कंप्यूटर नेटवर्क और यहां तक कि डिफैंस सिक्यूरिटी सिस्टम को भी प्रभावित करने लगे, तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं।

ट्रंप बार-बार कह चुके हैं कि जो कोई भी एआई और उसकी क्षमताओं पर कब्जा करेगा, वही भविष्य में जीतेगा। इसलिए वे अमेरिकी एआई अनुसंधान और विकास पर रोक लगाने के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि चीन लगातार अपने एआई क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। कई मामलों में चीन पर अमेरिकी कंपनियों की तकनीक और साधनों का गलत तरीके से इस्तेमाल करने के आरोप भी लगे हैं।

इस समय इंडस्ट्री लीडर्स की ओर से एक अच्छी बात "एनवीडिया" के सीईओ जेनसेन हुआंग की ओर से आई है। एनवीडिया दुनिया की सबसे उन्नत चिप बनाने वाली कंपनियों में से एक है। हुआंग ने इस बहस में हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि ऐसी तकनीक और सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना संभव है, जो एआई उत्पादों और कंप्यूटर सिस्टम को हैक करने की उनकी क्षमता से सुरक्षा कर सके।

जेनसेन हुआंग उन उद्योग नेताओं में शामिल होंगे, जो डॉनल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं।

उन्होंने बेकाबू हैकिंग की घटना को एक इंजीनियरिंग समस्या कहा है। इसलिए उन्होंने कहा कि एआई इंडस्ट्री के लिए सामान्य नियम बनाना जरूरी नहीं है और इसकी कोई ज़रूरत भी नहीं है।

डॉनल्ड ट्रंप द्वारा रैगुलेशन का विरोध करने का एक और कारण राजनीतिक है। एआई में निवेश और एआई उद्योग तथा उसके भविष्य को लेकर पैदा हुआ उत्साह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाली एक बड़ी ताकत बन गया है। एआई से जुड़ी पहलों पर अचानक रोक लगाने से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश और कारोबारी उत्साह कम हो सकता है। ट्रंप अपने राष्ट्रपति कार्यकाल में अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले ऐसा होते हुए नहीं देखना चाहेंगे।

इसके अलावा, ईरान युद्ध और कीमतों की स्थिति से निपटने के ट्रंप के तरीके ने भी उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। ऐसे समय में एआई को लेकर बने उत्साह पर अचानक रोक लगने से उनकी और रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी संभावनाओं को और नुकसान पहुंच सकता है।

असम में एनआईए ने 6 को गिरफ्तार किया

दिसपुर, 29 सितंबर। असम के बारपेटा जिले में कथित 'जिहादी' गतिविधियों और युवाओं को कट्टरपंथी संगठनों में शामिल करने के लिए प्रभावित करने के आरोप में एनआइए ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

एनआइए ने सोमवार रात होवली, बारपेटा रोड और सोरभोग थाना क्षेत्रों में

■ इन लोगों पर जिहादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है

तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान सोरभोग क्षेत्र से तीन, बारपेटा रोड से दो और होवली से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों के पास से दस्तावेजों के अलावा, लैपटाप और मोबाइल फोन समेत कई इलेक्ट्रानिक उपकरण जब्त किए गए। एनआइए का आरोप है कि इन लोगों के प्रतिबंधित जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के सीमा-पार संगठन इमाम महमूदेर काफिला (आइएमके) से सीमा पार संबंध हैं।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव में दौसा क्रिकेट एसोसियेशन की ओर से मत देने का अधिकार है। वहीं बृजकिशोर उपाध्याय का कहना है कि आरसीए ने वर्ष 2024 से उन्हें दौसा क्रिकेट एसोसियेशन का सचिव माना है और दौसा क्रिकेट एसोसियेशन ने कहा कि प्रदीप नागर की सदस्यता के मुद्दे पर लिखे गये पत्र को खारिज कर दिया था। बृजकिशोर उपाध्याय की ओर से कहा गया है कि प्रदीप नागर को चुनाव शिड्यूल की पूरी जानकारी थी, इसके बावजूद उन्होंने चुनाव में भाग लेने से इंकार कर दिया और अपनी दावेदारी भी घोषित नहीं की।

राहुल गांधी ने सीडब्ल्युसी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधार पर "वोट चोरी" की बात कर रहे थे, तब आप में से ज्यादातर लोगों ने उन पर विश्वास नहीं किया था, लेकिन अब ज्यादा से ज्यादा लोग यह मानने लगे हैं कि यह सच है, और इसी तरह भाजपा दोहरी रणनीति के जरिए चुनाव जीत रही है, एक तो ईवीएम को मैनेज करके और दूसरे देश में बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाकर।

आज हुई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्युसी) की बैठक में इण्डियन नैशनल कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित करके आरएसएस-भाजपा द्वारा चुनावी प्रक्रिया पर कब्जा करने की कोशिशों का विरोध करने का संकल्प लिया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से देश को "वोट चोरी" के बारे में चेतावनी देते रहे हैं। हाल में सामने आई बातें उनकी दृढ़ता और कांग्रेस के लगातार प्रयासों का नतीजा हैं। आज देशभर में भारत के चुनावों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बहाल करने की मांग उठ रही है।

सीडब्ल्युसी ने चार स्पष्ट मांगें रखीं:

- सीईसी का तुरंत इस्तीफा।
- एसआईआर को तुरंत सस्पैंड करना।
- मतदाता सूची से हटाए गए 13 करोड़ से अधिक नामों को तुरंत बहाल करना।
- प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का इस्तीफा, जिन्होंने "वोट चोरी" का आयोजन किया।

सीडब्ल्युसी ने कहा कि कांग्रेस केवल विपक्ष की पार्टी नहीं है, बल्कि विरोध करने वाली पार्टी भी है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह संघर्ष अपने उचित अंजाम तक पहुंचे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह कांग्रेस ने ही अंग्रेजों से देश की आजादी और वोट देने का अधिकार हासिल किया था। अब समय आ गया है कि भाजपा सरकार से भी उसी तरह मुकाबला किया जाए, वोट देने का अधिकार बहाल किया जाए और लोकतंत्र को मजबूत किया जाए, जो "वोट चोरी" के कारण खतरे में है।

पार्टी सड़कों पर पर अपना आंदोलन और प्रदर्शन तब तक जारी रखेगी, जब तक ज्ञानेश कुमार को पद से नहीं हटाया जाता और पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल नहीं हो जाती।

कल होने वाले इण्डिया गठबंधन की बैठक में यह तय किया जाएगा कि आंदोलन को आगे कैसे बढ़ाया जाए और क्या रामलीला मैदान में कोई बड़ी रैली आयोजित की जाए या अलग-अलग राज्यों में रैलियां की जाएं।

ज्ञानेश के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और विपक्षी इंडिया गठबंधन पर बिना किसी आधार के चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की साजिश करने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार नहीं है, वहां राज्य भाजपा अध्यक्षों या विपक्ष के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908